रांची का तापमान
कांके — अधिक. 25.3° न्यून. 22.0°
रांची — अधिक. 24.6° न्यून. 22.8°
रांची, शनिवार
23 अगस्त 2025
वर्ष-26, अंक-201, पृष्ठ-12

भाद्रपद कृष्ण पक्ष 30, संवत 2082 | रांची एवं डालटनगंज (मेदिनीनगर) से एक साथ प्रकाशित | रजिस्ट्रेशन नं: BIHHIN/1999/155 | www.rastriyanaveenmail.com

ईश्वर में हमारा विश्वास
राष्ट्रीय नवीन मेल
सत्यमेव जयते
₹2.00
हर पक्ष की खबर | हर पक्ष पर नजर
पेज 12

झारखंड विधानसभा का पूरक मानसून सत्र शुरू

दिशोम गुरु शिबू सोरेन को भारत रत्न देने की उठी मांग

दिवंगत मंत्री रामदास सोरेन, पूर्व राज्यपाल मल्लिक को दी गई भी श्रद्धांजलि

सदन में दिशोम गुरु के योगदान का स्मरण करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी गई

नवीन मेल डेस्क

रांची। झारखंड विधानसभा के पूरक मानसून सत्र की कार्यवाही शुक्रवार से शुरू हुई। सदन में झारखंड आंदोलन के प्रणेता दिशोम गुरु शिबू सोरेन को 'भारत रत्न' देने की मांग उठी। कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव ने शोक प्रकाश के दौरान यह मांग रखी। उन्होंने कहा कि समाज सुधार, आदिवासी एवं वंचित समाज के हक-हुकूक और अलग राज्य के लिए आंदोलन में शिबू सोरेन ने महती भूमिका निभाई और उनके प्रति सम्मान व्यक्त करने के लिए उन्हें भारत रत्न देने के लिए सदन की ओर से सर्वसम्मत प्रस्ताव पारित किया जाना चाहिए।

सदन में मौजूद कई सदस्यों ने मेज थपथपाकर इस मांग पर समर्थन जताया। जनता दल यूनाइटेड के विधायक सरयू राय ने भी शोक प्रकाश के दौरान अपने वक्तव्य में कहा कि दिशोम गुरु के नाम से प्रसिद्ध रहे शिबू सोरेन के योगदान को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान मिलना चाहिए। सरयू राय ने उन्हें भारत रत्न देने की मांग का समर्थन किया। आजसू पार्टी के विधायक निर्मल महतो ने भी सदन से आग्रह किया कि शिबू सोरेन को भारत रत्न देने का प्रस्ताव पारित कर केंद्र सरकार को भेजा जाए। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के विधायक जयराम महतो ने झारखंड की सबसे ऊंची पहाड़ी पारसनाथ की चोटी पर शिबू सोरेन और शीर्ष झारखंड आंदोलनकारियों की प्रतिमा स्थापित करने की मांग की। इसके पहले, सदन के नेता मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने अपने वक्तव्य में नशाबंदी, आदिवासी समाज के उत्थान और झारखंड को अलग राज्य बनाने के आंदोलन में शिबू सोरेन के योगदान का स्मरण करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। सदन में राज्य के दिवंगत शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन, पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मल्लिक, वरिष्ठ पत्रकार हरिनारायण सिंह एवं उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में हाल में प्राकृतिक आपदाओं में मृत लोगों को श्रद्धांजलि दी गई। शोक प्रकाश के बाद सदन की कार्यवाही सोमवार तक के लिए स्थगित कर दी गई।

शेष पेज 11 पर

4296.62 लाख का अनुपूरक बजट पेश

सत्र के पहले दिन वित्तीय मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 का 4296 करोड़ 62 लाख रुपए का अनुपूरक बजट प्रस्तुत किया। सदन के पटल पर अनुपूरक बजट रखते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि यह एक संवैधानिक व्यवस्था है, जिसपर वाद विवाद सदन में आगे होगा। चालू वित्तीय वर्ष के पहले अनुपूरक बजट में राज्य सरकार ने सर्वाधिक ग्रामीण विकास विभाग को राशि देने का प्रावधान किया है। इसके तहत 96889.72 लाख की राशि दी गई है। पेयजल एवं स्वच्छता विभाग को 41700 लाख रुपए दिए गए हैं। अनुपूरक बजट में पंचायती राज विभाग को 9856 लाख रुपए, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग प्राथमिक एवं शिक्षा मद में 42000 लाख रुपए, महिला बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग को 6205.87 लाख रुपए, विधि विभाग को 2962.45 लाख रुपए, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग को 3024.50 लाख रुपए, गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग को 7915.57 लाख रुपए की राशि का प्रावधान है।

शेष पेज 11 पर

रिम्स की जेनरल बॉडी की बैठक 08 से 14 सितंबर के बीच हो

रांची। झारखंड हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस तरलोक सिंह चौहान और जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद की खंडपीठ ने राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) की बदलाही को लेकर दायर याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई की। सुनवाई के दौरान अदालत ने रिम्स की जेनरल बॉडी की बैठक 08 से 14 सितंबर 2025 के बीच करने का निर्देश दिया है। मामले की अगली सुनवाई 19 सितंबर को होगी। इसके साथ ही अदालत ने बैठक में हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त जज को बैठक के लिए ऑब्जर्वर नियुक्त किया है। जेनरल बॉडी की बैठक में जो निर्णय लिया जाएगा, उसकी रिपोर्ट कोर्ट में पेश करने का भी निर्देश दिया गया है। अदालत ने रिम्स निदेशक को वैसे डॉक्टरों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया है, जो नन प्रैक्टिस भत्ता लेने के बावजूद प्राइवेट प्रैक्टिस कर रहे हैं। अदालत ने डॉक्टरों पर की गई कार्रवाई की जानकारी देने का निर्देश भी निदेशक को दिया है। कोर्ट ने निदेशक से यह बताने को कहा है कि रिम्स की ऑडिट कब-कब हुई है। निदेशक को तिथिवार जानकारी शपथपत्र के माध्यम से देने का निर्देश कोर्ट ने दिया है।

सीएम सोरेन की अध्यक्षता में हुई झारखंड राज्य सजा पुनरीक्षण पर्षद की 35वीं बैठक

मुख्यमंत्री ने दी उम्रकैद के 51 कैदियों की रिहाई पर सहमति

बैठक में 103 मामलों की गहन समीक्षा की गई

नवीन मेल डेस्क

रिहा हो रहे कैदियों को नया जीवन शुरू करने के लिए करें प्रेरित

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अधिकारियों से कहा कि राज्य सजा पुनरीक्षण पर्षद की बैठक में समीक्षा के उपरांत राज्य के विभिन्न कारागारों में 14 वर्ष या उससे अधिक समय से सजा काट रहे वैसे कैदी, जिनकी उम्र ज्यादा हो गई है तथा जेल में उनका आचरण अच्छा है, उन्हें रिहा किया जाता है। इसलिए रिहा हो रहे कैदियों को एक बेहतर सामाजिक जीवन शुरू करने के लिए प्रेरित करें। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अधिकारियों से कहा कि रिहाई से संबंधित अनुशंसित मामलों में कुछ मामले ऐसे भी हैं, जिसमें कैदियों के बीमार होने तथा कुछ की मानसिक स्थिति ठीक नहीं रहने की बात कही गई है। इन सभी मामलों के लिए एक बेहतर कार्ययोजना तैयार कर ऐसे कैदियों को शारीरिक एवं मानसिक चिकित्सा प्रदान किए जाएं। चिकित्सा के बाद डॉक्टरों द्वारा दिए गए रिपोर्ट के अनुसार वैसे कैदियों की रिहाई पर विचार किया जाना चाहिए, ताकि वे अपना जीवन सुचारू रूप से व्यतीत कर सकें। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि रिहा होने वाले कैदियों को हर हाल में सामाजिक सुरक्षा की योजनाओं से जोड़ें।

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में शुक्रवार को रांची के कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में झारखंड राज्य सजा पुनरीक्षण पर्षद की 35वीं बैठक हुई। बैठक में राज्य के विभिन्न कारागारों में आजीवन सजा काट रहे 51 कैदियों को रिहा किए जाने पर सहमति बनी। बैठक में रिहाई से संबंधित 37 नए मामलों के साथ-साथ 66 वैसे कैदियों के मामलों पर भी पुनर्विचार किया गया, जिन्हें झारखंड राज्य सजा पुनरीक्षण पर्षद की पिछली बैठकों में अस्वीकृत किया गया था।

बैठक में मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, प्रधान सचिव गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग वंदना दादेल, डीजीपी अनुराग गुप्ता, प्रधान सचिव सह विधि परामर्शी विधि (न्याय) नीरज कुमार श्रीवास्तव, महानिरीक्षक कारा एवं सुधारात्मक सेवाएं सुदर्शन प्रसाद मंडल, न्यायिक आयुक्त अनिल कुमार मिश्रा, प्रधान प्रोबेशन पदाधिकारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्य सजा पुनरीक्षण पर्षद की अनुशंसा के आलोक में राज्य के विभिन्न कारागारों में आजीवन सजा काट रहे कुल 103 कैदियों को कारामुक्त किए जाने के प्रस्ताव पर अधिकारियों के साथ बिंदुवार गहन विचार-विमर्श किया। राज्य सजा पुनरीक्षण पर्षद द्वारा रिहाई के लिए अनुशंसित एक-एक कैदियों की फाइल पर गंभीरता से विचार किया गया। मुख्यमंत्री ने कैदियों के अपराध की प्रवृत्ति तथा न्यायालयों, संबंधित जिलों के पुलिस अधीक्षकों, जेल अधीक्षक एवं प्रोबेशन अधिकारियों द्वारा दिए गए मंतव्य की पूरी जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने रिहाई के लिए अनुशंसित कैदियों की उम्र एवं पारिवारिक, सामाजिक तथा शैक्षणिक स्थिति की भी पूरी जानकारी ली। मुख्यमंत्री एवं अधिकारियों के बीच रिहाई के लिए प्रस्तावित सभी मामलों पर गहन विचार के बाद कुल 51 कैदियों को रिहा किए जाने के निर्णय पर मुख्यमंत्री ने अपनी सहमति दी।

बैठक में मुख्यमंत्री के समक्ष अधिकारियों ने जानकारी दी कि राज्य सजा पुनरीक्षण पर्षद की बैठक में सहमति के उपरांत वर्ष 2019 से अबतक राज्य के विभिन्न कारागारों से 619 कैदियों को रिहा किया जा चुका है, जिसमें 558 कैदियों का विभाग द्वारा भौतिक सत्यापन भी किया गया है। 61 बंदियों का भौतिक सत्यापन किया जाना बाकी है। यह भी बताया गया कि वर्ष 2019 से अबतक रिहा हुए 619 में से 470 कैदियों को सरकार द्वारा संचालित वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड

शेष पेज 11 पर

आवारा कुत्तों को लेकर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

वैक्सीनेशन के बाद कुत्तों को उनके मूल इलाके में छोड़ा जाएगा

नई दिल्ली (आईएएनएस)

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में आवारा कुत्तों को लेकर अपने पिछले आदेश में संशोधन करते हुए एक नया अंतरिम फैसला सुनाया है। इस फैसले को अब पूरे देश में लागू किया जाएगा। तीन जजों की बेंच, जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस एनवी अंजारिया ने यह निर्णय लिया है। इसके साथ ही देशभर की सभी अदालतों में लंबित संबंधित मामलों को सुप्रीम कोर्ट में ट्रांसफर करने का भी आदेश दिया गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने पिछले आदेश में बदलाव करते हुए कहा कि वैक्सीनेशन के बाद कुत्तों को उनके मूल इलाकों में ही छोड़ा जाएगा, लेकिन रेबीज (रेबीज) पीड़ित या आक्रामक कुत्तों को छोड़ने की अनुमति नहीं होगी। साथ ही, सड़कों पर कुत्तों को खाना खिलाने (फीडिंग) पर भी पूरी तरह से पाबंदी लगा दी गई है। इसके बजाय, नगर निगम (एमसीडी) को कुत्तों के लिए विशेष फीडिंग स्थल बनाने का निर्देश दिया गया है, ताकि व्यवस्थित तरीके से उनकी देखभाल हो सके। कोर्ट ने कहा है कि सिर्फ निर्धारित जगहों पर ही कुत्तों की फीडिंग की जाएगी। इसके अलावा, कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया है कि

शेष पेज 11 पर

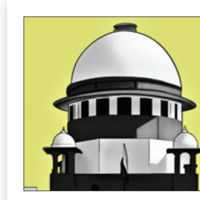

नया अंतरिम फैसला अब पूरे देश में लागू किया जाएगा

सभी अदालतों में लंबित संबंधित मामले शीर्ष कोर्ट में होंगे ट्रांसफर

कोर्ट अधीनस्थ अफसरों के लिए अभिभावक की तरह : सुप्रीम कोर्ट

रांची/नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने हजारीबाग जिला अदालत में पदस्थापित रही महिला एडीजे (एडिशनल डिस्ट्रिक्ट जज) के तबादले से जुड़ी याचिका पर सुनवाई करते हुए झारखंड हाईकोर्ट को उन्हें राहत देने का निर्देश दिया है। चीफ जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस के विनोद चंद्रन की पीठ ने सुनवाई के दौरान टिप्पणी करते हुए कहा

शेष पेज 11 पर

व्हाट्सएप से सीधे जुड़ें

सुझाव, शिकायत और समाचारों का स्वागत
समाचार पत्र में प्रकाशित करने के लिए सप्रमाण समाचारों का स्वागत है।
आप सुझाव या शिकायत भी भेज सकते हैं।
संपर्क/व्हाट्सएप 82925 53444 विज्ञापन देने या अखबार प्राप्त करने के लिए संपर्क +91 82923 73444 कार्यकारी संपादक।

न्यायमूर्ति नवनीत कुमार होंगे राज्य विद्युत नियामक आयोग के अध्यक्ष

नवीन मेल डेस्क

ऊर्जा विभाग ने जारी की अधिसूचना

रांची। झारखंड उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति नवनीत कुमार को झारखंड राज्य विद्युत नियामक आयोग के अध्यक्ष के पद पर नियुक्त किया गया है। न्यायमूर्ति नवनीत कुमार झारखंड राज्य विद्युत नियामक आयोग के अध्यक्ष के पद ग्रहण करने की तिथि से 5 वर्ष के लिए या 65 वर्ष की अधिकतम उम्र, जो पहले हो, तक की अवधि के लिए पद धारण करेंगे। सेवाशर्त एवं पदावधि विद्युत अधिनियम, 2003 के प्रावधानों के तहत अनुमान्य होंगी। इस संबंध में राज्यपाल के आदेश से सरकार के संयुक्त सचिव के हस्ताक्षर से की गई नियुक्ति से संबंधित अधिसूचना ऊर्जा विभाग ने जारी कर दी है। यह नियुक्ति विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा-84 की उपधारा (2) के आलोक में की गई है। साथ ही, यह नियुक्ति प्रभार ग्रहण करने की तिथि से प्रभावी होगी।

पेड़ के सहारे दीवार फांदकर अंदर घुसा युवक

संसद भवन की सुरक्षा में एक बार फिर लगी सेंध

नई दिल्ली (आईएएनएस)

संसद भवन की सुरक्षा में एक बार फिर सेंध लगी है। शुक्रवार को एक शख्स पेड़ पर चढ़ते हुए दीवार फांदकर अंदर घुस गया। हालांकि, सुरक्षाकर्मियों ने घुसपैठिए को पकड़ लिया है। उससे पूछताछ की जा रही है। यह घटना संसद के मानसून सत्र के समाप्त होने के एक दिन बाद हुई है। बताया जा रहा है कि एक शख्स पेड़ के सहारे दीवार पर चढ़ा और फिर संसद भवन परिसर के अंदर कूद गया। रेल भवन की तरफ से इस व्यक्ति ने दीवार फांदी। इसके बाद वह नई संसद भवन के गरुड़ द्वार तक पहुंच गया। वह सुबह करीब 6.30 बजे संसद भवन में घुसा। उस शख्स को वहां घुमते हुए देखकर संसद भवन में मौजूद सिक्योरिटी ने उसे पकड़ लिया।

शेष पेज 11 पर

सुरक्षाकर्मियों ने घुसपैठिए को पकड़ा, पूछताछ जारी

संसद परिसर में युवक का घुसना बड़ी चूक : सुखदेव

नई दिल्ली। मानसून सत्र के खत्म होने के एक दिन बाद संसद परिसर की सुरक्षा में बड़ी चूक देखने को मिली, जहां एक शख्स पेड़ पर चढ़कर, दीवार फांदकर संसद परिसर में घुस गया। कांग्रेस सांसद सुखदेव भगत ने इसे बड़ी चूक बताया। कांग्रेस सांसद सुखदेव भगत ने समाचार एजेंसी से कहा, यह एक गंभीर मसला है। जब 24 घंटे चारों ओर सुरक्षा है, उसके बावजूद पेड़ पर चढ़कर दीवार फांदकर जाना, संसद परिसर में घुसना बहुत ही गंभीर मसला है। आरोपी को पकड़ने से ज्यादा महत्वपूर्ण है कि आरोपी चढ़ा कैसे? क्योंकि, चारों तरफ सिक्योरिटी हैं और सीसीटीवी कैमरे लगे हुए हैं। एक पूरी समीक्षा होनी चाहिए। मेरे हिसाब से आरोप से ज्यादा महत्वपूर्ण है कि ऐसी चीजें दोबारा नहीं हो। हमने संसद पर अटैक का दंश झेला है। इसकी एक गहनता से जांच होनी चाहिए।

इंडिया

चीन से बात और नेपाल को सख्त संदेश के मायने

सुनील बादल
कार्यकारी संपादक

अब तक के सबसे विवादास्पद अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप को उनकी ही भभकी की भाषा में जवाब भारत ने देना शुरू किया और चीन से बातचीत आगे बढ़ी जो भारत का स्थायी शत्रु और प्रतिद्वंद्वी है पर आर्थिक रूप से कमजोर नेपाल की बात अलग है पर उसे भी सख्त संदेश दिया गया।लिपुलेख दर्रे पर नेपाल सरकार के दावे को खारिज कर भारत का यह स्पष्ट करना बिल्कुल उचित और समयोचित है कि उसकी संप्रभुता और सीमाई अधिकारों को लेकर किसी भी तरह का दखल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। नई दिल्ली में चीनी विदेश मंत्री की भारतीय विदेश मंत्री, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और प्रधानमंत्री मोदी से बैठक के बाद जारी संयुक्त घोषणा पत्र में कहा गया कि भारत और चीन के बीच व्यापार उत्तराखंड के लिपुलेख, हिमाचल के शिपकी ला और सिक्किम के नाथु ला, तीनों दर्रों से होगा। इसके बाद ही नेपाली मीडिया और फिर वहां के विदेश मंत्रालय ने इसे लेकर आपत्ति जतानी शुरू कर दी। उल्लेखनीय है कि लिपुलेख नेपाल के उत्तर-पश्चिम में स्थित है, जो भारत, नेपाल और चीन की सीमा से जुड़ा है। नवंबर, 2019 में जब जम्मू-कश्मीर का विभाजन कर दो केंद्रशासित प्रदेश बनाए, तब जो नक्शा जारी किया था, उसमें भी ये क्षेत्र शामिल थे। यह नहीं भूला जाना चाहिए कि भारत और चीन के बीच लिपुलेख दर्रे से व्यापार 1954 से शुरू हुआ था और फिलहाल कई दशकों से जारी भी है। गलवान घाटी और कोविड के समय कुछ वर्ष बाधित रहा, लेकिन इस आधार पर ऐसे क्षेत्रीय दावे नहीं स्वीकार किए जा सकते, जो ऐतिहासिक तथ्यों व साक्ष्यों की तरफ से आंखें मूंदे हुए हों। नेपाल के साथ भारत के पुराने सांस्कृतिक, आर्थिक और रणनीतिक संबंध रहे हैं और भारत ने इनका हमेशा सम्मान भी किया है। भारत ने सीमा संबंधी मुद्दों को रचनात्मक संवादों के माध्यम से सुलझाने की बात की है। रणनीतिक दृष्टि से भी भारत के लिए महत्वपूर्ण होने के साथ चीन से सटा यह क्षेत्र भारत की सुरक्षा की भी गारंटी है। इस मामले में जहां भारत की नीति बिल्कुल स्पष्ट रही है, वहीं यह दुर्भाग्यपूर्ण ही कहा जाएगा कि नेपाल की राजनीति में चीन-पाकिस्तान के प्रभावों के चलते समय-समय पर इस तरह की दुर्भावनापूर्ण कोशिशें होती रही हैं। ट्रंप की मनमानी टैरिफ नीति के दबाव में चीन भारत के नजदीक तो आ रहा है, लेकिन अतीत के उसके विस्तारवादी इरादों के मद्देनजर भारत के लिए जरूरी है कि वह सीमाओं से जुड़े मामलों में दृढ़ बना रहे। संप्रभुता और राष्ट्रीय सुरक्षा के मामलों में भ्रम अच्छा नहीं होता। ऐसे में, नेपाल की आपत्तियों को सिरे से खारिज कर भारत ने उसे बिल्कुल सटीक जवाब दिया है कि सीमाओं और संप्रभुता पर उठे सवालों को सहन नहीं किया जाएगा।भारत और चीन के बीच लिपुलेख दर्रा लंबे समय से कारोबार का मार्ग रहा है। इतना ही नहीं चीन के दायरे में आने वाले कैलाश पर्वत रेंज और मानसरोवर तालाब तक जाने के लिए यह भारत का अहम मार्ग है। इससे भारत के उत्तराखंड में आने वाला कुमाऊं क्षेत्र और तिब्बत का तकलाकोट सीधे जुड़ता है। 2020 में पहले सीमा पर टकराव और फिर कोरोना महामारी के बाद से ही दोनों देशों के बीच इस क्षेत्र से व्यापार रुका था। अब जब भारत-चीन ने लिपुलेख दर्रे से फिर कारोबार करने पर हामी भरी है तो नेपाल ने इस मुद्दे को उठाया है। भारत ने स्पष्ट किया कहा कि नेपाल के क्षेत्रीय दावे न तो न्यायसंगत हैं और न ही ऐतिहासिक तथ्यों और प्रमाणों पर आधारित है। उन्होंने कहा कि इस तरह के दावे केवल बनावटी और एकतरफा बढ़ोतरी हैं, जो स्वीकार्य नहीं हैं। वैसे इसमें भी चाल चीन की है चेहरा नेपाल का।

बौद्ध तीर्थ स्थानों पर पर्यटन का मिलेगा लाभ

पीएम मोदी ने कोडरमा-वैशाली मेमू ट्रेन को दिखाई हरी झंडी

गयाजी (आईएएनएस)

क्षेत्रीय रेल संपर्क और धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को गया जंक्शन से वीडियो लिंक के माध्यम से बहुप्रतीक्षित कोडरमा-वैशाली मेमू (मेनलाइन इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट) पैसेंजर ट्रेन का उद्घाटन किया। डीडीयू मंडल (पं. दीन दयाल उपाध्याय रेलवे डिवीजन) के एडीआरएम दिलीप कुमार ने मेमू मिलने से क्षेत्र को विशेष लाभ होने की बात कही। यह नई ट्रेन सेवा कोडरमा, नवादा, नालंदा, राजगीर, बोधगया और वैशाली जैसे प्रमुख स्थलों को जोड़कर बौद्ध सर्किट तक पहुंच को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाएगी। यह रेल मार्ग न केवल बिहार और झारखंड को जोड़ता है, बल्कि इससे धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। साथ ही, दोनों राज्यों में छात्रों, श्रमिकों और चिकित्सा सेवाओं की तलाश करने वाले

अमृत भारत एक्सप्रेस परियोजना से भी जुड़ी है यह पहल

शेष पेज 11 पर

शुक्रवार को विधानसभा के दोबारा हुए मानसून सत्र में भाग लेते मंत्री और विधायक

झारखंड विधानसभा के स्पीकर कक्ष में शुक्रवार को विधानसभा अध्यक्ष रबींद्र नाथ महतो का अभिनंदन करते मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और विधायक कल्पना सोरेन

दोबारा शुरू हुए विधानसभा के मानसून सत्र में विधानसभा अध्यक्ष ने कहा

एक युग का अंत है शिबू सोरेन का निधन

- वे झारखंडी अस्मिता और संस्कृति के सबसे प्रमुख ध्वजवाहक थे

नवीन मेल संवाददाता

रांची। विधानसभा का मानसून सत्र शुक्रवार को दोबारा शुरू हुआ। शुक्रवार को सदन में राज्य के दिवंगत पूर्व मुख्यमंत्री दिशोम गुरु शिबू सोरेन, शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन, पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मल्लिक, वरिष्ठ पत्रकार हरिनारायण सिंह एवं उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में हाल में प्राकृतिक आपदाओं में मृत लोगों को श्रद्धांजलि दी गई।
विधानसभा अध्यक्ष रबींद्र नाथ महतो ने श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि चलते मानसून सत्र के दौरान हमारे बीच से दिशोम गुरु शिबू सोरेन, स्कूली शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन एवं पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक सहित कई जाने-माने लोग गुजर गए। स्व. गुरुजी वर्ष 1989, 1991, 1996, 2004, 2009 एवं 2014 में दुमका से लोकसभा सदस्य रहे। वर्ष 1998, 2002 तथा2020 मे राज्य सभा के सदस्य थे। वर्ष 2005, 2008 तथा 2009 में झारखंड के मुख्यमंत्री के रूप में प्रदेश की सत्ता की बागडोर संभाली। वर्ष 2004, 2005 तथा 2006 में केंद्रीय मंत्रीमंडल में कैबिनेट मंत्री के कार्यभार को संभाला। गुरुजी झारखंड राज्य आंदोलन के दौरान झारखंड स्वायत शासी परिषद के अध्यक्ष रहे।

विस अध्यक्ष ने कहा, राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री एवं झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक शिबू सोरेन का निधन एक युग का अंत है। परंतु, उनके साथ खड़ा हुआ महान जनांदोलन, उस जनांदोलन के विचार और उस जनांदोलन से उपजा झारखंड बाबा के अमर होने का प्रमाण दे रहा है।
दिशोम गुरु शिबू सोरेन झारखंड अथवा देश के एक बड़े राजनेता ही नहीं, बल्कि झारखंडी अस्मिता और संस्कृति के सबसे प्रमुख ध्वजवाहक थे। वर्ष 1972 में झारखंड मुक्ति मोर्चा के रूप में जिस राजनैतिक संगठन को उन्होंने जन्म दिया, और जिस राजनैतिक संगठन ने कालांतर में राजसत्ता के माध्यम से झारखंड के निर्माण और विकास का बीड़ा अपने कंधों पर उठाया है, उसकी शुरुआत बहुत पहले एक सांस्कृतिक, सामाजिक और आर्थिक आंदोलन के रूप में हो चुकी थी। दिशोम गुरु शिबू सोरेन को केवल एक राजनेता मान लेना मैं समझता हूं, उचित नहीं होगा। इसकी व्यापकता को समझे बिना झारखंड राज्य निर्माण आंदोलन के व्यापक परिपेक्ष्य को समझना असंभव है।
गुरुजी के आंदोलन को कई बार मुख्य धारा के मीडिया द्वारा एक युवक के प्रतिशोध, महाजनी व्यवस्था के विरोध एवं बाहरी-भीतरी के द्वंद के रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास किया जाता रहा है, जो दिशोम गुरु शिबू सोरेन के विराट व्यक्तित्व के साथ मैं समझता हूं, अनुचित है। गुरुजी ने कोयला नगरी, धनबाद में 'टुंडी आश्रम' की स्थापना कर झारखंडी अस्मिता, समाज सुधार, महिला सशक्तिकरण शराब-निषेध और आर्थिक स्वायतता की आधारशिला पर 'सोनोत संथाल समाज'की स्थापना की। टुंडी आश्रम में उन्होंने 19 सूत्री कार्यक्रम की घोषणा की, जिसमें स्वरोजगार, आर्थिक स्वतंत्रता सहित आदिवासियों एवं गैर-आदिवासियों के बीच किसी भी प्रकार के विवाद के निबटारे के लिए 'चेताबबैसी' का निर्माण और जगह-जगह पर विचारबैसी का गठन शामिल था।
विधानसभा अध्यक्ष ने कहा, उनका साहचर्य जो मुझे प्राप्त हुआ है, उसमें मैंने यही पाया है कि दिशोम गुरु एक समग्र, स्वायत, विकासोन्मुखी झारखंड की बात करते हैं, जिसकी आधारशिला मूल झारखंडी संस्कृति की बनी है। गुरुजी समावेशी विकास, सह-अस्तित्व, प्रकृति के बहुत बड़े पक्षधर थे। दिशोम गुरु का जाना एक युग का अंत है, परंतु जो राजनैतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक चेतना उन्होंने झारखंड को प्रदान की है, वह चेतना झारखंड के समता मूलक नवनिर्माण को सदा दिशा देता रहेगा। उनकी अनुपस्थिति में उनके विचार हमारा मार्गदर्शन करेंगे। विराट जननेता और गुरुजी के निधन से हम अत्यंत मर्माहत हैं।
विधानसभा अध्यक्ष रबींद्र नाथ महतो ने कहा, कोल्हान क्षेत्र की राजनीति में विशिष्ट पहचान रखने वाले स्कूली शिक्षा एवं निबंधन मंत्री रामदास सोरेन का 15 अगस्त, 2025 को निधन हो गया। सहज, सरल, सौम्य और सामाजिक व्यक्तित्व के धनी स्व. रामदास सोरेन ने वर्ष 2009, 2019 तथा वर्ष 2024 में घाटशिला विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया था। झारखंड आंदोलन के एक सच्चे योद्धा के रूप में वे मजदूर और विस्थापितों की आवाज बनकर सदैव अग्रिम पंक्ति में संघर्षरत रहे। 63 वर्षीय रामदास सोरेन कुछ दिनों से दिल्ली में इलाजरत थे। इनके असामयिक निधन से झारखंड की राजनीति में एक बड़ी शून्यता आई है, जिसकी भरपाई होनी असंभव है।
विधानसभा अध्यक्ष ने कहा, भारतीय वायुसेना के वर्ष 1971 के भारत-पाक युद्ध के नायक ग्रुप कैप्टेन डीके पारुलकर का 10 अगस्त, 2025 को निधन हो गया। वे युद्ध के दौरान पाकिस्तान में युद्धबंदी बने थे और दो अन्य साथियों के साथ कैद से साहसी तरीके से देश लौटने के लिए जाने जाते हैं। प्रसिद्ध नाटककार, कवि और गीतकार, पद्मश्री विनोद कुमार पसायत का 20 अगस्त, 2025 को ओडिशा के संबलपुर में निधन हो गया। उनके निधन से हम मर्माहत हैं।
विस अध्यक्ष ने कहा, गोवा, बिहार, मेघालय और जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल रहे एवं पूर्व राज्यसभा सदस्य सत्यपाल मलिक का 05 अगस्त, 2025 को निधन हो गया। ये 79 वर्ष के थे एवं मेरठ से छात्र राजनीति से उन्होंने शुरुआत की एवं 1980-1986 तथा 1986-1989 तक दो बार राज्यसभा सदस्य रहे हैं। बाद में वे राज्यपाल के पद को भी सुशोभित किया। उनके निधन से हम मर्माहत हैं। प्रभात खबर तथा हिंदुस्तान के स्थानीय संपादक रहे वरिष्ठ पत्रकार हरिनारायण सिंह का 05 अगस्त, 2025 को निधन हो गया। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश तथा उत्तराखंड में बादल फटने से होने वाली मौत की घटनाएं अत्यंत मर्माहत करने वाली हैं।

हजारों सहायक अध्यापक आज भी शोषण और उपेक्षा के शिकार हैं : धर्मेंद्र तिवारी

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड प्रदेश के हजारों सहायक अध्यापक (पारा शिक्षक), जो वर्षों से सीमित मानदेय पर राज्य की शिक्षा व्यवस्था को मजबूत कर रहे हैं, आज भी शोषण और उपेक्षा के शिकार हैं। यह राज्य का दुर्भाग्य है कि सरकारी काम करने के बावजूद इन शिक्षकों की असमय मृत्यु या दुर्घटना में जान जाने पर उनके परिवार को आज तक कोई आर्थिक सहयोग या सुविधा नहीं मिली। उनके परिजनों की दयनीय स्थिति देखने तक कोई विधायक या सांसद नहीं जाता। ये बातें जनता दल (यूनाइटेड) के वरिष्ठ नेता धर्मेंद्र तिवारी ने शुक्रवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कही। धर्मेंद्र तिवारी ने कहा कि विडंबना यह है कि सरकार ने पारा शिक्षकों को न तो 'अनुबंध कर्मी' माना है और न ही 'सरकारी कर्मी।' इस दोहरे रवैये का जवाब सरकार को देना ही होगा। यदि ये शिक्षक सरकारी कार्य कर रहे हैं, तो उन्हें सरकारी सुविधाओं से वंचित क्यों रखा गया है। इन शिक्षकों को न तो स्वास्थ्य बीमा का लाभ मिल रहा है, न आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं का और न ही ग्रीन व पीला राशन कार्ड। सरकार केवल मीडिया के जरिए प्रोपेगेंडा फैलाती है कि पारा शिक्षकों के लिए बहुत कुछ किया गया है, जबकि सच्चाई यह है कि अब तक केवल उनका शोषण हुआ है। धर्मेंद्र तिवारी ने कहा कि सहायक अध्यापकों को 'समान काम का समान वेतन' मिलना चाहिए था, जो अब तक नहीं मिला। उन्होंने झारखंड सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि इन्हें हमारे बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की नीति से सीख लेनी चाहिए, जिन्होंने बिहार के पारा शिक्षकों को राज्यकर्मी का दर्जा देकर उनका सम्मान सुनिश्चित किया है। झारखंड सरकार की संवेदनहीनता स्पष्ट रूप से पारा शिक्षकों के साथ अन्याय है। धर्मेंद्र तिवारी ने कहा, जनता दल मांग करता है कि झारखंड सरकार पारा शिक्षकों को तुरंत किसी उपयुक्त स्वास्थ्य बीमा योजना में शामिल करे, सुरक्षा व सम्मान की गारंटी सुनिश्चित करे।

बुधराम ने ग्रहण की लोक सेवा समिति की आजीवन सदस्यता

रांची। धरती आबा बिरसा मुंडा के पोता बुधराम मुंडा ने शुक्रवार को लोक सेवा समिति की आजीवन सदस्यता ग्रहण की। बुधराम मुंडा अब लोक सेवा समिति से जुड़ कर समाज सेवा, झारखंड की संस्कृति, भाषा एवं जनता के विकास के लिए कार्य करेंगे। समिति के अध्यक्ष मोहम्मद नौशाद खान की मौजूदगी में बुधराम मुंडा ने आजीवन सदस्यता फॉर्म भर कर सदस्यता ग्रहण की। उन्हें 31 अगस्त 2025 को होने वाली 34वीं वर्षगांठ समारोह में प्रशस्ति पत्र दे कर सम्मानित किया जाएगा।

झारखंडी अस्मिता एवं संस्कृति के सशक्त शिल्पी थे रामदयाल मुंडा : अभिषेक

- पद्मश्री डॉ मुंडा की जयंती पर अभिषेक शुक्ला ने किया नमन

नवीन मेल संवाददाता

रांची। रांची विश्वविद्यालय के संयोजक एवं अबुआ अधिकार मंच के सक्रिय कार्यकर्ता अभिषेक शुक्ला ने शुक्रवार को पद्मश्री डॉ रामदयाल मुंडा की जयंती के अवसर पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। मौके पर उन्होंने कहा कि डॉ मुंडा न केवल एक महान शिक्षाविद, साहित्यकार और समाज चिंतक थे, बल्कि झारखंडी अस्मिता, संस्कृति और पहचान के सशक्त शिल्पी एवं वाहक भी थे। अभिषेक शुक्ला ने एक प्रेस वक्तव्य जारी कर कहा कि डॉ रामदयाल मुंडा का जीवन एवं कार्य झारखंड की सांस्कृतिक चेतना, भाषाई गौरव और राजनीतिक जागरूकता के लिए मील का पत्थर है। उन्होंने आदिवासी भाषाओं, लोककला, लोकसंगीत और पारंपरिक ज्ञान को न केवल संरक्षित किया, बल्कि उन्हें वैश्विक मंच पर पहचान दिलाई। उनका योगदान यह साबित करता है कि स्थानीयता और वैश्विकता का अद्भुत संगम संभव है, बशर्ते हम अपनी जड़ों से जुड़े रहें। उन्होंने कहा कि रांची विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में डॉ मुंडा ने शिक्षा को स्थानीय संस्कृति और लोकज्ञान से जोड़ने का ऐतिहासिक प्रयास किया। उनके नेतृत्व में विश्वविद्यालय सिर्फ एक शैक्षणिक संस्था नहीं रहा, बल्कि वह सांस्कृतिक पुनर्जागरण का केंद्र बन गया। उनके कार्यकाल में आदिवासी और झारखंडी संस्कृति को शैक्षणिक विमर्श में सम्मानजनक स्थान मिला। अभिषेक शुक्ला ने कहा कि झारखंड आंदोलन के दौरान डॉ मुंडा का योगदान राजनीतिक और सांस्कृतिक दोनों मोर्चों पर प्रेरणादायी रहा। उन्होंने आंदोलन को सांस्कृतिक दृष्टिकोण दिया, जिससे झारखंड केवल एक भूगोल नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक पहचान के रूप में स्थापित हुआ। उनकी सोच ने राज्य के राजनीतिक विमर्श को नई दिशा दी और आदिवासी समाज में आत्मविश्वास जगाया। उन्होंने कहा, डॉ रामदयाल मुंडा का जीवन हमें यह संदेश देता है कि अपनी जड़ों से जुड़े रहकर भी हम विश्व पटल पर अपनी पहचान बना सकते हैं। उन्होंने दिखाया कि शिक्षा और संस्कृति, दोनों मिलकर समाज को सशक्त बना सकते हैं। उनकी शिक्षाएं और विचार आज भी नई पीढ़ी के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं।

गठबंधन के मुद्दों पर चर्चा के लिए हुई एनडीए विधायक दल की बैठक

हांसदा एनकाउंटर की सीबीआई जांच पर सदन में अड़ेगा एनडीए : नवीन जायसवाल

नवीन मेल संवाददाता

रांची। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश कार्यालय में शुक्रवार को विधानसभा के चालू मानसून सत्र में गठबंधन के मुद्दों पर चर्चा के लिए एनडीए विधायक दल की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने की।
बैठक में जदयू विधायक सरयू राय, आजसू विधायक निर्मल महतो, लोजपा विधायक जनार्दन पासवान, भाजपा विधायक सीपी सिंह, मुख्य सचेतक नवीन जायसवाल, सचेतक राज सिन्हा, नागेंद्र महतो, सत्येंद्र तिवारी, आलोक चौरसिया, शशिभूषण मेहता, मनोज यादव, देवेंद्र कुंवर, प्रदीप प्रसाद, रोशनलाल चौधरी, पूर्णिमा दास साहू, मंजू कुमारी एवं उज्ज्वल दास शामिल हुए।
बैठक के बाद मीडिया ब्रीफिंग करते हुए भाजपा के मुख्य सचेतक नवीन जायसवाल ने कहा कि झारखंड विधानसभा के छोटे मानसून सत्र में एनडीए गठबंधन राज्य के ज्वलंत और बड़े मुद्दों को जोर-शोर से उठाएगा।
नवीन जायसवाल ने कहा कि राज्य सरकार के इशारे पर पुलिस की बर्बरता, ध्वस्त विधि व्यवस्था गठबंधन के एजेंडे में प्रमुखता से शामिल हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा का स्पष्ट मानना है कि सामाजिक सांस्कृतिक सरोकारों से जुड़कर जनता की सेवा करने वाले राजनीतिक आदिवासी कार्यकर्ता सूर्या हांसदा का एनकाउंटर पूरी तरह से फर्जी है। परिवार के सदस्यों, क्षेत्र की आम जनता की स्पष्ट राय है कि सूर्या हांसदा की साजिशन हत्या हुई है। इसलिए पार्टी इस घटना की सीबीआई जांच कराने के मांग पर अडिग है, जिसे सदन में उठाया जाएगा।
उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की बात करने वाले झामुमो, कांग्रेस एवं राजद गठबंधन की राज्य सरकार लोकतांत्रिक अधिकारों व तरीकों की हत्या कर रही है। राज्य की प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा पूरी तरह से ध्वस्त हो चुकी है। विद्यालयों में शिक्षकों की कमी है, बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। अब राज्य सरकार विश्वविद्यालय संशोधन बिल के माध्यम से यूनिवर्सिटी शिक्षा को भी बर्बाद करना चाहती है। राज्य सरकार तानाशाही रवैया अपनाते हुए महामहिम राज्यपाल के अधिकारों को समाप्त करने पर जुटी है।
कुलपतियों की नियुक्ति अपने अधिकार में लेना चाहती है।
उन्होंने कहा कि राज्य निर्माता भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का अपमान झारखंड की जनता बर्दाश्त नहीं कर सकती। जिस प्रकार अटल क्लीनिक का नाम बदलकर मदर टेरेसा क्लीनिक किया गया है, इसका सदन में भाजपा और सहयोगी दल विरोध करेंगे। सरकार चाहे तो मदर टेरेसा के नाम पर कोई और योजना शुरू करे, लेकिन अटल क्लीनिक का नाम बदलना पूरी तरह झारखंड निमार्ता अटल जी का और झारखंड का अपमान है।
नवीन जायसवाल ने कहा कि आज अतिवृष्टि से किसानों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। राज्य में भदई फसलें पूरी तरह बर्बाद हो चुकी हैं। साथ ही, आज बड़े पैमाने पर राज्य में यूरिया खाद की कालाबाजारी हो रही है। किसानों को महंगे दाम पर यूरिया खरीदने के लिए विवश होना पड़ रहा है। एनडीए गठबंधन के विधायक इस विषय को लेकर राज्य सरकार को घेरेंगे।
लोजपा विधायक जनार्दन पासवान ने भी एनडीए की बैठक में आए गंभीर मुद्दों को सदन में मिलकर उठाने की बात कही। उन्होंने कहा कि ये सारे मुद्दे सदन में उठेंगे।

बेरोजगारी की समस्याएं व परीक्षाओं में धांधली भी उठेंगे विस में

भाजपा के मुख्य सचेतक नवीन जायसवाल ने कहा कि राज्य में विपक्ष के पूर्व विधायकों की सुरक्षा का मुद्दा भी गंभीर है। आज सत्ताधारी गठबंधन के प्रखंड स्तरीय नेताओं को बड़ी संख्या में बॉडीगार्ड उपलब्ध कराया जा रहा है, जबकि एनडीए के पूर्व विधायक का गार्ड हटाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि युवाओं की बेरोजगारी की समस्याएं, परीक्षाओं की धांधली जैसे विषय भी एनडीए विधायक उठाएंगे। उन्होंने आजसू विधायक निर्मल महतो, पूर्व उप मुख्यमंत्री सुदेश महतो को जान से मारने की मिल रही धमकी को भी गंभीर बताया तथा सदन में उठाने की बात कही।

रांची जिले में 150 खुदरा उत्पाद दुकानों की ई-लॉटरी के माध्यम से हुई सफल बंदोबस्ती

आवेदन शुल्क के रूप में प्रशासन को प्राप्त हुआ 6.18 करोड़ का राजस्व

नवीन मेल संवाददाता। रांची

उपायुक्त सह बंदोबस्त पदाधिकारी रांची, मंजुनाथ भजंत्री की अध्यक्षता में शुक्रवार को समाहरणालय सभागार में नई उत्पाद नियमावली (2025) के अंतर्गत रांची जिले की 150 खुदरा उत्पाद दुकानों की बंदोबस्ती प्रक्रिया ई-लॉटरी के माध्यम से सफलतापूर्वक संपन्न की गई। बंदोबस्ती प्रक्रिया में दुकानों को 87 ग्रुपों में विभक्त किया गया था। बंदोबस्ती प्रक्रिया की शुरुआत जिले की उन तीन खुदरा उत्पाद दुकानों से की गई, जिनके लिए सर्वाधिक आवेदन प्राप्त हुए थे। इन दुकानों की लॉटरी डेमो के माध्यम से की गई। इसके बाद सभी आवेदकों की उपस्थिति में शेष दुकानों की बंदोबस्ती ऑनलाइन ई-लॉटरी प्रणाली के माध्यम से पारदर्शी ढंग से संपन्न की गई। प्रत्येक दुकान के लिए प्रथम, द्वितीय और तृतीय विजेता घोषित किए गए। यदि प्रथम विजेता निर्धारित राशि जमा करने में असफल रहता है, तो क्रमशः द्वितीय और तृतीय विजेता को अवसर प्रदान किया जाएगा।

● लॉटरी प्रक्रिया में 150 दुकानों के लिए 1752 आवेदकों ने लिया भाग

रांची उत्पाद विभाग को 2025-26 में 736 करोड़ एमजीआर का लक्ष्य

इस लॉटरी प्रक्रिया में कुल 150 दुकानों के लिए 1,752 आवेदकों ने भाग लिया। इस प्रक्रिया से सरकार को आवेदन शुल्क के रूप में 6,18,86,280 रुपए (छह करोड़ अठारह लाख छियासी हजार दो सौ अस्सी रुपए) का राजस्व प्राप्त हुआ। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए रांची जिले में उत्पाद राजस्व के रूप में 736 करोड़ रुपए का लक्ष्य न्यूनतम गारंटी राजस्व (एमजीआर) के रूप में निर्धारित किया गया है। 01 सितंबर 2025 से 31 मार्च 2026 तक की शेष अवधि में 449 करोड़ रुपए एमजीआर के रूप में उत्पाद राजस्व प्राप्त होने की उम्मीद है।

यह प्रक्रिया पूर्णत: पारदर्शी और निष्पक्ष रही। इसमें ऑनलाइन ई-लॉटरी प्रणाली ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर संबंधित अधिकारियों और आवेदकों की उपस्थिति में बंदोबस्ती प्रक्रिया को सुचारु रूप से संपन्न कराया गया। बंदोबस्ती प्रक्रिया के दौरान अपर समाहर्ता, रांची, रामनारायण सिंह एवं सहायक उत्पाद आयुक्त, रांची, अरुण कुमार मिश्रा एवं संबंधित सभी पदाधिकारी उपस्थित थे।

लुम्बा उरांव हत्याकांड का हुआ खुलासा, पत्नी समेत दो गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता। रांची

पुलिस ने पिठौरिया थाना क्षेत्र में हुए लुम्बा उरांव हत्याकांड को सिर्फ आठ घंटे में सुलझा लिया है। डीआईजी सह एसएसपी चंदन सिन्हा के निर्देश पर पुलिस की टीम ने कार्रवाई करते हुए इस मामले में पुलिस ने मृतक की पत्नी गीता देवी और उसके प्रेमी इरफान अंसारी को गिरफ्तार किया है। दोनों ने मिलकर लुम्बा उरांव की हत्या की थी, क्योंकि वह उनके अवैध संबंध में बाधा बन रहा था। शुक्रवार को एसएसपी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि 20 अगस्त को पिठौरिया थाना क्षेत्र में लुम्बा उरांव का शव मिला था। इस घटना के बाद एक विशेष टीम का गठन किया गया, जिसका नेतृत्व ग्रामीण एसपी कर रहे थे।

पिछले 8 सालों से उनके बीच प्रेम-प्रसंग चल रहा था

पुलिस टीम ने जांच शुरू की और 21 अगस्त 2025 को दो आरोपियों, इरफान अंसारी (कांके, रांची) और गीता देवी (लुम्बा उरांव की पत्नी) को गिरफ्तार कर लिया।

हत्या की वजह और तरीका

गिरफ्तारी के बाद दोनों आरोपियों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। उन्होंने बताया कि पिछले आठ सालों से उनके बीच प्रेम-प्रसंग चल रहा था, जिसका लुम्बा उरांव विरोध कर रहा था। इसी वजह से दोनों ने मिलकर उसकी हत्या की साजिश रची। योजना के तहत, गीता देवी ने 19 अगस्त को अपने देवर के फोन से लुम्बा को फोन किया और उसे कांके में किराए का मकान दिखाने के बहाने बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के पास बुलाया। 20 अगस्त को जब लुम्बा वहां आया तो इरफान उसे अपने साथ ले गया।

यूट्यूब से सीखा था मारने का तरीका

इरफान यूट्यूब से नशीला दवाई खिलाकर मारने का तरीका सीखा था। उसने पहले लुम्बा को बहुत ज्यादा शराब पिलाई और अमूल कुल में नशीली दवा मिलाकर दी। जब लुम्बा बेहोश हो गया, तो इरफान ने उसे अपनी मारुति ओमनी कार में बैठाकर गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। इसके बाद, उसने शव को मौवनाजारा-सिमलबेड़ा रास्ते पर फेंक दिया। पुलिस ने जांच के दौरान हत्या में इस्तेमाल की गई मारुति ओमनी कार और एक मोटरसाइकिल को जब्त कर लिया है। इसके अलावा, घटनास्थल से 8 पीएम शराब की खाली बोतल, अमूल कुल के दो खाली डिब्बे, और नींद की गोलियों के खाली पत्ते भी बरामद किए गए हैं। पुलिस ने आरोपियों के मोबाइल फोन भी जब्त कर लिए हैं, जिनसे उन्होंने एक-दूसरे से संपर्क किया था। पुलिस के मुताबिक, लुम्बा की पत्नी गीता देवी पिछले डेढ़ साल से इरफान के साथ रह रही थी और उसने अपने पति की हर गतिविधि पर नजर रखने के लिए गांव में उसके कमरे में एक सीसीटीवी कैमरा भी लगवा रखा था। इस कैमरे का एक्सेस उसके और इरफान के फोन पर था।

आज के समय में डायटिशियन की भूमिका काफी महत्वपूर्ण : डॉ सिन्हा

नवीन मेल संवाददाता। रांची

केबी महिला महाविद्यालय के सीएनडी विभाग में शुक्रवार को इंडक्शन मीट का आयोजन किया गया। इस मीट के प्रारंभ में सभी छात्राओं का स्वागत करते हुए उन्हें महाविद्यालय तथा विभाग के सभी नियमों से अवगत कराया गया। छात्राओं को संबोधित करते हुए महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य एवं सिंडिकेट सदस्य डॉ सुरेंद्र सिन्हा ने कहा कि आज के समय में लोग मोटापा, डायबिटीज, किडनी इत्यादि विभिन्न प्रकार की बीमारियों से जूझ रहे हैं। ऐसे में समाज में डायटिशियन की भूमिका काफी महत्वपूर्ण हो जाती हैं। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ मुकुल कुमार ने छात्राओं को अनुशासित रहकर मन लगाकर पढ़ाई करने की सलाह दी। डॉ श्रवण सहाय ने विभाग की शिक्षिकाओं की प्रशंसा करते हुए उन्हें इस पाठ्यक्रम के सफल संचालन के लिए बधाई दी। महाविद्यालय के बर्सर डॉ श्रवण सहाय ने छात्राओं को सीएनडी विभाग का इतिहास बताते हुए आज के समय में इस पाठ्यक्रम का महत्व बताया। महाविद्यालय के व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की कोऑर्डिनेटर डॉ अल्पना सिंह ने छात्राओं का स्वागत करते हुए उन्हें ऐसे रोजगार परक विषय लेने के लिए बधाई दी। साथ ही, उन्हें मेहनत से पढ़ाई कर अपने महाविद्यालय का नाम रोशन करने की सलाह दी।

श्री श्याम मंदिर अग्रसेन पथ में मना भगवान कृष्ण का छठी महोत्सव

नवीन मेल संवाददाता। रांची

श्री श्याम मंडल, रांची द्वारा अग्रसेन पथ स्थित श्री श्याम मंदिर में शुक्रवार को दिन में 11:30 बजे लड्डू गोपाल को उनके छठी के अवसर पर भोग अर्पित किया गया। आज के भोग के मुख्य यजमान आचार्य श्याम सुंदर भारद्वाज ने अपने पूरे परिवार के साथ, जिनमें राधे श्याम भारद्वाज, नटवर लाल भारद्वाज एवं राज कुमार भारद्वाज शामिल थे, लड्डू गोपाल जी को भोग अर्पित किए। आज के भोग में पूड़ी-सब्जी, पुआ, बड़ा एवं विभिन्न प्रकार के मिष्ठान लड्डू गोपाल जी को अर्पित किए गए। सर्व प्रथम मंडल के अध्यक्ष चंद्र प्रकाश बागला, मंत्री धीरज बंका एवं भारद्वाज परिवार ने गणेश पूजन कर मंदिर में विराजे वीर बजरंगबली एवं शिव परिवार का भी पूजन किया। इसके बाद विभिन्न प्रकार के फल एवं मिष्ठान अर्पित कर लड्डू गोपाल जी को भोग अर्पित किया गया। भोग अर्पित कर मंदिर के पट बंद होने तक तथा पुनः संध्या 4:00 बजे पट खुलने पर भक्तों के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। इस अवसर पर पूरा मंदिर परिसर जय-जयकार से गूंज उठा। साथ ही, श्री श्याम मंडल के कार्यकर्ता आए हुए भक्तजनों को शुद्ध पेयजल का वितरण कर रहे थे। आज के छठी का भोग श्री श्याम मंदिर में ही निर्मित किया गया तथा 350 से ज्यादा भक्तजनों प्रसाद प्राप्त किया।

संविधान संशोधन विधेयक को लेकर झामुमो ने केंद्र सरकार का पुतला फूंका

नवीन मेल संवाददाता। रांची

केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा लोकसभा में पेश किए गए संविधान संशोधन विधेयक 2025 के विरोध में शुक्रवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा रांची जिला समिति ने अल्बर्ट एक्का चौक पर केंद्र सरकार का पुतला दहन किया।

झामुमो रांची जिला संयोजक प्रमुख मुस्ताक आलम के नेतृत्व मे हुए पुतला दहन कार्यक्रम मे रांची जिला के सभी स्तर के नेता और कार्यकर्ता उपस्थित हुए। मौके पर मुस्ताक आलम ने कहा कि लोकसभा में जो काला कानून के रूप मे जो विधेयक लाया गया है ये लोकतंत्र पर हमला है। यह पूरी तरह विपक्षी दलों को टारगेट करने के लिए किया जा रहा है। हम इसका पुरजोर विरोध करते हैं। जबतक ये काला कानून वापस नहीं लिया जाता है, हमारा विरोध जारी रहेगा। और इसी के विरोध मे आज झामुमो रांची जिला समिति के द्वारा हमलोग पुतला दहन कर रहे हैं। पुतला दहन कार्यक्रम मे मुख्य रूप से केंद्रीय सदस्य सह जिला संयोजक मंडली सदस्य अश्विनी शर्मा, जिला संयोजक मंडली सदस्य डॉ हेमलाल मेहता, जिला संयोजक मंडली सदस्य बीरू तिर्की, नयनतारा उरांव, सोनू मुंडा एवं समनूर मंसूरी, कुदूस अंसारी, जनक नायक, कलाम आजाद, बीरू साहू, रामशरण तिर्की, आफताब आलम, तालकेश्वर महतो सहित अन्य उपस्थित थे।

भादो बदी अमावस्या महोत्सव 2082 का शुभारंभ

सुहागिन महिलाओं ने किया मंगल पाठ

नवीन मेल संवाददाता। रांची

शुक्रवार एवं शनिवार को भादो बदी अमावस्या महोत्सव 2082 का शुभारंभ श्री श्याम अग्रवाल सपत्नीक द्वारा गणेश पूजन कर किया गया।इसके उपरांत अखंड ज्योत प्रवजलित की गई। मंगल पाठ संयोजक सुशील नारसरिया ने बताया कि 501 सुहागिन महिलाओं द्वारा राजस्थान की पारंपरिक वेशभूषा में मंगल पाठ किया गया, पाठ का संचालन शशि सर्राफ के द्वारा किया गया। ध्वज पूजन प्रातः 10:00 बजे विनोद जालान से परिवार द्वारा किया गया। मंदिर प्रांगण में श्री हरि सत्संग समिति द्वारा बहुत ही सुंदर एवं भावपूर्ण सुंदरकांड की प्रस्तुति की गई जिसे सुनकर लोग आनंदित हो गए, जिसका संचालन श्री आशीष जालान द्वारा किया गया। संध्या 5:00 बजे से स्थानीय भजन गायको द्वारा भजनों की गंगा प्रवाहित कर भक्तों एवं आसपास के वातावरण को भक्तिमय माहौल बना दिया गया, भजन संकीर्तन का संचालन श्री विभोर डागा एवं श्री विमल सोनी के द्वारा किया गया, साथ ही संध्या 5:00 बजे से 13 सुहागिन महिलाओं के द्वारा दादी जी को मेहंदी लगाकर मेहंदी उत्सव मनाया गया जिसका संचालन श्री दीपक गोयनका के द्वारा किया गया।

चुनड़ी उत्सव रात्रि 7:00 बजे से 13 विवाहित जोड़ों द्वारा दादी जी को चुनड़ी अर्पित की गई जिसका संचालन विकास अग्रवाल द्वारा किया गया। रात्रि 8:30 बजे अखंड ज्योत समापन किया गया रात्रि 9:00 बजे से 1:00 बजे तक श्री राणी सती मंडल के द्वारा चतुर्दशी जागरण किया गया, जिसका संचालन श्रवण जालान द्वारा किया गया। शनिवार को प्रातः 5:00 से मंगल आरती, श्रृंगार, झांकी, पूजा अर्चना, छप्पन भोग का कार्यक्रम शुरू होगा। सवामणि भोग 22 एवं 23 अगस्त 2025 दो दिवसीय लगाई जाएगी।

डोरंडा कॉलेज में पोस्ट स्कूल इंटर्नशिप सहायक सामग्री प्रदर्शनी का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता। रांची

डोरंडा कॉलेज में शुक्रवार को बीएड प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों ने पोस्ट स्कूल इंटर्नशिप सहायक सामग्री प्रदर्शनी का आयोजन किया। इस प्रदर्शनी में प्रशिक्षु शिक्षकों ने स्कूल में उपयोग किए गए सहायक सामग्री को बीएड विभाग में दिखाया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ राजकुमार शर्मा ने सहायक सामग्री के उपयोग के महत्व को बताया। उन्होंने यह बताया कि छात्रों की समझ को बेहतर बनाने की प्रक्रिया को आकर्षक बनाने, विभिन्न सीखने की अवधारणाओं को समायोजन करने, याद रखने में, मदद करने में और मूल्यांकन में सहायता करने के लिए ये उपकरण महत्वपूर्ण हैं। ये उपकरण जैसे चार्ट मॉडल और मल्टीमीडिया जटिल अवधारणाओं को सरल बनाते हैं, छात्रों को विषय में व्यस्त रखते हैं और प्रारंभिक कक्षाओं में व्यक्तिगत विभिन्नताओं को पूरा करके सीखने के अनुभव को बढ़ाते हैं। इस अवसर पर सभी शिक्षक मौजूद थे। ये जानकारी कॉलेज के सह मीडिया प्रभारी अवधेश ठाकुर ने दी।

आज / कल

मारवाड़ी युवा मंच रांची समर्पण शाखा का दीपोत्सव मेला 4 अक्टूबर से

नवीन मेल संवाददाता। रांची

मारवाड़ी युवा मंच रांची समर्पण शाखा का दीपोत्सव मेला 4 अक्टूबर 2025 से दिगंबर जैन भवन, हरमू रोड में आयोजित किया जाएगा। मेले में डेकोरेटेड दिया, बंदनवार, भगवान की पोशाक, कुर्ती, बेडशीट, होममेड आइटम आदि के स्टॉल रहेंगे। मेले में शॉपिंग के अलावा फूड स्टाल एवं गेम्स भी रहेंगे। स्टॉल की बुकिंग शुरू हो गई है। कई स्टॉल बुक भी हो गए हैं। शाखा अध्यक्ष पूजा अग्रवाल ने कहा कि मेले से रिलेटेड कोई भी जानकारी के लिए संयोजिका से संपर्क किया जा सकता है। संयोजिका मीनू अग्रवाल का मोबाइल नंबर 9334018767, सरिता बथवाल का मोबाइल नंबर 9430733658, कविता सोमानी का मोबाइल नंबर 7549043770 और रोजी खंडेलवाल का मोबाइल नंबर 7992248634 है। ये जानकारी मीडिया प्रभारी सरिता बथवाल ने दी।

मारवाड़ी महाविद्यालय में पथ प्रदर्शक को विभागीय जिम्मेदारी देने का विरोध

- अबुआ अधिकार मंच ने प्राचार्य को सौंपा मांग पत्र
- साइकोलॉजी विभाग में विभागाध्यक्ष की नियुक्ति अनुचित

नवीन मेल संवाददाता। रांची

राजधानी रांची के मारवाड़ी महाविद्यालय के साइकोलॉजी विभाग में अनुचित तरीके से विभागीय दायित्व सौंपे जाने के मामले में अबुआ अधिकार मंच ने कड़ा विरोध किया है। अबुआ अधिकार मंच के विशाल कुमार यादव ने मारवाड़ी महाविद्यालय के प्राचार्य को मांग पत्र सौपते हुए कहा कि झारखंड विश्वविद्यालय अधिनियम (संशोधित अधिनियम 2018-19) की धारा 2(5) के अनुसार पथ प्रदर्शकों को शिक्षक की श्रेणी से बाहर कर दिया गया है, जो 15 फरवरी 2019 से प्रभावी है। साथ ही, झारखंड उच्च न्यायालय द्वारा रिट सं. 2631/2018 में पारित आदेश की कंडिका 41 के अनुसार सभी पथ प्रदर्शक 15 फरवरी 2019 या उसके बाद 60 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर स्वतः सेवानिवृत्त माने जाएंगे। इसके अलावा, राज्य सरकार द्वारा लैब टेक्नीशियन एवं पथ प्रदर्शकों की नियुक्ति, प्रोन्नति एवं पदावनति की समीक्षा के लिए एक समिति का गठन किया गया है तथा सभी विश्वविद्यालयों से शीघ्र रिपोर्ट भी मांगी गई है। ऐसे में समिति की समीक्षा एवं निर्णय के पूर्व किसी पथ प्रदर्शक को विभागीय जिम्मेदारी सौंपना पूर्णतः नियमविरुद्ध और प्रश्नवाचक है।मंच ने गंभीर आपत्ति जताते हुए कहा कि जब विभाग में वरिष्ठ स्थायी संकाय सदस्य कार्यरत हैं, तो एक प्रश्नचिह्नित व्यक्ति को विभागीय दायित्व सौंपना पारदर्शिता और न्यायसंगत प्रशासन के सिद्धांतों का उल्लंघन है। अबुआ अधिकार मंच ने मांग की है कि इस मामले की गहन जांच कर दोषियों पर एक सप्ताह के भीतर कठोर कार्रवाई की जाए। मंच ने चेतावनी दी है कि यदि समय पर कार्रवाई नहीं की गई, तो वे महाविद्यालय में धरना-प्रदर्शन एवं तालाबंदी करने को बाध्य होंगे। ज्ञापन सौंपने वालों में मुख्य रूप से विशाल कुमार यादव, ईशा गुप्ता, रोशन कुमार साहू सहित कई सदस्य मौजूद थे।

स्वर्णिम भारत एक्सपो 2025 के दूसरे दिन नवाचार व उद्यमिता का उत्सव

ऐसे आयोजन से युवाओं को प्रोत्साहन मिलता है : अन्नपूर्णा

नवीन मेल संवाददाता

रांची। सरला बिरला विश्वविद्यालय में परिचित फाउंडेशन द्वारा आयोजित स्वर्णिम भारत एक्सपो 2025 का दूसरा दिन एक ऐतिहासिक पल साबित हुआ। रांची के आयोजन स्थल पर आज का दिन नवाचार, आत्मनिर्भरता और समावेशी विकास की दिशा में एक प्रेरक मील का पत्थर बना। राष्ट्रीय स्तर के नेताओं और विशेषज्ञों की उपस्थिति ने इस आयोजन को और भी गौरवपूर्ण बना दिया। आज के विशेष अतिथि सांसद डॉ प्रदीप कुमार वर्मा रहे जिन्होंने कार्यक्रम में भाग लिया और उपस्थित प्रतिभागियों से संवाद किया। उन्होंने आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की दिशा में कार्य करने के लिए सभी को प्रेरित किया। विशिष्ट अतिथियों में अन्नपूर्णा देवी (केंद्रीय मंत्री), दीपक प्रकाश (सांसद), डॉ प्रदीप कुमार वर्मा (सांसद), डॉ रविन्द्र राय (कार्यकारी अध्यक्ष, झारखंड) रहे। झारखंड पर्यटन अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि स्वर्णिम भारत एक्सपो जैसे आयोजनों से युवाओं को तकनीकी नवाचार, उद्यमिता और अनुसंधान के क्षेत्र में प्रोत्साहन मिलता है। यह देख कर खुशी होती है कि विभिन्न संस्थान और स्टार्टअप्स मिलकर भारत को 2047 तक एक आत्मनिर्भर और नवाचार-प्रधान राष्ट्र बनाने के लिए काम कर रहे हैं। यह आयोजन इस बात का प्रमाण है कि हमारा भविष्य आत्मनिर्भर और विकसित होगा। सभी अतिथियों ने एक्सपो का दौरा किया, विभिन्न स्टॉल्स का अवलोकन किया और देश के भविष्य निर्माण में इन पहलुओं के महत्व पर जोर दिया। दूसरे दिन की खास बात यह रही कि बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं एक्सपो में शामिल हुए। उन्होंने विभिन्न वैज्ञानिक संस्थाओं, उद्योगों और स्टार्टअप्स द्वारा प्रस्तुत किए गए स्टॉल्स को देखा और उन नवाचारों से प्रेरणा ली जो भारत को प्रौद्योगिकी और अनुसंधान में आत्मनिर्भर बना रहे हैं।

स्वर्णिम भारत एक्सपो 2025 के दूसरे दिन ने भारत के नवाचार, विज्ञान और उद्यमिता की दिशा में हो रहे प्रयासों को प्रदर्शित किया। विशेष रूप से छात्रों की भागीदारी ने इस आयोजन को और भी प्रेरणादायक बना दिया। इस एक्सपो का आयोजन 23 अगस्त 2025 तक जारी रहेगा जिसमें अंतिम दिन फेलिसिटेशन सेरेमनी और क्लोजिंग सेशन का आयोजन किया जाएगा।

स्वर्णिम भारत एक्सपो 2025 में चैंबर अध्यक्ष हुए शामिल, कहा

व्यापार और उद्योग जगत मिलकर झारखंड को ज्ञान का केंद्र बनाएंगे

रांची। सरला बिरला विश्वविद्यालय और परिचित फॉउंडेशन द्वारा आयोजित स्वर्णिम भारत एक्सपो 2025 में झारखंड चैम्बर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष परेश गट्टानी और सह सचिव नवजोत अलंग ने शामिल होकर इस आयोजन को ऐतिहासिक बताया। चैम्बर अध्यक्ष ने प्रसन्नता जताते हुए कहा कि एक ही मंच पर इसरो, सीएसआईआर, डीएई, आईसीएआर, यूएडीएआई, आईसीएमआर जैसे प्रतिष्ठित राष्ट्रीय संस्थानों की उपस्थिति हमारे युवाओं, उद्यमियों और नागरिकों को नए आयामों से जोड़ने का अवसर प्रदान करेगी। यह एक्सपो हमारे युवाओं, शोधकर्ताओं और उद्यमियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा। आज का युवा जब तकनीक और परंपरा दोनों को साथ लेकर आगे बढ़ेगा, तभी लोकल से ग्लोबल का सपना साकार होगा।

भगवान बिरसा मुंडा का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा : पद्मश्री अशोक भगत

रांची। सरला बिरला विश्वविद्यालय में भगवान बिरसा मुंडा पर आधारित दो दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पद्मश्री अशोक भगत शामिल हुए। मौके पर उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। मुझे खुशी है कि प्रारंभिक समय में विकास भारती द्वारा भगवान बिरसा मुंडा के वंशज सुखराम मुंडा व बुधराम मुंडा को उनके परिवार सहित अपने बिशुनपुर केंद्र में रखकर उन्हें समाज में सर्वप्रथम पहचान दिलाई। बच्चों को शिक्षा के साथ रोजगार देने का भी सुअवसर प्राप्त हुआ। इसके बाद इन्हें सरकारों ने भी इन्हें मान्यता दी। इस दौरान भगवान बिरसा मुंडा के प्रपौत्र सुखराम मुंडा, रामकृष्ण मिशन के सचिव स्वामी भवेशानंद जी महाराज, सरला बिरला के कुलपति सी जगन्नाथन, महानिदेशक गोपाल पाठक सहित विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारी, शिक्षाविद, शोधार्थी उपस्थित रहे।

सीयूजे में प्रेरक व्याख्यानों के साथ मना विश्व लोक संस्कृति दिवस

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूजे) के मानव विज्ञान और जनजातीय अध्ययन विभाग (डीएटीएस) ने आज विश्व लोकसंस्कृति दिवस के अवसर पर प्रेरक व्याख्यानों का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का विषय था अमूर्त संस्कृति की विरासत की सुरक्षाः भारतीय परिदृश्य में प्रमुख मुद्दे और संग्रहालय और वैकल्पिक स्थलों में लोक इतिहास, आख्यान, स्मृति और जुड़ाव की खोज।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ सुभ्रा देवी (सांस्कृतिक अध्ययन विभाग, तेजपुर विश्वविद्यालय) और पंकज प्रोतिम बोरदोलोई (उप निदेशक, राष्ट्रपति भवन संग्रहालय) और कला संग्रह (नई दिल्ली) ने अपने विचार प्रस्तुत किए। इस दौरान प्रो रवींद्रनाथ सरमा (संस्कृति अध्ययन स्कूल के डीन) और मानव विज्ञान और जनजातीय अध्ययन विभाग के प्रमुख भी उपस्थित थे। इसके अलावा विश्वविद्यालय के विभिन्न शोधार्थी, छात्र और शिक्षक भी इस कार्यक्रम का हिस्सा बने।

यह व्याख्यान भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण के क्षेत्रीय केंद्र, लुप्तप्राय भाषा केंद्र, स्वदेशी ज्ञान एवं सतत विकास केंद्र, समान अवसर प्रकोष्ठ और राष्ट्रीय कैडेट कोर, (सीयूजे) रांची के सहयोग से आयोजित किया गया था।

डॉ सुभ्रा देवी ने अपने व्याख्यान में विशेष रूप से जातीय समुदायों की पारंपरिक सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों और प्रकृति के साथ उनके स्थायी संबंधों पर प्रकाश डाला। मानव जाति के लिए भविष्य के जोखिमों को कम करने में इन सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों की भूमिका पर जोर दिया। इसके साथ ही सुभ्रा देवी अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के दस्तावेजीकरण में आने वाली व्यावहारिक समस्याओं पर भी चर्चा की और उनके समाधान के लिए कुछ संभावित उपायों पर विचार किया। पंकज प्रोतिम बोरदोलोई ने भारतीय संग्रहालय और लोक इतिहास पर अपने विशेष व्याख्यान में इस बात पर जोर दिया कि पारंपरिक इतिहास विजेताओं की कहानी बताता है जबकि लोक इतिहास उपेक्षितों की। उन्होंने संग्रहालयों के महत्व को उजागर किया जो सार्वजनिक इतिहास के स्थलों के रूप में काम करते हैं।

उन्होंने कुछ प्रमुख संग्रहालयों जैसे रंगभेद संग्रहालय (नेल्सन मंडेला का संघर्ष), नाजी अत्याचार संग्रहालय (जर्मनी), और भोपाल गैस त्रासदी संग्रहालय का उल्लेख किया और समझाया कि कैसे ये संग्रहालय जनता के लिए इतिहास की नई व्याख्याएं प्रस्तुत करते हैं।

इसके अलावा पंकज प्रोतिम ने वैकल्पिक स्थानों जैसे सामुदायिक अभिलेखागार, सांस्कृतिक केंद्र, कला प्रतिष्ठान और डिजिटल प्लेटफार्मों के महत्व पर भी प्रकाश डाला, जो इतिहास को लोकतांत्रिक तरीके से साझा करने का अवसर प्रदान करते हैं। कार्यक्रम के समापन पर सीयूजे के कुलपति प्रो क्षिति भूषण दास ने मानव विज्ञान और जनजातीय अध्ययन विभाग की इस पहल की सराहना की और विश्व लोकसंस्कृति दिवस के अवसर पर इस विशेष व्याख्यान के आयोजन की महत्वता पर जोर दिया।

वज्रपात से हुए मौत : तीन मासूमों का किया गया अंतिम संस्कार

नवीन मेल संवाददाता

चान्हो। प्रखंड के होंदपिड़ी गांव में गुरुवार को आकाशीय बिजली गिरने से तीन नाबालिग बच्चियों की मौत हो गई। इस हादसे के बाद पूरे गांव में मातम का माहौल है। इन बच्चियों का शुक्रवार को नम आंखों से अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम संस्कार में पहुंचे भाजपा नेता सन्नी टोप्पो बच्चियों के अंतिम संस्कार के दौरान गांव के सैकड़ों लोग और आसपास के क्षेत्रों से आए लोग मौजूद थे। इस दुख की घड़ी में, भाजपा नेता सन्नी टोप्पो भी पीड़ित परिवारों से मिलने पहुंचे। उन्होंने शोक संतप्त परिजनों से मिलकर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं और उन्हें ढांढस बंधाया। ?टोप्पो ने कहा, "यह एक बहुत ही दुखद घटना है। मैं इस मुश्किल समय में पीड़ित परिवारों के साथ खड़ा हूँ। हर संभव मदद का आश्वासन देता हूँ।" उन्होंने पीड़ित परिवारों को भरोसा दिलाया कि वे इस कठिन समय में अकेले नहीं हैं और उन्हें हरसंभव सहायता दी जाएगी। ?पूरे गांव के लोगों ने नम आंखों से बच्चियों को अंतिम विदाई दी। इस घटना ने एक बार फिर प्राकृतिक आपदाओं से बचाव के उपायों की जरूरत को सामने ला दिया है। यह दुखद घटना गांव में शोक का कारण बन गई है। हर कोई इन मासूमों की अकाल मृत्यु से स्तब्ध है।

सीओ भी पहुंचे होदपीढ़ी गांव

चान्हो। चान्हो सीओ संजीव कुमार होदपीढ़ी गांव जाकर शोकाकुल परिजनों से मिले। उन्हें ढांढस बंधाया और मुआवजा की प्रक्रिया की जानकारी देते हुए हर संभव मदद का भरोसा दिया। उनके साथ हल्का कर्मचारी एवं अंचल निरक्षक भी थे। कल गांव में वज्रपात से तीन मासूमों की मौत हो गई थी।

रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने किया ओटीए चेन्नई का दौरा

नवीन मेल संवाददाता

रांची। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने शुक्रवार (22 अगस्त) को अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी (ओटीए), चेन्नई का दौरा किया। अकादमी में कमांडेंट द्वारा उन्हें एक व्यापक जानकारी दी गई, जिसमें वहां अधिकारी कैडेटों द्वारा दिए जा रहे प्रशिक्षण के विभिन्न पहलु शामिल थी।

रक्षा राज्य मंत्री को इस प्रमुख संस्थान द्वारा प्रशिक्षण के तौर-तरीकों और बुनियादी ढांचे को आधुनिक बनाने के लिए उठाए जा रहे विभिन्न कदमों की भी जानकारी दी गई, ताकि इसे समकालीन, प्रासंगिक और उत्तरदायी बनाया जा सके।

उन्होंने अकादमी में अधिकारी कैडेटों के समग्र विकास के लिए उपयोग की जा रही विभिन्न प्रशिक्षण सुविधाओं और संबद्ध बुनियादी ढांचे का दौरा किया। मंत्री ने भारतीय सेना और मित्र देशों के विश्व स्तरीय अधिकारियों को तैयार करने में सैन्य प्रशिक्षण के उत्कृष्ट मानकों को सुनिश्चित करने के लिए कमांडेंट और ओटीए चेन्नई के सभी रैंकों की सराहना की।

परंपरा और भव्यता के साथ होगी डकरा दुर्गा मंडप में मां दुर्गा की पूजा

नवीन मेल संवाददाता

खलारी। डकरा दुर्गा मंडप में इस वर्ष भी परंपरा और भव्यता के साथ मां दुर्गा की पूजा की जाएगी। इसके लिए दुर्गा पूजा समिति का गठन सर्वसम्मति से किया गया। समिति में मुख्य संरक्षक के रूप में एनके एरिया महाप्रबंधक दिनेशकुमार गुप्ता, रघुवंशनारायण सिंह, कमलेशकुमार सिंह व ललन सिंह शामिल हैं। संरक्षकों में क्षेत्र के सभी स्टाफ अधिकारी, परियोजना पदाधिकारी, एसीसी सदस्य, डीपी सिंह, प्रमोद पाठक, अरुणकुमार सिंह व बिगनसिंह भोक्ता को जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस बार अध्यक्ष पद का दायित्व गोल्डनप्रसाद यादव को दिया गया है। उपाध्यक्ष के रूप में मनोज सिंह, हरेंद्र सिंह, अवधेश राय व रणजीत सिंह चुने गए हैं। महासचिव संतोष मेहता व रंजन सिंह, वहीं सचिव की जिम्मेदारी धर्मेंद्रनाथ सिंह उर्फ मुन्नू सिंह निभाएंगे। सह सचिव पद पर राजेश सिंह, शिवेंद्रनाथ सिंह, गौतम झा और राजा सिंह शामिल किए गए हैं।

शिलान्यास के 10 महीने बाद भी नहीं बन पाई लापुंग बाकाकेरा भाया चाल्हा सड़क

- हजारों गड्ढों और कीचड़ के कारण मुसीबत बनी सड़क

नवीन मेल संवाददाता

लापुंग। टांगरकेला , बड़काकुरा और महुंगाव भाया चाल्हा मोड़ को लापुंग से जोड़ने वाली बाकाकेरा चाल्हा लापुंग का मुख्य सड़क अपनी बदहाली की पराकाष्ठा में पहुंच गई है। सड़क पर हजारों गड्ढे और कीचड़ सहित फिसलन सड़क की बदहाली की गाथा सुना रहे हैं। 10 महीने से अधिक का वक्त गुजरने के बाद भी मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत बनने वाली इस सड़क का निर्माण कार्य शुरू नहीं हो पाया है। बताया जाता है कि ठेकेदार के लापरवाही के कारण सड़क का निर्माण कार्य शुरू नहीं हो पाया है। जबकि झारखंड सरकार की मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने पिछले साल 10 अक्टूबर 2024 को ही इस सड़क का शिलान्यास किया था। विडम्बना यह है कि आज तक सड़क का निर्माण नहीं हो पाया। इस सड़क के निर्माण कार्य नहीं होने के कारण गटेया टोली, चाल्हा, लालपुर, गुदगुद, बोकरोन्दा, बड़काकुरा, बूढ़नी, टांगरकेला सहित तपकरा गांव के ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है। बारिश से पहले ही सड़क पर सैकड़ो गड्ढे हो गए हैं। गड्ढों के आकार और संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। सैकड़ो गड्ढों और जल जमाव के साथ साथ कीचड़ के कारण आने जाने वाले हजारों लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। गटेया टोली के नेलसन बरला ने कहा कि अब तक इस सड़क पर पिछले दो महीने में दर्जनों लोग गिर चुके हैं। ऑटो भी पलट चुकी है।

कई लोग घायल भी हुए हैं। ऑटो वाले दुर्घटना के बाद अब ऑटो से पैसेंजर पहले ही उतारकर खाली ऑटो पार करने के लिए विवश है। बड़का कुरा के रहने वाले ग्रामीणों क्रमशः प्रिया , असीसन बरला, पुष्पा लोहराईन, बहामुनी बरला, अंजू बरला, लक्ष्मी बरला, बिरसमुणी बरला, हीरामुणी बरला, जिंगी बरला सहित अन्य लोगों ने बताया कि उन्हें गड्ढों के कारण ऑटो वालों ने गड्ढे से पहले ही सड़क पर उतार दिया और कहा कि आप लोग पैदल चलिए गड्ढा पार करने के बाद आप लोगों को फिर से चढ़ाएंगे। ऐसा करने वाले ऑटो चालक भी सड़क के कारण भारी परेशान है। सबसे बड़ी मुसीबत दो पहिया वाहन वाले झेलने को मजबूर हैं।

स्कूटी और बाइक वाले अब तक कई बार गिर चुके हैं। कई लोग घायल भी हुए हैं। गुदगुद के लाल मिथिलेश कुमार सिंह ने कहा कि सड़क की इन समस्याओं से संभवतः सड़क का शिलान्यास करने वाली मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की भी अनभिज्ञ होंगी। उन्हें समस्या से अवगत नहीं कराया गया होगा वरना आज तक सड़क निर्माण कार्य बारिश से पहले ही पूर्ण हो जाती। इस संदर्भ में पूछे जाने पर कांग्रेस के प्रखंड अध्यक्ष जयंत बरला ने बताया कि ग्रामीण कार्य विभाग और ठेकेदार की लापरवाही के कारण आज तक इस सड़क का निर्माण कार्य नहीं हो पाया है। उन्होंने कहा कि गुरुवार को बेडो. के कांग्रेस अध्यक्ष नवल किशोर सिंह की ऑटो कर भी यहां फंस गई थी। बहुत मुश्किल से निकाला गया। ? जयंत बरला ने कहा कि यह सड़क बिरसा चौक लापुंग से बाकाकेरा मोड तक बनाया जाना था। लेकिन विभाग की लापरवाही के कारण आज तक यह सड़क नहीं बन पाया है। उन्होंने कहा कि वे जल्द ही मंत्री महोदया को मामले से अवगत कराएंगे और जल्द निर्माण कार्य के लिए आवश्यक सभी कदम उठाने की मांग रखेंगे।

न्यूज बॉक्स

विस सत्र को लेकर कांग्रेस विधायक दल की हुई बैठक

रांची। कांग्रेस विधायक दल की एक बैठक सर्किट हाउस में संपन्न हुई। जिसमें प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष केशव महतो, विधायक दल के नेता प्रदीप यादव, विधायक दल के उपनेता राजेश कच्छप, वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर, पूर्व वित्त मंत्री ामेश्वर उरांव, विधायक निसात आलम, नमन विक्सल कोंगाड़ी, ाूषण बाड़ा, रामचंद्र सिंह, सुरेश बैठा, ममता देवी, सोनाराम सिंकू उपस्थित रहे।

रेलवे पुल के नीचे गिरा बेकाबू ट्रक

डकरा। सरस्वती शिशु मंदिर स्कुल के पास रेलवे पुल के निचे बेकाबू ट्रक गिर गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रक बहुत तेज रफ्तार में था। घटना के समय सीआईएसएफ जवानो से भरी बस पास में ही थी। सीआईएसएफ के जवान बाल बाल बचे। ट्रक चालक और ट्रक मे सवार कुछ लोगों को चोट लगी है जिसका ईलाज सीसीएल अस्पताल डकरा मे चल रहा है।

जन सहयोग से टीबी उन्मूलन की दिशा में झारखंड का प्रयास तेज

रांची। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखंड के तहत क्षय रोग (टीबी) उन्मूलन कार्यक्रम को और प्रभावी बनाने के लिए शुक्रवार को समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता राज्य क्षय रोग पदाधिकारी डॉ कमलेश कुमार ने की। बैठक में सभी जिलों के जिला क्षय रोग पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया कि टीबी उन्मूलन कार्यक्रम में पंचायतों और समुदाय की भागीदारी सुनिश्चित की जाए। डॉ कुमार ने कहा कि टीबी का समय पर निदान और उपचार बेहद जरूरी है। सभी टीबी मरीजों को सरकार की ओर से मुफ्त जांच, इलाज और पोषण सहायता राशि की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने जिलों को निर्देश दिया कि टीबी की जांच दर बढ़ाने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। इसके साथ ही इलाकों में ह्यमित्र अभियानह्ल के तहत आम जनों, स्वयंसेवी संस्थाओं और अन्य संगठनों को जोड़कर टीबी मरीजों को गोद लेने और पोषण सहयोग उपलब्ध कराने की पहल तेज की जाए। बैठक में डॉ कुमार ने सभी जिलों से कहा कि योजनाओं की मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए और संबंधित डेटा नियमित रूप से पोर्टल पर दर्ज किया जाए। इस अवसर पर डब्ल्यूएचओ (हलड) के डॉ सतीश, डॉ निधि, सुमित कुमार एमपीओ सहित कई पदाधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री गरुड़ एयरोस्पेस का किया उद्घाटन

रांची। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने चेन्नई में गरुड़ एयरोस्पेस रक्षा सुविधा का उद्घाटन किया और ईसीआर में उन्नत रक्षा ड्रोन तकनीक पार्क की आधारशिला रखी। मंत्री ने गरुड़ द्वारा निर्मित 5 नए युग के ड्रोन का अनावरण भी किया। पहली मोबाइल रक्षा एमआरओ वैन को हरी झंडी दिखाई। सेना के लिए निःशुल्क ड्रोन पायलट प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया और ऑपरेशन सिंदूर के दौरान देश का समर्थन करने वाले गरुड़ ड्रोन पायलटों को पुरस्कृत किया।

मां वैष्णो देवी के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का जत्था रवाना

सिल्ली। माता वैष्णो देवी के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का जत्था शुक्रवार को मुरी स्टेशन से जम्मूतवी ट्रेन से रवाना हुए। जत्था में शामिल शहदेव ने कहा कि काफी संख्या में श्रद्धालु वैष्णो देवी दर्शन के लिए जाते हैं। माता वैष्णो देवी की दर्शन से जीवन में आत्म विश्वास, नई ऊर्जा एवं समृद्धि आती है। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म को मानने वाले श्री माता वैष्णो देवी की महिमा गाते है। मन में सच्ची श्रद्धा होनी चाहिए, देवी देवता कृपा अवश्य करते हैं। श्रद्धालुओं के जत्थे में शहदेव चक्रवर्ती, चंदन मोदक, शंकर चक्रवर्ती, अर्जित समेत काफी संख्या लोग शामिल थे।

भाजपा नेता कमलेश राम ने दुष्कर्म पीड़िता के परिवार से की मुलाकात

खलारी। खलारी थाना क्षेत्र के सुभाषनगर में 17 अगस्त को नाबालिग बच्ची के साथ हुए दुष्कर्म मामले को लेकर शुक्रवार को भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष कमलेश राम खलारी पहुंचे। उन्होंने पीड़िता के परिवार से मुलाकात की, उन्हें ढांढस बंधाया और हर संभव सहायता का भरोसा दिलाया। कमलेश राम ने इस जघन्य अपराध को अमानवीय और शर्मनाक बताया। उन्होंने कहा कि ऐसे घिनौने कृत्य में दोषियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाना चाहिए और उन्हें फांसी की सजा मिलनी चाहिए। इस दौरान उन्होंने थाना प्रभारी जयदीप टोप्पो से भी मुलाकात की और मामले की जांच निष्पक्ष ढंग से करने कहा। उन्होंने कहा कि अनुसंधान में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा दोषियों को जल्द से जल्द सख्त सजा दिलाना जरूरी है।

उपायुक्त की अध्यक्षता में हुई जिला स्तरीय खनन टास्क फोर्स की बैठक, कहा

अवैध खनन के विरुद्ध कार्रवाई में तेजी लाएं

● अवैध बालू परिवहन पर पूरी तरह से रोक लगाने के लिए कई दिशा निर्देश दिए

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। उपायुक्त रामगढ़ फैज अक अहमद मुमताज की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक अजय कुमार की उपस्थिति में शुक्रवार को समाहरणालय सभाकक्ष में जिला स्तरीय खनन टास्क फोर्स की बैठक हुई। बैठक के दौरान सर्वप्रथम अनुमंडल पदाधिकारी अनुराग कुमार तिवारी के द्वारा की उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक सहित अन्य को पीपीटी के माध्यम से जानकारी दी। बैठक के दौरान रामगढ़ जिला अंतर्गत चितरपुर प्रखंड के भुचुंगडीह क्षेत्र में स्थित अवैध मुहानों में लगी आग पर उपायुक्त के द्वारा पुलिस अधीक्षक सहित अन्य अधिकारियों के साथ गंभीरता पूर्वक चर्चा की गई। आग पर काबू पाने को लेकर बैठक के दौरान उपायुक्त ने सीसीएल महाप्रबंधक एवं अंचल अधिकारी चितरपुर सहित अन्य अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक के दौरान उपायुक्त ने विगत कुछ समय में अवैध खनन पर रोक लगाने हेतु किए गए कार्यों की जानकारी ली एवं और भी प्रभावी तरीके से अवैध खनन के विरुद्ध कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक के द्वारा खनन टास्क फोर्स की पूर्व की बैठक में दिए गए निर्देश के आलोक में किए गए कार्यों की जानकारी ली गई।

इस दौरान उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक के द्वारा अवैध मुहानों को बंद करने के तहत किए गए कार्यों की जानकारी लेने के क्रम में उपायुक्त ने कहीं से भी अवैध मुहानों से खनन होने संबंधित सूचना प्राप्त होने पर त्वरित रूप से उसे अच्छी तरह बंद कराने हेतु आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। अवैध खनन पर पूरी तरह से रोक सुनिश्चित करने एवं अवैध मुहानों की अच्छी तरह से डोजरिंग करने को लेकर उपायुक्त ने सभी संबंधित परियोजनाओं के महाप्रबंधकों एवं एरिया सिक्योरिटी ऑफीसर्स को कार्यों पर विशेष ध्यान देने एवं अवैध मुहानों से किसी भी तरह का कोई भी खनन कार्य न होने देना सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

बैठक के दौरान उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने सभी अंचलाधिकारी एवं सभी थाना प्रभारी को अवैध बालू परिवहन पर पूरी तरह से रोक लगाने हेतु कई दिशा निर्देश दिए। बैठक में वन प्रमंडल पदाधिकारी, जिला स्तरीय पदाधिकारी, प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों, विभिन्न परियोजनाओं के महाप्रबंधकों, अंचल अधिकारियों, थाना प्रभारियों सहित अन्य उपस्थित थे।

मिलाद उन नबी को लेकर हुई बैठक

नवीन मेल संवाददाता

बरही। बराफात उर्फ मिलाद उन नबी हर्षोल्लास मनाने को लेकर भंडारों पंचायत के मोहम्मदिया मैदान अलगडीहा में अल्पसंख्यक समाज की बैठक हुई। जिसमें क्षेत्र के तमाम इमाम, सदर, सेक्रेट्री और कई बुद्धिजीवी उपस्थित हुए। बैठक की अध्यक्षता अल्पसंख्यक कल्याण महासमिति के अध्यक्ष मो कयूम अंसारी और संचालन हाजी साजिद उल्लाह ने किया। उपस्थित लोगों ने 5 सितंबर को मोहम्मद साहब के जन्म दिन हर्षोल्लास से मनाने का निर्णय लिया। बीते वर्ष की भांति इस वर्ष भी इस अवसर पर उलमा-ए-तकरीर, नाथ खानी सहित तल्म-ए-इल्म का प्रतियोगिता आयोजित किए जायेगे। जिसमे विभिन्न मदरसा के स्टूडेंट शिरकत करेंगे। जिसमें नामी गिरामी मौलाना व मौलवी अपने नगमें व बयान पेश करेगे। प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाले तालिबदार पुरस्कार से सम्मानित किए जाएंगे।

इस अवसर पर जुम्मे की नमाज के बाद सभी कोई मुहम्मदिया ग्राउंड में जुटेंगे, जहां जुलूस भी निकाला जाएगा। बैठक में त मुफ्ती मुजाहिद, पप्पू खान, पूर्व पंसस जमीरउद्दीन हाफिज तैयब, मौलाना मो हुसैन मौलाना तोहिद रब्बानी, कारी शमशरजा, मुजाहिद, कारी मुमताज, मौलाना तौफीक आलम आदि मौजूद थे।

आयकर विभाग के आउटरिच प्रोग्राम में दी गई नए कानूनों व छूट की जानकारी

हजारीबाग। हजारीबाग के संत जेवियर स्कूल के कांफ्रेंस हॉल में आयकर विभाग की ओर से आउटरिच सह जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में विभिन्न संस्थाओं, ट्रस्ट, स्कूल सहित कई संगठनों के लोगों ने भाग लिया. करदाताओं को छूट से संबधित नए संशोधनों, कानूनों आदि का पालन करने के बारे में बताया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ट्रस्ट, चैरिटेबल ट्रस्ट, शैक्षणिक संस्थान व अस्पतालों को आयकर विवरणी दाखिल करने में होने वाली असुविधाओं का निराकरण व आयकर छूट के नए प्रावधानों के बारे मे जानकारी देना था. ताकि आयकर विभाग में शिकायतें कम आयें और संबंधित संस्था एं जागरूक बनें। कार्यक्रम का आयोजन आयकर आयुक्त शिव स्वरूप सिंह के निर्देश पर अपर आयकर आयुक्त रंजीत मधुकर के निर्देशन में किया गया।

डीएवी के एनसीसी ऑफिसर्स कैम्पटी में ले रहे हैं प्रशिक्षण

नवीन मेल संवाददाता

बरही। डीएवी पब्लिक स्कूल बरही के एनसीसी ऑफिसर्स दीपक शरण एनसीसी का विशेष प्रशिक्षण कैम्पटी में ले रहे हैं। कैम्पटी नागपुर में स्थित है, जहां राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के लिए अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी स्थित है. जिसकी स्थापना 1 मार्च 1957 को लेफ्टिनेंट कर्नल सीजे वाट्स ने की थी। जिसका औपचारिक उद्घाटन 06 मई 1957 को तत्कालीन उप रक्षा मंत्री सरदार सुरजीत सिंह मजीठिया ने किया था। यह देश का एकमात्र अकादमी है जो एसोसिएट एनसीसी अधिकारियों (एएनओ) को प्रशिक्षित करता है। यह संस्थान एएनओ के लिए प्री-कमीशन और रिफ्रेशर पाठ्यक्रम संचालित करता है। संस्थान एक प्रतिष्ठित रेजिमेंट के रूप में प्रसिद्ध है। यह भारतीय सेना की सबसे पुरानी और सबसे सम्मानित रेजिमेंटों में से एक जो ब्रिगेड ऑफ़ द गार्ड्स का मुख्यालय भी है. एनसीसी ऑफिसर श्री शरण ने बताया कि उनके साथ अन्य एनसीसी ऑफिसर्स भी प्रशिक्षण ले रहे है. प्रशिक्षणोपरंत यह सभी एनसीसी पदाधिकारी देश के युवाओं को एनसीसी में बेहतर के लिए मार्गदर्शन व आवश्यक कौशल और अनुशासन प्रदान करने का काम करेगे।

कारोबारी के घर से 32 लाख की संपत्ति चोरी

गिरिडीह। चोरों ने गिरिडीह जिले में गुरुवार की रात कारोबारी कैलाश मंडल के घर से 32 लाख की संपत्ति की चोरी कर ली। गल्ला व्यवसायी कैलाश मंडल सरिया थाना क्षेत्र के पेठियाटांड़ के रहने वाले हैं। कैलाश मंडल के अनुसार, चोरों ने उनके घर से 17 लाख रुपए नकद समेत करीब 32 लाख रुपए की संपत्ति की चोरी की है। कारोबारी ने घर बनाने और बिजनेस के लिए बैंक से रुपए निकालकर घर में रखे थे। सूचना मिलने पर सरिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच में जुट गई। इस घटना से नाराज व्यवसायी संघ ने रोड जाम कर दिया।

जेएलकेएम का खतियान अधिकार सभा सह मिलन समारोह कल

लोगों को हक के लिए एकजुट करने का यह प्रयास है : रमेश

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। डुमरी विधायक एवं झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष जयराम महतो के नेतृत्व में बहुप्रतीक्षित खतियान अधिकार सभा सह मिलन समारोह का आयोजन 24 अगस्त 2025 को अंबेडकर पार्क, न्यू मार्केट, पीटीपीएस पतरातू में किया जाएगा। इस कार्यक्रम की जानकारी पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी रमेश कुमार महतो ने शुक्रवार को दी। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में हैं। आयोजन स्थल पर साफ-सफाई, टेंट और बैनर लगाने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। पतरातू क्षेत्र में जगह-जगह पर बैनर, पोस्टर और होर्डिंग लगाए गए हैं ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग इस कार्यक्रम से जुड़ सकें। पार्टी की ओर से सभी लोगों से 24 अगस्त के कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की गई है। रमेश कुमार महतो ने कहा कि आज भी पतरातू क्षेत्र के लोग रोजी-रोजगार, हक-अधिकार, विस्थापन और मूलभूत सुविधाओं जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं।

सहायक अध्यापकों ने मनाई शहीद मुनेश्वर सिंह की पुण्यतिथि

मुनेश्वर ने सहायक अध्यापकों के हक के लिए दिया बलिदानः सुकर ठाकुर

नवीन मेल संवाददाता

बरकट्ठा। प्रखंड के सहायक अध्यापकों ने शुक्रवार संध्या को मध्य विद्यालय बरकट्ठा में अपने आदर्श शहीद मुनेश्वर सिंह की पुण्यतिथि मनाई। कार्यक्रम की शुरूआत शहीद मुनेश्वर सिंह की तस्वीर पर माल्यार्पण और श्रद्धा सुमन अर्पित कर किया गया ।इस अवसर पर पारा शिक्षक संघ बरकट्ठा के प्रखंड सचिव सुकर ठाकुर ने कहा कि वर्ष 2008 में पारा शिक्षक अपनी मांगों के समर्थन में बिरसा चौक, रांची में प्रदर्शन कर रहे थे। उसी दौरान पुलिस द्वारा किए गए लाठीचार्ज में गंभीर चोट लगने से मुनेश्वर सिंह का निधन हो गया था। तभी से पूरे राज्य के पारा शिक्षक 22 अगस्त को शहादत दिवस के रूप में मनाते हैं ।जिला उपाध्यक्ष लिलधारी प्रसाद ने कहा कि मुनेश्वर सिंह वास्तव में एक सच्चे योद्धा थे, जिन्होंने शिक्षकों के अधिकारों के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। वहीं राजेंद्र गुप्ता ने कहा कि मुनेश्वर सिंह का सपना अभी अधूरा है। उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि तभी मिलेगी जब पारा शिक्षकों को वेतनमान की लंबित मांग पूरी होगी ।सभा का संचालन राघवेंद्र लाल ने किया और धन्यवाद ज्ञापन प्रखंड सचिव सुकर ठाकुर ने दिया ।श्रद्धांजलि सभा में सहायक अध्यापक मीडिया प्रभारी राजेश ठाकुर, मनोज कुमार, मोहम्मद रियाज अंसारी, मोहम्मद चांद अंसारी, सुंदर तुरी, श्याम किशोर पांडे, मोहम्मद रुस्तम, विजय कुमार, त्रिलोकी साव, शंकर प्रसाद, राजदेव प्रसाद, राजन चौधरी समेत बड़ी संख्या में शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित थे।

59 छात्रों के बीच साइकिल का हुआ वितरण

नवीन मेल संवाददाता

बरकट्ठा। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत कलहाबाद के उत्क्रमित +2 उच्च विद्यालय कलहाबाद में शुक्रवार को वर्ग अष्टम के 59 छात्र-छात्राओं के बीच साइकिल वितरण का कार्य समारोह आयोजित कर किया गया। इस दौरान मुखिया कलावती देवी ने छात्रों के बीच साइकिल वितरित कर उन्हें प्रतिदिन विद्यालय आने के लिए प्रेरित किया।

वहीं प्रधानाध्यापक शशि भूषण प्रसाद ने कहा कि झारखंड सरकार की यह महत्वाकांक्षी योजना है । इसके तहत शैक्षणिक सत्र 2025 -26 में अध्यनरत वर्ग 8 के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ी तथा अल्पसंख्यक छात्राओं के बीच निशुल्क साइकिल वितरण किया गया है।बताया कि साइकिल मिलने से बच्चों की उपस्थित अधिक होती है । उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वह समय पर अपने बच्चों को विद्यालय भेजें ताकि वह अच्छी शिक्षा प्राप्त कर उज्जवल भविष्य का निर्माण कर सकें। मौके पर विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष यशोदा देवी ,छोटेलाल प्रसाद मेहता, किशुन राम, रेखा देवी ,महादेव रविदास, प्रसादी राणा ,अजय कुमार के अलावे विद्यालय के सभी शिक्षक/ शिक्षिकाएं उपस्थित थे।

एनडीएमए टीम ने रामगढ़ में की आपदा प्रबंधन की समीक्षा बैठक

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए), नई दिल्ली की टीम ने शुक्रवार को रामगढ़ जिले का दौरा किया। टीम में सरोज कुजूर (अवर सचिव, सामान्य), डॉ. वसीम इकबाल (कंस्यूल्टेट डीएम) शामिल थे। टीम ने समाहरणालय सभागार में समीक्षा बैठक की। बैठक में जिला परिषद अध्यक्ष श्रीमती सुधा देवी, अपर समाहर्ता कुमारी गीतांजली, जिले के पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में डॉ. वसीम द्वारा राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण एवं जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के कार्यों को आपदा जोखिम न्यूनीकरण (डीआरआर) के दृष्टिकोण से विस्तारपूर्वक बताया गया। जिलों को आपदा तैयारी एवं रिस्पॉन्स सिस्टम मजबूत करने, राज्य एवं जिला आपदा प्रबंधन योजनाओं की समीक्षा एवं अद्यतन से संबंधित दिशा-निर्देश साझा किए गए। बैठक में जिला स्तर पर आपदा प्रबंधन की तैयारियों का आकलन किया गया तथा कई बिंदुओं पर विशेष चर्चा की गई। अर्ली वार्निंग एवं अर्ली एक्शन प्लान की स्थिति, अंतर-विभागीय समन्वय एवं सिविल-मिलिट्री कॉन्फ्रेंस, एसईओसी/जिला ईओसी की संरचना एवं कार्यप्रणाली एवं कम्युनिटी वॉलंटियर्स का प्रशिक्षण एवं सहभागिता पर विशेष बल दिया गया।

मिशन अनाथ आश्रम | इनरव्हील क्लब ने बच्चों की सुरक्षा को लेकर किया जागरूकता

अनाथ आश्रम के बच्चों को गुड टच और बैड टच की जानकारी दी गई

● बच्चों को बताया गया कि अगर कोई स्पर्श उन्हें असहज या असुरक्षित महसूस लगे तो उसे बैड टच कहा जाता है

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। बच्चों की सुरक्षा और जागरूकता को ध्यान में रखते हुए इनरव्हील क्लब रामगढ़ द्वारा 22 अगस्त को एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में ओंकार मिशन अनाथ आश्रम के बच्चों को सरल भाषा और रोचक तरीकों से गुड टच और बेड टच के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान क्लब की सदस्य श्वेता जैन और निधि चौधरी ने बताया कि बच्चों को यह समझाना आवश्यक है कि कौन सा स्पर्श सुरक्षित है और कौन सा असुरक्षित। बच्चों को बताया गया कि अगर कोई स्पर्श उन्हें असहज या असुरक्षित महसूस लगे तो उसे बेड टच कहा जाता है और ऐसे समय पर उन्हें तुरंत ना कहना चाहिए, जोर से आवाज उठानी चाहिए और भरोसेमंद व्यक्ति जैसे माता-पिता शिक्षक या अभिभावक को बताना चाहिए बच्चों को वीडियो कहानियां और संवादात्मक गतिविधियों के माध्यम से समझाया गया। जिससे वह आसानी से इस विषय को समझ पाए। इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष नमिता श्रॉफ ने कहा कि बच्चों को छोटी उम्र से हीआत्मरक्षा और अच्छे बुरे स्पर्श की पहचान सीखना आवश्यक है ताकि वह किसी भी स्थिति में खुद को सुरक्षित रख सके जिससे उनका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा। इस मौके परओंकार मिशन अनाथ आश्रम के बच्चों ने देश भक्ति भावना से भरपूर विषय जैसे स्वदेशी अपनाओ विदेशी भगाओ और कारगिल युद्ध पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। सभी प्रतिभागियों की प्रस्तुति ने सबका मन मोह लिया। इनर व्हील क्लब की तरफ से प्रतिभागियों को पुरस्कृत और सर्टिफिकेट दिया गया और सभी बच्चों के बीच में स्टेशनरी,खाने-पीने का सामान खेल सामग्री बांटी गई। ओंकार मिशन अनाथ आश्रम के शिक्षिकाएं नीतू नेगी, कुमारी अनीता, गीतादेवी ने पूर्ण सहयोग दिया। इस मौके पर क्लब की रेनू मेवाड़ जनेशा वडेरा,मेघा बगड़िया, नीरू साहनी,अनुराधा श्रॉफ,रंजू अग्रवाल, राजेंद्र बुढ़वाल, विजयालक्ष्मी आयंगर, जसमीत कौर, पिंकी पोद्दार नवलजीत कौर, गुरबक्श कौर, मधु अग्रवाल,हरमीतकौर नीतू अग्रवाल,जसप्रीत कौर आदि मौजूद थे।

न्यूज बॉक्स

20 बच्चों को दिया गया सहायक यंत्र 35 का हुआ दिव्यांगता जांच

बरकट्ठा। झारखंड शिक्षा परियोजना समावेशी शिक्षा के अन्तर्गत प्रखंड संसाधन केंद्र बरकट्ठा मे गुरुवार दोपहर को दिव्यांग बच्चों के लिए यंत्र वितरण सह जांच शिविर का आयोजन किया गया। जिसमे बर्ष 2024 का यंत्र वितरण किया गया एवं 2025 का जांच किया गया। कैम्प का आयोजन प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी प्रभाकर कुमार एवं बीपीएम धीरज शर्मा की देख रेख मे किया गया। साथ ही जिला प्रभारी लालीमा लकड़ा कार्यक्रम में मौजूद रही ।कार्यक्रम को सफल बनाने में रिसोर्स शिक्षक सदन साव, फिजियोथैरेपिस्ट मुकेश कुमार, बीआरसी कर्मी विनय कुमार,आसीफ अली, रुपलाल रविदास,संजय कुमार का सहयोग रहा। इसमे 35 बच्चों को जांच किया गया एवं 20 बच्चों को सहायक सामग्री वितरण किया गया। सहायक सामग्री पाकर बच्चे काफी खुश नजर आए।

हिंदू जागरण मंच की संगोष्ठी आज

रामगढ़। हिन्दू जागरण मंच संगठन के तहत पूरे देश में अखंड भारत स्मृति दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसी को लेकर रामगढ़ जिले के बिजुलिया तालाब रोड स्थित ब्रह्मऋषि धर्मशाला में एक संगोष्ठी का आयोजन 23 अगस्त को अपराह्न 3:00 बजे किया जा रहा है जिसमें हिन्दू जागरण मंच के प्रांत एवं जिले के पदाधिकारी मंचस्थ रहेंगे। उक्त बातों की जानकारी विज्ञप्ति के माध्यम से मंच के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष सत्यजीत चौधरी ने देते हुए बताया की देश के बंटवारे की विभीषिका को याद कर पूरा देश सिहर उठता है। उन्होंने कहा 15 अगस्त की स्वतन्त्रता एक छलावा और षड्यंत्र है स्वतन्त्रता के एक दिन पहले साक्षात देव भूमि हमारी मां भारती को सत्ता के भूखे भेड़ियों ने बांट डाला। हमारे से हमारी ही भूखंड छीन लिए गए भला हम उस घाव को कैसे भूल सकते हैं। हिन्दू जागरण मंच का संकल्प है हम अखंड भारत का सपना एक दिन हर हाल में साकार करेंगे और इसी अखंड भारत संकल्प के निमित्त हीं संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमे आप सभी महानुभावों की उपस्थित प्रार्थनीय है इसमें विभिन्न अतिथियों का संबोधन होगा।

ग्रीन बरही, क्लीन बरही की ओर कोनरा के युवाओं के बढ़ते कदम

बरही । सिमटते हरियाली व बढ़ते प्रदूषण को विराम देने के लक्ष्य के साथ कोनरा के युवाओं ने सार्थक कदम उठाए हैं। जियाडा इंडस्ट्रीयल क्षेत्र के मलवा, धूलकण व बढ़ते प्रदूषण से कोनरा सहित आस पास के क्षेत्र प्रभावित हुए हैं। जिसे अधिकाधिक पौधरोपण से नियंत्रण किया जा सकता है। इसी लक्ष्य के साथ कब्रिस्तान कमिटी व कोनरा के प्रबुद्धजनों ने पौधरोपण कार्यक्रम को लेकर के माध्यम से फलदार, इमारती व फूलदार पौधे लगाने का निर्णय लिया है। इसी उद्देश्य से कोनरा के युवा एकरामुल हक उर्फ सोनू अपने निजी कोष से आम, अमरूद व फूल के कुछ पौधे कब्रिस्तान कमिटी को उपलब्ध करवाया। जिसे कमिटी के सचिव रिजवान अली की अगुवाई में कोनरा के नवयुवक मो मंसूर, मुस्तकीम अली, साबिर अंसारी, शेरे अली आदि ने कब्रिस्तान क्षेत्र में लगाने का काम किया। उक्त जानकारी सचिव ने देते हुए आम लोग सहित फैक्ट्री प्रबंधन से अधिकाधिक वृक्षारोपण कार्य चलाने के अपील किया है।

बारिश से जन जीवन अस्त व्यस्त

रामगढ़ । जिले में शुक्रवार को दिनभर हुई बारिश से जन जीवन पूरी तरह अस्त व्यस्त रहा। दिनभर हुई बारिश से कारण अधिकतर लोगों ने घरों में रहना बेहतर समझा। जिस कारण सड़कों में लोगों की उपस्थिति कम रही। इस कारण चौक चौराहों में बिरानी छाई रही। इधर, बारिश से किसान इस बात को लेकर खुश हैं की लगातार हो रही बारिश से धान की फसल अच्छी होगी। लेकिन टमाटर आदि के लिए किसान इस बारिश को नुकसानदायक बता रहे हैं।

सड़क हादसे में वृद्ध की मौत

बरकट्ठा। थाना क्षेत्र के घंघरी स्थित जीटी रोड पर हुई सड़क हादसे में वृद्ध की मौत हो गई। घटना शुक्रवार लगभग चार बजे की है। मृतक की पहचान चुन्नूलाल मांझी 67 वर्ष, पिता बिष्णु मांझी ग्राम डुमरियाटांड के रूप की गई है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक मृतक दवा लेने घंघरी आया था। रोड़ पार करने के दौरान पिकअप वाहन जेएच 10 सीडब्ल्यू 0947 के चपेट में आ गया जिससे उनकी मौत घटनास्थल पर ही हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

तिलैया डैम के गेट खुलने व ग्रामीणों को सुरक्षित क्षेत्र में जाने को लेकर एसडीओ ने जारी किए निर्देश

बरही । लगातार हो रहे बारिश के कारण तिलैया डैम का जलस्तर बढ़ चुका है। जो खतरे के निशान से ऊपर चल रहा है। सुरक्षा की दृष्टि से शुक्रवार की रात्रि 9 बजे तिलैया बांध के गेट खोले जाएंगे. इससे इस क्षेत्र के समीपवर्ती क्षेत्र में रहने वाले लोगो के जान माल के क्षति होने की संभावना से है. इसे देखते हुए एसडीओ जोहन टुडू ने संबंधी क्षेत्र के लोगो को सुरक्षित अन्यत्र जाने के निर्देश दिए जाते है. इस संबध में एसडीओ जोहन टुडू ने बरही अनुमंडल क्षेत्र सभी अंचलाधिकारी व थाना प्रभारी को संबंधित क्षेत्र के निवासियों को तत्काल सूचना देते हुए अन्यत्र सुरक्षित स्थानांतरित करवाने का निर्देश दिया है।

सदर अस्पताल में हड्डी के दो सफल ऑपरेशन, मरीजों को मिली नई उम्मीद

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। उपायुक्त कंचन सिंह के निर्देश पर जिले के सदर अस्पताल में स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाया गया है। इसी क्रम में सदर अस्पताल में पहली बार लंबे अरसे बाद ऑर्थोपेडिक सर्जरी की शुरुआत हुई और शुक्रवार को दो मरीजों के सफल ऑपरेशन के बाद उन्हें डिस्चार्ज कर दिया गया। यह उपलब्धि सिमडेगा के लिए स्वास्थ्य क्षेत्र में एक नया अध्याय लेकर आई है।आमतौर पर हड्डी में गंभीर चोट या फ्रैक्चर होने की स्थिति में जिले के मरीजों को निजी अस्पतालों का रुख करना पड़ता था, जहां उन्हें महंगा इलाज करवाना पड़ता था। लेकिन अब सदर अस्पताल में यह सुविधा पूरी तरह निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही है। जिले के दूर-दराज के गरीब मरीजों के लिए यह किसी वरदान से कम नहीं है।सदर अस्पताल में हाल ही में हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. आनंद देव की नियुक्ति हुई है। उन्होंने अपनी इच्छा से सुदूरवर्ती जिले सिमडेगा को कार्यक्षेत्र के रूप में चुना। उनका कहना है कि

झारखंड सरकार ने उन्हें सेवा का अवसर दिया है और वे यहां के लोगों को बेहतर इलाज उपलब्ध कराने के लिए कृतसंकल्प हैं। डॉ. आनंद देव की नियुक्ति के साथ सिमडेगा में ऑर्थोपेडिक सर्जरी की सुविधा शुरू होना एक बड़ी उपलब्धि है।डॉ. आनंद देव की देखरेख में कोलेबिरा निवासी आदित्य सिंह और केरसई निवासी मेरी टेटे का सफल ऑपरेशन किया गया। दोनों मरीज ऑपरेशन के बाद स्वस्थ होकर घर लौटे और उन्होंने निःशुल्क इलाज के लिए प्रशासन एवं डॉक्टरों का आभार व्यक्त किया।इस सफलता में ऑर्थो डॉक्टर शीलवंत एक्का, एनेस्थीसिया विशेषज्ञ तथा ऑपरेशन टीम के अन्य सदस्यों की भी अहम भूमिका रही।इस मौके पर सिविल सर्जन ने जिलेवासियों से अपील की कि हड्डी से संबंधित किसी भी गंभीर समस्या में वे अब निजी अस्पतालों की बजाय सदर अस्पताल आएं, जहां पूरी तरह निःशुल्क सेवा उपलब्ध है।उपायुक्त कंचन सिंह का यह प्रयास स्वास्थ्य क्षेत्र में एक मील का पत्थर बनाया गया और आशा व्यक्त की कि आगे भी सदर अस्पताल में मरीजों को बेहतर सुविधाएं मिलती रहेंगी।

यात्री बस से 12 किलो से अधिक गांजा बरामद, दो तस्कर गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। पुलिस को बड़ी सफलता मिली जब गुप्त सूचना के आधार पर जिला पुलिस अधीक्षक एम. अर्शी के निर्देशन में और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सिमडेगा के नेतृत्व में गठित टीम ने खम्हनटांड़ चेकनाका, बांसजोर में वाहन जांच अभियान चलाया।पुलिस ने जानकारी दी कि गुरुवार दोपहर लगभग 3:45 बजे राउरकेला से सिमडेगा की ओर आ रही एक यात्री बस को रोका गया। चेकिंग के दौरान बस में सवार दो व्यक्तियों पर शक होने पर तलाशी ली गई। इनमें लालबाबू राय (पिता स्व. योगेन्द्र राय, उम्र 45 वर्ष, निवासी- सरदारगंज, थाना- मसरक, जिला- सारण, बिहार) और अमित कुमार (पिता राजकुमार राय, उम्र 29 वर्ष, निवासी- पंचखंडा, थाना- मसरक, जिला- सारण, बिहार) शामिल थे।तलाशी के क्रम में दोनों के पास रखे अलग-अलग बैग से कुल 12 पैकेटों में लगभग 12.322 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद किया गया। पुलिस ने मौके पर गांजा जब्त कर लिया और दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया।इस संबंध में जलडेगा बांसजोर थाना कांड संख्या 56/25, दिनांक 21.08.25 दर्ज की गई है। मामले में धारा 20 (b)(ii)(B) एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है।शुक्रवार को आयोजित प्रेस वार्ता में एसपी एम. अर्शी ने बताया कि जिले में नशा व तस्करी की रोकथाम के लिए पुलिस की टीम लगातार सक्रिय है। उन्होंने आम जनता से अपील की कि ऐसे मामलों की सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि समाज को नशे के दुष्प्रभाव से सुरक्षित रखा जा सके।

सिमडेगा पुलिस-जीएसटी की संयुक्त कार्रवाई 47 लाख का अवैध पान मसाला जब्त

सिमडेगा। जिला पुलिस और जीएसटी विभाग की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 47 लाख रुपये मूल्य का अवैध पान मसाला व अन्य सामान जब्त किया है। यह सामान ओडिशा की ओर से ट्रकों के माध्यम से परिवहन किया जा रहा था।जानकारी के अनुसार, टीम पिछले तीन दिनों से इस अवैध परिवहन की सूचना एकत्रित कर लगातार निगरानी में लगी हुई थी। योजनाबद्ध तरीके से की गई कार्रवाई में पिछले दो दिनों के दौरान दो ट्रक पकड़े गए, जिनसे भारी मात्रा में अवैध पान मसाला व अन्य सामग्री बरामद हुई। जब्त किए गए सभी सामानों को आगे की कार्रवाई के लिए जीएसटी विभाग को सुपुर्द कर दिया गया है।इस संबंध में पुलिस अधीक्षक एम. अर्शी ने अपने कार्यालय कक्ष में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अवैध कारोबार और तस्करी पर रोक लगाने के लिए जिला पुलिस पूरी तरह से सक्रिय है और आने वाले दिनों में भी इस तरह की कार्रवाई जारी रहेगी।एसपी ने जिलेवासियों से अपील की कि किसी भी अवैध गतिविधि की सूचना पुलिस को दें, ताकि समाज में शांति और कानून व्यवस्था बनी रहे।

जिले के सातों ग्रुप का ऑनलाइन लॉटरी परिणाम घोषित

सिमडेगा। सिमडेगा जिले में अंग्रेजी शराब के खुदरा बिक्री हेतु झारखंड सरकार के द्वारा ई-लॉटरी प्रक्रिया अपनाई गई थी जिसका सिमडेगा निक सभागार में एनआईसी में ऑनलाइन तरीके से संपन्न की गई में सातों ग्रुप का ऑनलाइन लॉटरी ड्रॉ शुक्रवार को संपन्न हुआ। विभिन्न ग्रुपों में प्रतिभागियों के नाम चयनित किए गए, जिनकी घोषणा क्रमशः की गई।ग्रुप संख्या एक में पहले स्थान पर अमनदीप सिंह अरविंदर सिंह भाटिया,ग्रुप संख्या दो में पहले स्थान पर चंद्रगुप्त साहू का चयन हुआ।,ग्रुप संख्या तीन में आदित्य कुमार वर्मा पहले स्थान पर रहे।,ग्रुप संख्या चार में संतोष कुमार राखूंडे का नाम निकला।ग्रुप संख्या पांच में प्रिंस चौक निवासी ममता साहू पहले स्थान पर चयनित हुईं।वही ग्रुप संख्या छह में सुधीर कुमार जायसवाल का लॉटरी निकला।वहीं ग्रुप संख्या सात में भी संतोष कुमार राखूंडे का नाम आया।अभी तक मिली जानकारी के अनुसार, सात ग्रुपों में से केवल एक ग्रुप में सिमडेगा जिले के एक आवेदक का लॉटरी निकला है।

केरसई में धूमधाम से मनाई गई भगवान कृष्ण जन्माष्टमी की छठी

केरसई। केरसई महिला मंडल के तत्वावधान में शुक्रवार को महावीर मंदिर प्रांगण में भगवान श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का छठी महोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। परंपरा के अनुसार, केरसई में जन्माष्टमी के छह दिन बाद यह आयोजन किया जाता है, जिसे स्थानीय लोग विशेष श्रद्धा और आस्था के साथ मनाते हैं।इस अवसर पर महिला मंडल की ओर से भजन-कीर्तन का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं और श्रद्धालु शामिल हुए। पूरे मंदिर परिसर में भक्ति गीतों और कीर्तन की गूंज से वातावरण आध्यात्मिक रंग में डूब गया।कार्यक्रम में परंपरागत रूप से 16 प्रकार के प्रसाद का भोग भगवान कृष्ण को अर्पित किया गया और श्रद्धालुओं के बीच वितरण किया गया।

न्यूज बॉक्स

सिमडेगा नगर भवन संत प्रवर विज्ञानदेव जी महाराज का होगा सत्संग

सिमडेगा। की धरती पर पहली बार विहंगम योग के संत प्रवर विज्ञानदेव जी महाराज का आगमन होने वाला है। सिमडेगा नगर भवन में आगामी 07 सितंबर को संध्या 06 बजे से 09 बजे तक संत प्रवर विज्ञानदेव जी महाराज का सत्संग कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। विहंगम योग संत समाज के द्वारा बताया गया कि आत्म जागरण से राष्ट्र जागरण का संदेश देने के लिए संत प्रवर विज्ञानदेव जी महाराज कश्मीर से कन्याकुमारी तक स्ववेंद संदेश यात्रा कर रहे हैं। इसी कड़ी में उनका आगमन 07 सितंबर को सिमडेगा में होगा। नगर भवन में 07 सितंबर को आयोजित सत्संग कार्यक्रम में संत प्रवर विज्ञानदेव जी महाराज की दिव्यवाणी, दर्शन सानिध्य के साथ उनके हाथों से प्रसाद प्राप्त करने का सौभाग्य सभी को मिलेगा। इस कार्यक्रम में समस्त सिमडेगा वासियों को आमंत्रित किया गया है।

बंधन बैंक सिमडेगा शाखा ने मनाया गया 10वां वार्षिकोत्सव

सिमडेगा। बंधन बैंक सिमडेगा शाखा ने शनिवार को अपना 10वाँ वार्षिकोत्सव बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया। कार्यक्रम की शुरुआत शाखा प्रबंधक राजगोपाल शर्मा, ऑपरेशन हेड उमेश महतो, कैशियर मोहित एवं बैंक खाताधारकों द्वारा संयुक्त रूप से केक काटकर की गई। इस अवसर पर बैंक की विभिन्न योजनाओं एवं सुविधाओं की जानकारी दी गई और आम लोगों, निवेशकों तथा व्यापारियों से बैंक से जुड़ने का आग्रह किया गया।कार्यक्रम में विशेष अतिथियों और ग्राहकों की उपस्थिति ने उत्सव को और भी खास बना दिया। शाखा प्रबंधक ने बताया कि बंधन बैंक की स्थापना आज से 10 वर्ष पूर्व हुई थी और अल्प समय में यह देश के फास्टेस्ट ग्रोइंग बैंक के रूप में उभरा है। यह उपलब्धि किसी भी वित्तीय संस्थान के लिए गर्व का विषय है।सिमडेगा शाखा ने मात्र दो वर्षों के कार्यकाल में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए ग्राहकों का विश्वास जीता है और अन्य बैंकों की तुलना में बेहतर ग्राहक आधार तैयार किया है।कार्यक्रम के अंत में शाखा प्रबंधक ने सभी ग्राहकों, आमंत्रित अतिथियों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया और बैंक के साथ निरंतर जुड़े रहने की अपील की।

सिमडेगा में वरिष्ठ नागरिक दिवस पर वृद्धाश्रम में सम्मान समारोह

सिमडेगा। अंतरराष्ट्रीय वरिष्ठ नागरिक दिवस के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा वृद्धाश्रम में एक कार्यक्रम आयोजन किया गया। जिसमें प्राधिकार के अध्यक्ष सह प्रधान जिला जज राजीव कुमार सिन्हा,एडीजे नरंजन सिंह,प्राधिकार सचिव मरियम हेमरोम आदि उपस्थित थे। प्रधान जिला जज ने बुजुर्गों को संबोधित करते हुए कहा कि परिवार में बुजुर्गों की सेवा और सम्मान करने की भावना ही असली संस्कार है। हम ऐसे व्यवहार करेंगे,तभी हमारे बच्चे भी हमें सम्मान देंगे। उन्होंने वृद्धाश्रम की परंपरा पर टिप्पणी की और कहा कि बुजुर्गों का परिवार से अलग होना एक विदेशी संस्कृति की प्रतीक है, जिसे बढ़ावा देना गलत है। सचिव मरियम हेमरोम ने कि वृद्धों की सेवा करने से बड़े पुण्य का फल मिलता है।उन्होंने कहा कि सरकार ने भरण-पोषण अधिनियम लागू किया हुआ है,जिसके तहत बुजुर्गों की देखभाल न करने पर उनकी संतान पर दण्डात्मक कार्रवाई हो सकती है। मौके पर अधिकारियों ने बुजुर्गों को आश्वासन दिया कि उनकी समस्याएं दूर करने की पहल जारी है। उन्होंने आश्रम में कार्य करने वाले लोगों की सराहना की। मौके पर आश्रम में रह रहे बुजुर्गों के बीच फल आदि का वितरण किया गया। साथ ही अधिकारियों ने सभी बुजुर्गों को बुके देकर और शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में कई लोग उपस्थित थे।

आदिकला मंच सिमडेगा में चांवर पाइका नृत्य प्रशिक्षण संपन्न

कोलेबिरा। कला संस्कृति निदेशालय झारखंड रांची, पर्यटन कला, संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग की झारखंड सांस्कृतिक संस्थाओं को वित्तीय सहायता अनुदान योजना अंतर्गत नवाटोली कॉलोनी में पिछले 15 दिनों से चल रहा झारखंड की प्रसिद्ध लोकनृत्य शैली चांवर पाइका का प्रशिक्षण रविवार को संपन्न हुआ।इस प्रशिक्षण का आयोजन जिला की सांस्कृतिक संस्था आदिकला मंच सिमडेगा द्वारा किया गया। प्रशिक्षण अवधि में कुल 19 नए प्रतिभागियों ने पाइका नृत्य एवं इसके पारंपरिक संगीत का अभ्यास किया। नृत्य गुरु बनफूल नायक ने प्रतिभागियों को नृत्य व संगीत की विशेषताओं से अवगत कराया। वहीं संगीत का प्रशिक्षण सचिन नायक, आकाश नायक, छोटू नायक और सीताराम नायक ने दिया। नृत्य की बारीकियां विष्णु लोहारा, छोटू नायक, चन्दन नायक, गोपाल नायक, राजू नायक, कारमू नायक, चंदा नायक, रितेश कुमार लोहारा, सूरज इंदवार, पंकज लोहारा, रोहित कुमार लोहारा, राज नायक और कासिम बागे सहित अन्य प्रतिभागियों ने सीखा।समापन अवसर पर मुख्य अतिथि जिप सदस्य रोज प्रतिमा सोरेंग तथा विशिष्ट अतिथि प्रखण्ड विकास पदाधिकारी कोलेबिरा, श्यामलाल प्रसाद उपस्थित रहे। अतिथियों ने बच्चों द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि पारंपरिक नृत्य झारखंड की सांस्कृतिक धरोहर है और नई पीढ़ी को इसे सीखना गर्व की बात है।

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम फुटबॉल टूर्नामेंट ट्राई ब्रेकर में टाइगर सेमीफाइनल में

नवीन मेल संवाददाता

ठेठईटांगर। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम अंतरराज्यीय नॉकआउट फुटबॉल टूर्नामेंट सीजन-4 के पहले क्वार्टर फाइनल मुकाबले में रोमांचक खेल देखने को मिला। यह मुकाबला सिमडेगा टाइगर और लोडेड गन रांची के बीच खेला गया। निर्धारित समय तक दोनों टीमें बराबरी पर रहीं, जिसके बाद परिणाम ट्राई ब्रेकर से तय हुआ। सिमडेगा टाइगर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए लोडेड गन रांची को 4–2 से मात देकर सेमीफाइनल में जगह बना ली।इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में ठेठईटांगर प्रखंड की प्रखंड विकास पदाधिकारी नूतन मिंज उपस्थित रहीं। उनका स्वागत टूर्नामेंट के उपाध्यक्ष पिंटू कुमार सिंह ने गुलदस्ता भेंटकर किया। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में ठेठईटांगर थाना प्रभारी रमेश कुमार झा मौजूद रहे, जिनका स्वागत खेल प्रभारी मो. हाशिम ने किया।टूर्नामेंट को सफल बनाने में आयोजक मुमताज आलम, प्रखंड प्रमुख बिपिन पंकज मिंज, अध्यक्ष मो. कयूम, कोषाध्यक्ष नरेंद्र बड़ाईक, सचिव अशफाक आलम, उपाध्यक्ष पिंटू कुमार सिंह, मो. तबरेज आलम, संजय प्रसाद, उपसचिव असजद अफरीदी, मीडिया प्रभारी अभिषेक बिश्वास, अकीफ अफरीदी, खेल प्रभारी राजा आलम, वसीम सिद्दीकी, मो. हाशिम तथा मंच संचालन श्याम सुन्दर मिश्रा द्वारा सराहनीय भूमिका निभाई जा रही है।टूर्नामेंट का अगला क्वार्टर फाइनल मुकाबला 23 अगस्त, शनिवार को दोपहर 3:00 बजे ठेठईटांगर प्रखंड मैदान में खेला जाएगा, जिसमें आशीष ब्रदर्स (ओडिशा) और अजसल फुटबॉल क्लब (केरल) आमने-सामने होंगे।

लचरागढ़ में शक्ति संघ दुर्गा पूजा समिति की बैठक

पुनर्गठन के साथ महोत्सव की रुपरेखा तय

नवीन मेल संवाददाता

कोलेबिरा। कोलेबिरा प्रखण्ड क्षेत्र के लचरागढ़ स्थित बहुउद्देशीय भवन में शक्ति संघ दुर्गा पूजा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता संजू साहू ने की। इस अवसर पर समिति के सभी पदाधिकारी एवं सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि इस वर्ष दुर्गा पूजा महोत्सव बड़े ही धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। समिति ने बताया कि आगामी 1 अक्टूबर, बुधवार को महानवमी के अवसर पर प्रिंस चौक, लचरागढ़ में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इसमें पवन पंकज म्यूजिकल बैंड ग्रुप अपनी शानदार प्रस्तुति देगा। साथ ही बच्चों के बीच नृत्य प्रतियोगिता भी कराई जाएगी, ताकि स्थानीय प्रतिभाओं को मंच मिल सके।बैठक में समिति का पुनर्गठन भी किया गया। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों में विनित पंडा को अध्यक्ष, संजय द्विवेदी एवं अनिल काशी को उपाध्यक्ष, प्रवीण साहू को सचिव, विशाल पंडा को सह सचिव तथा संजू साहू को कोषाध्यक्ष बनाया गया। अनुज कुमार साहू मीडिया प्रभारी नियुक्त किए गए, जबकि सुरेश द्विवेदी, सुदामा, आशीष साहू (चीकू), बसंत साहू, राजकुमार साहू, कुलेश सिंह और वरुण द्विवेदी को संरक्षक की जिम्मेदारी सौंपी गई। इसके अतिरिक्त अमित पंडा, ललन पंडा, आशीष साहू, सुमित पंडा, अजित साहू, सुजित साहू, रोहित सिंह, तुलेश्वर सिंह, सुनिल मांझी, विक्रम पंडा, उबोध साहू, विवेक सिंह, विरेन्द्र सिंह, पवन साहू, राहुल साहू, अंकित साव, महेश सिंह और आनंद सिंह समेत दर्जनों सदस्य उपस्थित रहे।

दुर्गा पूजा समिति की बैठक हुई संपन्न राम अवतार अग्रवाल बनाए गए अध्यक्ष

नवीन मेल संवाददाता

जलडेगा। जलडेगा दुर्गा पूजा समिति की बैठक दुर्गा मंदिर में रामावतार अग्रवाल की अध्यक्षता में आयोजित किया गया, बैठक में सर्वसम्मति से श्री दुर्गा पूजा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी विधि विधान के साथ मनाने का निर्णय लिया गया एवं श्री दुर्गा पूजा समिति का पुनर्गठन किया गया, जिसमें अध्यक्ष पुनः रामावतार अग्रवाल बनाए गए, वही उपाध्यक्ष सुबास साहु,सचिव अघना खड़िया,उप सचिव संतोष सिंह, कोषाध्यक्ष पन्ना साहु,सह कोषाध्यक्ष बसंत साहु तथा कार्यकारिणी समिति में मोतीलाल ओहदार, जसवंत साहु,अमित गोयल,राजेश अग्रवाल, महाप्रसाद सिंह,संजय अग्रवाल,दिनेश साहू,विनोद साहु, नंदकिशोर सिंह, त्रिलोक साहू, विपुल प्रसाद,कमल अग्रवाल, कृष्णा साहु,दिलीप साहु,आशिष साहु, आलोक साहु,आकाश साहु,पंकज साहु आदि लोगों को शामिल किया गया तथा संरक्षक के रूप में महेश साहु,हेमशरण सिंह, विश्वनाथ साहु तथा नरेश गोयल बनाएं गये, बैठक में पुजा समिति के पुनर्गठन उपरान्त दुर्गा पुजा 22 सितम्बर को सुबह कलश यात्रा के साथ दुर्गा पूजा का शुभारंभ करने का निर्णय लिया गया तथा 2 अक्टूबर को विजयादशमी पर्व मनाने का निर्णय लिया गया, बैठक में मंदिर का रंग रोगण,रावण कुंभकर्ण का पुतला निर्माण,पंडाल निर्माण, पुरोहित,प्रसाद ,चंदा, होने वाले कार्यक्रमों, दुर्गा पूजा लाइसेंस नवीनीकरण सहित पुजा के सफलतम आयोजन को लेकर सभी विषयों पर चर्चा की गई एवं समिति के लोगों को जिम्मेदारी भी दी गई तथा अगला बैठक 4 सितंबर को संध्या 8 बजे से दुर्गा मंदिर में आयोजित करने का निर्णय लिया गया, बैठक में जयंती देवी, धनेश्वर साहु, महाप्रसाद सिंह, अरूण कुमार मिश्रा, चन्दन मिश्रा,सोनु कुमार अग्रवाल,राजु साहु,ढोलो सिंह,राजेश अग्रवाल, जसवंत साहु,नरेश अग्रवाल सहित कई लोग मौजूद रहे।।

महोत्सव | सिमडेगा में धूमधाम से मनाया गया भाद्र अमावस्या महोत्सव

151 महिलाओं ने किया मंगल पाठ में श्रद्धापूर्वक भाग

- **भाद्र अमावस्या के अवसर पर नारायणी सेवा समिति का आयोजन**

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। सिमडेगा में नारायणी सेवा समिति द्वारा भाद्र अमावस्या के अवसर पर शुक्रवार को आनंद भवन में श्री रानी सती दादी जी का मंगल पाठ का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 151 महिलाओं ने भाग लिया और दादी जी की पूजा-अर्चना की। मंगल पाठ से पूर्व श्री रानी सती दादी जी का विधि विधान से वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ पूजन किया गया। इस अवसर पर अखंड ज्योत जलाई गई और छप्पन भोग लगाया गया। पूजन कार्यक्रम आचार्य वासुदेव गौतम और यजमान निशांत बंसल, राधा बंसल ने संपन्न कराया। महोत्सव में आयोजित मंगल पाठ में कलाकारों एक से एक बढ़कर एक भजन गाये जिसे सुनकर दादी के दरबार मे श्रोता झुमने लगे। मंगल पाठ का वाचन गायिका वैशाली शर्मा द्वारा किया गया। मंगल पाठ कार्यक्रम लगभग 3 घंटे तक चला समारोह में रानी सती दादी का भव्य दरबार सजाया गया था। महोत्सव में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया और दादी जी आशीर्वाद ले प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्य रूप से पवन जैन, प्रदीप शर्मा, राजेंद्र मित्तल, रजनीश चांदीवाला, संजय शर्मा, पिंकुल मातनहेलिया के अलावा अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। महोत्सव के आयोजन में श्री रानी सती सेवा समिति के सदस्यों का योगदान रहा।

आने वाली पीढ़ियों के भविष्य की मजबूत नींव बनेगा केतुंगाधाम

बानो। बानो प्रखंड स्थित सरस्वती शिशु-विद्या मंदिर केतुंगाधाम में गुरुवार को संकुल प्रमुख संतोष दास का हुआ आगमन। बच्चों को शिक्षा के गुर सिखाते हुए कुछ महत्वपूर्ण निर्देश उन्होंने दिया। उन्होंने वंदना -सभा में शामिल हो कर के भैया -बहनों को शिक्षा,संस्कार और अनुशासन के संबंध में निर्देश दिए।बाद में किशोर भारती के भैया -बहनों से बैठक कर उन्हें कर्तव्य बोध कराया। प्रधानाचार्य से बैठ कर विद्यालय के समस्त कार्यों को अच्छे ढंग से संपादित करने के संबंध में दिए निर्देश। अंतिम में आचार्यों के साथ बैठक कर पठन- पाठन,पाठ - योजना, समय, वेश ,अभिभावक संपर्क अनुशासन आदि पर उन्होंने मार्गदर्शन किया।

खेलगांव में राष्ट्रीय कुश्ती 2025 का हुआ उद्घाटन

नवीन मेल संवाददाता

रांची। खेल कूद एवं युवा कार्य विभाग के सहयोग से झारखंड राज्य कुश्ती संघ द्वारा 22 से 24 अगस्त तक गणपत राय इंडोर स्टेडियम खेल गांव होटवारमें आयोजित अंडर 23 सीनियर पुरुष फ्री स्टाईल,ग्रीको रोमन स्टाईल एवम महिला राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता 2025 के उद्घाटन के मुख्य अतिथि खेल मंत्री सुदिव्य कुमार, साथ में भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष संजय कुमार सिंह, हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह,भारतीय कुश्ती संघ के कोषाध्यक्ष देशवाल,और झारखंड राज्य कुश्ती संघ के महासचिव रजनीश कुमार ने संयुक्त रूप से भगवान श्री बजरंगबली की पूजा याचना कर प्रतियोगिता की सफलता की कामना के तत्पश्चात भारतीय कुश्ती महासंघ एवम झारखंड राज्य कुश्ती संघ के झंडे को झंडोतोलोंन कर, तथा खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर प्रतियोगिता का विधिवत उद्घाटन किया ।इस कुश्ती प्रतियोगिता में विभिन्न राज्यों से कुल 850 कुश्ती खिलाडी भाग ले रहे हैं जिसमे आज फ्री स्टाइल पुरुष वर्ग के 10 स्वर्ण, 10 रजत और 20 कांस्य पदक के लिए महामुकाबले की शुरूआत हुई । आयोजन को सफल बनाने में मुख्य रूप से झारखंड राज्य कुश्ती संघ के उपाध्यक्ष अमरनाथ सिंह, कोषाध्यक्ष बबलू कुमार, हॉकी झारखंड महासचिव विजय शंकर सिंह ,राजीव रंजन, विभिन्न जिला के अध्यक्ष सचिव सुनिल सिंह, संदीप कुमार, महादेव उराव, अजित भगत, सुरेश कुमार, युगल किशोर, एवं अन्य पदाधिकारी विशेष रूप से मौजूद रहे ।

एनएसडी पर मेजर ध्यानचंद को दी जाएगी श्रद्धांजलि

रांची। हॉकी इंडिया को युवा मामले एवं खेल मंत्रालय से राष्ट्रीय खेल दिवस (एनएसडी) 2025 के आयोजन को लेकर राज्य इकाई को पत्र जारी किया है। इस वर्ष के आयोजन को एक अखिल भारतीय अभियान के रूप में देखा जा रहा है ताकि सभी आयु वर्ग के प्रत्येक नागरिक को कम से कम एक खेल में सक्रिय रूप से भाग लेने और फिटनेस को जीवनशैली के रूप में अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। इस अभियान का उद्देश्य भारत की समृद्ध खेल विरासत का जश्न मनाना और मेजर ध्यानचंद को श्रद्धांजलि अर्पित करना, मनोरंजक और प्रतिस्पर्धी खेलों के माध्यम से शारीरिक गतिविधि, समावेशिता और टीम भावना को बढ़ावा देना और शैक्षणिक संस्थानों, संगठनों और स्थानीय समुदायों में फिटनेस की संस्कृति को प्रेरित करना है। इस आयोजन के प्रारूप में 29 से 31 अगस्त 2025 के बीच गतिविधियां शामिल होंगी। 29 अगस्त को, सभी संस्थानों को एक खेल सभा का आयोजन करना है जहां छात्र मेजर ध्यानचंद को श्रद्धांजलि देंगे और फिटनेस और खेल के प्रति संकल्प लेंगे।

श्रीनाथ पब्लिक स्कूल छात्रों ने सीएसआईआर-एनएमएल का किया भ्रमण

नवीन मेल संवाददाता

जमशेदपुर। सीएसआईआर-राष्ट्रीय धातुकर्म प्रयोगशाला (एनएमएल), जमशेदपुर में सीएसआईआर-जिज्ञासा वर्चुअल प्रयोगशाला परियोजना के अंतर्गत श्रीनाथ पब्लिक स्कूल, जमशेदपुर के 54 छात्र-छात्राओं और 2 शिक्षकों के लिए एक विशेष प्रयोगशाला भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों में वैज्ञानिक जागरूकता बढ़ाना और उन्हें अनुसंधान एवं नवाचार की दुनिया से परिचित कराना था। कार्यक्रम की शुरूआत एक उद्घाटन समारोह से हुई। उद्घाटन कार्यक्रम में डॉ. संदीप घोष चौधरी, निदेशक, सीएसआईआर-एनएमएल ने सभी उपस्थित छात्रों और शिक्षकों का स्वागत किया और सीएसआईआर-एनएमएल की 75 वर्षों की गौरवशाली यात्रा, तकनीकी विकास और अनुसंधान में योगदान की जानकारी दी। इसके पश्चात डॉ. सर्मिष्ठा सागर) ने सीएसआईआर-एनएमएल की भूमिका और इसके अनुसंधान एवं विकास कार्यों की महत्ता पर प्रकाश डाला। इसके बाद डॉ. अनीमेष जाना, वरिष्ठ वैज्ञानिक, आईएमडीसी ने जिज्ञासा कार्यक्रम के उद्देश्यों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों में वैज्ञानिक जिज्ञासा को प्रोत्साहित करना और वैज्ञानिकों तथा युवा प्रतिभाओं के बीच एक मजबूत संबंध स्थापित करना है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत छात्रों ने कई अनुसंधान प्रयोगशालाओं का दौरा किया, जिनमें अप्लाइड एवं एनालिटिकल केमिस्ट्री डिवीजन, क्रीप परीक्षण सुविधा, धातुओं की नॉन-डिस्ट्रक्टिव टेस्टिंग, ई-वेस्ट रीसायक्लिंग, पीतल गलाने की प्रक्रिया तथा डू इट योरसेल्फ किट का प्रदर्शन शामिल था। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन एवं सभी प्रतिभागियों के समूह चित्र के साथ हुआ। कुल मिलाकर, छात्रों और शिक्षकों ने इस प्रयोगशाला भ्रमण और अनुसंधान गतिविधियों के प्रदर्शन को अत्यंत ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक अनुभव बताया, और इस कार्यक्रम से प्राप्त जानकारी को अत्यंत उपयोगी बताया।

कोडरमा पुलिस ने गुमशुदा मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक

कोडरमा। जिले में चोरी एवं गुमशुदा मोबाइल फोन की बरामदगी के लिए ऑपरेशन मुस्कान के लिए रतिभान सिंह, पुलिस उपाधीक्षक (मु0), कोडरमा के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। इस अभियान के अंतर्गत गठित टीम द्वारा जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों चोरी एवं गुमशुदा मोबाईल के शिकायतों के आधार पर गठिव टीम ने प्राप्त सूचना, तकनिकी का उपयोग एवं अथक प्रयासों का परिणाम यह रहा कि कुल 21 चोरी एवं गुमशुदा मोबाइल फोन सफलतापूर्वक बरामद किए गए । बरामद मोबाइल फोन को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आयोजित एक समारोह में उनके वास्तविक मालिकों को सौंपा गया। जैसे ही मालिकों को उनका मोबाइल वापस मिला, उनके चेहरे पर प्रसन्नता और संतोष साफ झलक उठा। कई लोगों ने कहा कि उन्होंने अब उम्मीद छोड़ दी थी।

यात्री बस और बाइक में टक्कर बाइक सवार दो लोगों की मौत

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। झारखण्ड के लातेहार जिले के मनिका थाना क्षेत्र अंतर्गत देवबार मोड़ के पास एनएच 39 पर एक यात्री बस और मोटरसाइकिल की आमने-सामने की टक्कर हो गई। इस घटना में मोटरसाइकिल सवार दो लोगों की मौत हो गई। मृतकों की स्पष्ट पहचान नहीं हो पाई है। लेकिन मृतकों में से एक के पास ड्राइविंग लाइसेंस मिला है, जो अब्दुल हसीम सरवर के नाम पर है। ड्राइविंग लाइसेंस धारक उत्तर प्रदेश के नोएडा का रहने वाला बताया जा रहा है। घटना की सूचना मिलने के बाद थाना प्रभारी शशि कुमार मौके पर पहुंचे और दोनों मृतकों की पहचान करने की कोशिश कर रहे हैं।

दरअसल, बुलेट मोटरसाइकिल पर सवार दो लोग कहीं जा रहे थे। इसी दौरान देवबार मोड़ के पास मोटरसाइकिल की सामने से आ रही एक यात्री बस से आमने-सामने की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि मोटरसाइकिल बस के साथ कई फीट तक घसीटती चली गई। इस घटना में

मोटरसाइकिल सवार दोनों लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

इधर, घटना की जानकारी मिलने के बाद वहां से गुजर रहे कुछ लोगों ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलने के बाद थाना प्रभारी शशि कुमार के नेतृत्व में पुलिस की एक टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची। हालांकि, मोटरसाइकिल सवार दोनों लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। थाना प्रभारी शशि कुमार ने बताया कि पुलिस मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए लातेहार सदर अस्पताल भेज रही है। मृतकों की पहचान की पुष्टि के भी प्रयास किए जा रहे हैं। बता दें कि राष्ट्रीय राजमार्ग 39 पर स्थित मनिका थाना क्षेत्र के देवबार मोड के पास की सड़क बेहद खतरनाक है। घुमावदार मोड़ होने के कारण सामने से आने वाले वाहनों का पता नहीं चल पाता। वाहनों की गति बढ़ने से यहां अक्सर दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। हर महीने इस जगह पर कोई न कोई दुर्घटना जरूर होती है। हालांकि, जिला प्रशासन द्वारा इस जगह को ब्लैक स्पॉट के रूप में भी चिह्नित किया गया है। इसके बावजूद यहां अक्सर सड़क दुर्घटनाएं होती रहती हैं।

डीडीसी ने जेएसएलपीएस के कार्यों की समीक्षा की

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। जिला प्रशासन की ओर से झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसायटी (जेएसएलपीएस) के कार्यों की समीक्षा हेतु एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता उप विकास आयुक्त (डीडीसी) द्वारा की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य जिले में संचालित आजीविका गतिविधियों की प्रगति की समीक्षा करना, विभिन्न डोमेन से संबंधित लक्ष्यों की पूर्ति का आकलन करना तथा वर्तमान में चल रही योजनाओं से संबंधित चुनौतियों और समाधान पर चर्चा करना था। डीडीसी ने बैठक की शुरुआत करते हुए कहा कि जेएसएलपीएस की सभी योजनाएँ ग्रामीण आजीविका को सशक्त करने, महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और सामूहिक संगठनों को मजबूत करने के उद्देश्य से लागू की जा रही हैं। अतः इन योजनाओं की नियमित समीक्षा एवं मूल्यांकन आवश्यक है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि लक्ष्यों की प्राप्ति समय पर और गुणवत्तापूर्ण ढंग से हो रही है। उन्होंने कहा कि हर प्रखंड और हर ब्लॉक स्तर पर टीम भावना और पारदर्शिता के साथ कार्य करना ही संगठन की सफलता की कुंजी है।

बैठक में सर्वप्रथम मासिक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। इसमें जिले के सभी प्रखंडों की प्रगति को डोमेन-वार और संकेतक-वार आधार पर दर्शाया गया था।

झारखंड सीनियर योग प्रतियोगिता 24 को

रांची। झारखंड योग संघ के तत्वावधान में रविवार 24 अगस्त को एक दिवसीय झारखंड राज्य सीनियर योगासन स्पोर्ट्स चैंपियनशिप का आयोजन श्री अरविंदो सोसायटी हेसल ब्रांच में किया जा रहा है। संघ के महासचिव आदित्य कुमार सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता में 18 वर्ष से अधिक उम्र के प्रतिभागी भाग लेंगे। प्रतियोगिता के आधार पर झारखंड योग टीम का गठन किया जाएगा। जो चयनित टीम आगामी 9 से 12 अक्टूबर तक मैसूर में आयोजित 50 वीं राष्ट्रीय सीनियर योग प्रतियोगिता में भाग लेंगी। श्री सिंह ने बताया कि रविवार को प्रतियोगिता का शुभारंभ पूर्वाह्न 11 बजे से किया जायेगा एवं समापन सह पुरस्कार वितरण समारोह तीन बजे से किया जायेगा।

डबल म्यूटेशन मामलों की हो रही है छानबीन

रांची। ऑनलाइन डाटा एंट्री संबंधी त्रुटियों की शिकायतों के त्वरित निवारण के लिए राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग काम कर रहा है। इससे पूर्व एक ही जमीन की दो या ज्यादा बार रजिस्ट्री और दाखिल खारिज होने की शिकायत की गई है उसकी छानबीन की जा रही है। ऐसे मामले आने पर एलआरडीसी के पास शिकायतें जाती है और समस्या का समाधान होता है। इससे ऊपर उपायुक्त स्तर पर भी समाधान प्राप्त होता है। अब ऐसी व्यवस्था बनाई जा रही है कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृति न हो। उच्चपदस्थ सूत्रों के अनुसार शिविर लगाकर शिकायतों के निवारण की प्रक्रिया चलती रहेगी। उल्लेखनीय है कि इन समस्याओं पर राष्ट्रीय नवीन मेल दैनिक समाचार पत्र ने कई समाचार प्रकाशित किए थे।

तिलैया डैम का छोड़ा गया पानी

बरही । तिलैया डैम के जलस्तर बढ़ने से खतरा बढ़ता जा रहा था. पानी खतरे की निशान को छू गया था। इसे देखते हुए कोडरमा - बरही प्रशासन के संयुक्त तत्वाधान में देर रात्रि 9 बजे तिलैया बांध पर बने फाटक खोलकर पानी का स्तर समायोजित किया गया। इस दौरान तिलैया व बरही का प्रशासन मौजूद रहा. तिलैया प्रशासन की ओर से डीडीसी पूनम कुजूर, बरही एसडीओ जोहान टुडू, बरही सीओ चंद्रशेखर सहित कई लोग मौजूद थे। आम लोगो से प्रशासनिक अधिकारियों की अपील" खतरे की निशान को देखते हुए कोडरमा और बरही प्रशासन ने आम लोगो को नदी क्षेत्र में जाने से मनाही किया है. इसके साथ हीं मछुआरों को भी नदी में उतरने से मनाही की है।

लक्ष्मी नारायण ठाकुर बाड़ी मंदिर में धूमधाम से मनाया गया श्रीकृष्ण छठी उत्सव

लोहरदगा। नगर परिषद क्षेत्र के अग्रवाल मुहल्ला स्थित लक्ष्मी नारायण ठाकुरबाड़ी मंदिर परिसर में भगवान श्रीकृष्ण का छठी उत्सव श्रद्धा और भक्ति भाव से मनाया गया। इस अवसर पर आयोजक दिनेश कुमार इंद्र गुरु द्वारा मंदिर को भव्य रूप से सजाया गया था। पूजा-अर्चना के क्रम में भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप का विधिवत पूजन पुजारी दिनेश कुमार इंद्र गुरु ने किया। भक्तों के लिए मंदिर प्रांगण में झूला भी सजाया गया, जहां दर्शन के लिए भीड़ उमड़ पड़ी। पूजा के उपरांत भजन-कीर्तन का कार्यक्रम शुरू हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत गायक गुप्तेश्वर नाथ सिंह (ब्यास) ने गणेश वंदना से की। नाल पर दिनेश कुमार इंद्र गुरु, बैंजो पर अरविंद पांडेय, ताशा पर बजरंग साहू और हारमोनियम पर पारस कुमार ने संगत दी। गणेश वंदना के बाद गायक धनंजय पांडेय और गुप्तेश्वर नाथ सिंह द्वारा प्रस्तुत भजनों पर श्रद्धालु भावविभोर होकर झूमते नजर आए। अंत में आरती और प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। यह परंपरा हर वर्ष ठाकुर बाड़ी मंदिर में धूमधाम से निभायी जाती है। मौके पर कीर्तन मंडली के संचालक उमेश कुमार मिश्रा, विश्वनाथ सिंह, रामनाथ काश्यकार उर्फ रामु, शिवप्रसाद काश्यकार, श्रीकांत प्रमाणिक, हरेकृष्णा कांदु, शिशिर साहू सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

भादि अमावस्या पर राणी सती दादी जी का महोत्सव धूमधाम से मनाया गया

लोहरदगा। निर्माणाधीन श्री राणी सती दादी मंदिर परिसर गुदरी बाजार में भादि अमावस्या पर राणी सती दादी जी का महोत्सव धूमधाम एवं हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया। श्री रानी सती दादी जी का भव्य दरबार सजाया गया एवं दादी जी को अलौकिक श्रृंगार की करते हुए विभिन्न प्रकार के व्यंजनों से भोग लगाया गया। दोपहर 3:00 बजे से 4 घंटे तक समाज की 101 महिलाओं के द्वारा अपने राजस्थानी वेशभूषा पहन कर मंगला पाठ करते हुए दादी जी के मनमोहन भजनें गाएं। दादी जी का दुपट्टा को एक दूसरे को ओडाक़र काफी झूमे। इस भक्ति कार्यक्रम से सारा वातावरण भक्तिमय हो उठा। सभी महिलाओं ने एक दूसरे को गुलाल लगायें एवं सभी को श्रृंगार के समान दिया गया। उसके उपरांत रात्रि में बाहर से आ रहे भगवती जागरण मंडली रांची एवं रामगढ़ के द्वारा भाव भक्ति भजन जागरण की जाएगी। मंगला पाठ में,शकुंतला राजगढ़िया,ममता बंका,कल्याणी पोद्दार,अनीता पोद्दार,सत्यभामा राजगढ़िया,अनीता पोद्दार,मंजुला केडिया,रितु शर्मा,अंजली सराफ,दीपा पोद्दार,शिल्पी पोद्दार,रश्मि अग्रवाल, श्वेता मित्तल,रेखा मोदी,मंजू सर्राफ,सीमा पोद्दार रंजना अग्रवाल,रखिया पोद्दार,अंकिता बंका,रिशु पोद्दार,रेखा मोदी,स्मृता पोद्दार,उषा पोद्दार,रानू पोद्दार,आशा पोद्दार,मोनिका पोद्दार,मंजू पोद्दार,वर्षा पोद्दार,मंजू मोदी,रखिया पोद्दार,आकांक्षा सर्राफ,नीतू पोद्दार,मीनू राजगढ़िया,जयप्रकाश शर्मा,रामप्रकाश मोदी,प्रतीक पोद्दार,रितेश बंका,अतुल सराफ आदि लगे हुए हैं।

आदि कर्मयोगी अभियान अंतर्गत जिला प्रक्रिया प्रयोगशाला प्रशिक्षण का शुभारंभ

गुमला। आदि कर्मयोगी अभियान (ए.के.ए.) के तहत जिला प्रक्रिया प्रयोगशाला प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ आज दिनांक 22 अगस्त 2025 को होटल जयपुर, लोहरदगा रोड, गुमला में किया गया। यह प्रशिक्षण 24 अगस्त 2025 तक आयोजित होगा। उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित के निर्देशानुसार कार्यक्रम का उद्घाटन उप विकास आयुक्त दिलेश्वर महतो ने किया। इससे पूर्व समाहरणालय सभागार में जिला स्तरीय अभिमुखीकरण कार्यशाला का आयोजन उपायुक्त की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि आदि कर्मयोगी अभियान का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण समुदायों की समस्याओं का समाधान करना है। यह योजना समस्या केंद्रित न होकर समाधान केंद्रित होगी। उन्होंने बताया कि ग्राम स्तर पर आदि कर्मयोगी केंद्र की स्थापना की जाएगी, जिसमें नोडल पदाधिकारी का नाम व संपर्क विवरण उपलब्ध रहेगा ताकि आमजन सीधे अपनी समस्या का समाधान करा सकें।

उपायुक्त के जनता दरबार में सुनी गईं आमजनों की समस्याएं

नवीन मेल संवाददाता

हजारीबाग। उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह ने अपने कार्यालय कक्ष में जनता दरबार का आयोजन किया। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण अपनी समस्याओं एवं शिकायतों के साथ उपस्थित हुए। उपायुक्त ने प्रत्येक फरियादी की बातों को गंभीरतापूर्वक सुना तथा संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई हेतु तत्काल निर्देश दिए। जनता दरबार में मुख्य रूप से पेंशन स्वीकृति, राशन कार्ड त्रुटि सुधार, आवास, पंजी–2 में हेरफेर, आपूर्ति, भूमि विवाद, पारिवारिक विवाद, रोजगार सहित कई अन्य मामले सामने आए। उपायुक्त ने अधिकारियों को आवेदन अग्रसारित करते हुए निर्देशित किया कि सभी मामलों का समाधान संवेदनशीलता के साथ निर्धारित समयसीमा में सुनिश्चित किया जाए। इचाक के अभिषेक कुमार द्वारा पंजी–2 में हेरफेर कर एलपीसी निर्गत करने की शिकायत पर उपायुक्त ने अनुमंडल पदाधिकारी को जांच कर प्रतिवेदन देने का निर्देश दिया।

इचाक के झनवा तुरी द्वारा भूमिदान जमीन पर अवैध विद्यालय निर्माण की शिकायत पर उपायुक्त ने डीएससी एवं संबंधित सीओ को संयुक्त जांच कर रिपोर्ट देने का निर्देश दिया। दारू प्रखंड के ग्राम लरतांगों के ग्रामीणों द्वारा गैरमजरूआ जमीन हड़पने की शिकायत पर उपायुक्त ने सीओ को जांच करने तथा अनुमंडल पदाधिकारी को जांच रिपोर्ट के आधार पर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। विष्णुगढ़ निवासी रामबिलास साव के भूमि नापी एवं दखल कराने संबंधी आवेदन पर उपायुक्त ने विष्णुगढ़ सीओ से दूरभाष पर वार्ता कर त्वरित संज्ञान लेने का निर्देश दिया। दारू की रूबी कुमारी ने मईया सम्मान योजना का लाभ दिलाने हेतु निवेदन की, जिस पर उपायुक्त ने एडीएसएस को लाभ उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

अनिल कुमार खंडेलवाल की खाशमहल भूमि के लीज नवीकरण नही करने संबंधी शिकायत पर उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारी को विधि सम्मत कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उपायुक्त श्री शशि प्रकाश सिंह ने कहा कि "प्रशासन का उद्देश्य आम जनता की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान करना है।

AFFIDAVIT

I, SULEKHA KUMARI W/O SURESH KUMAR MAHTO, age about 50 years, by faith Hindu, by occupation Housewife, by Nationality - Indian, resident of Village Jharna More Kothar, P.O. Kaitha, P.S. Ramgarh, Dist.- Ramgarh (Jharkhand) do hereby solemnly affirm and declare as follows :- That my actual and correct name is SULEKHA KUMARI which has been mentioned in my Aadhar Card, vide Adhar no.**** ****7885. That due to mistake my name as SULEKHA DEVI has been mentioned in my Bank Passbook of Bank of India branch Ramgarh Cant Vide A/c No. 4819******4481. That SULEKHA KUMARI and SULEKHA DEVI both names are same and single person i.e. myself. That this affidavit is required for authority concern. That above statements made by me are true and correct to the best of my knowledge and belief.

Affidavit No. 2911 Date: 05/06/2025

वरीय पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, राँची। सर्वसाधारण के लिए सूचना।

नाम–नसीम अंसारी, उम्र करीब–55 वर्ष, रंग–सॉवला, ऊँचाई–05 फीट 6 ईंच, पहनावा–हल्का नीला रंग का शर्ट भूरा रंग का ट्राउजर पहने हुए है।

उपरोक्त लापता व्यक्ति नसीम अंसारी, पिता–शेख मुल्लाह अंसारी, सा0–गुलपरी अपार्टमेंट हाजी चौक, सिमलिया, थाना–रातु, जिला–राँची जो दिनांक–16.08.2025 को अपने घर से बगैर बताए कहीं चले गए जो आजतक अपने घर वापस नहीं आए है। जिसके संबंध में रातु थाना सनहा संख्या–17/2025, दिनांक–17.08.2025 दर्ज कर खोजबीन की जा रही है। उपरोक्त सूचना को सार्वजनिक किया जाना आवश्यक है।

अतः सभी जनसाधारण से अनुरोध है कि यदि उपरोक्त लापता व्यक्ति कहीं मिलती/दिखती है तो इसके संबंध में वरीय पुलिस अधीक्षक के कार्यालय में या निम्नांकित फोन नम्बर पर संपर्क कर इसकी सूचना दें।

Email ID(rnc-dcb@jhpolice.gov.in)

पुलिस उपाधीक्षक, मु0, द्वितीय, राँची। – 9431706142

थाना प्रभारी रातु, राँची। – 9431706175

पुलिस उप–महानिरीक्षक–सह–वरीय पुलिस अधीक्षक, राँची।

PR 360176 Police (25-26)D

टूर्नामेंट से खिलाड़ियों की खेल प्रतिभा उभरने का अवसर: मनीष जयासवाल

- **दिगवार फुटबॉल मैदान में आयोजित नमो फुटबॉल टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला में बजरंग क्लब सांडी की टीम ने खिताब पर जमाया क जा**

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़ । फिट रहेगा इंडिया, तभी हिट रहेगा इंडिया। नमो फुटबॉल टूर्नामेंट के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र के खिलाड़ियों की खेल प्रतिभा उभरने का अवसर मिलता है। यह बात हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जयसवाल ने 22 अगस्त को कही। श्री जयसवाल दिगवार फुटबॉल मैदान में किसान स्पोर्टिंग क्लब के सहयोग से आयोजित नमो फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबला में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में खेल प्रेमियों व खिलाड़ियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि टूर्नामेंट का आयोजन एकमात्र उद्देश्य खेल खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के साथ उनका सम्मान करना और उन्हें उचित प्लेटफार्म की ओर अग्रसर करना है। इससे पूर्व उनका स्वागत फूल माला व अंग वस्त्र देकर किया गया। फाइनल मुकाबला बजरंग क्लब बहेरटांड़ सांडी बनाम सिरका के बीच खेला गया। जिसमें निर्धारित समय पर दोनों टीम द्वारा कोई गोल नही किये जाने के पश्चात पेनाल्टी शूटआउट में सांडी की टीम ने 1-0 से जीत दर्ज कर खिताब पर कब्जा जमाया. इसके बाद सांसद ने विजेता टीम को 25 हजार तथा बड़ा कप व उप विजेता टीम को 15 हजार व कप देकर सम्मानित किया। टूर्नामेंट का संचालन सांसद प्रतिनिधि मनोज गिरि ने किया। जबकि धन्यबाद ज्ञापन रामसहाय बेदिया ने किया। मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीण मेहता, द्वारिका सिंह उर्फ खोखा सिंह, सांसद प्रतिनिधि राजीव जयासवाल, विजय जयासवाल, रंजीत सिन्हा, सांसद प्रतिनिधि मनोज गिरि, छोटन सिंह, रतन प्रसाद साहू, रूबी जयासवाल, बलराम महतो, अनमोल सिंह, शंकर करमाली, बंटी तिवारी, अरुण कुशवाहा, मुकेश सिंह, संगीता देवी, विक्की महतो, विनोद कुमार, राजकुमार महतो, किशुन महतो, बबलु कुशवाहा, संजीव कुशवाहा, सुरेंद्र कुशवाहा, कुलदीप कुशवाहा, रवि कुशवाहा, राजू कुशवाहा, सुरेश कुशवाह, पंकज कुशवाहा आदि सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे ।

सुप्रभात

विचार प्रवाह

"धर्म और अधर्म, सेवा और परमार्थ के झमेलों में पड़कर मैंने बहुत ठोकरें खायीं। मैंने देख लिया कि दुनिया दुनियादारों के लिए है, जो अवसर और काल देखकर काम करते हैं। सिद्धान्तवादियों के लिए यह अनुकूल स्थान नहीं है।" -मुंशी प्रेमचंद

संपादकीय

जीएसटी झमेले से राहत का दावा

सर्विस टैक्स के स्थान पर जीएसटी लाने के समय इसे व्यापारी हित में बड़ा कदम बताया गया था पर घोटाले पकड़े जाने के समाचारों के बीच छोटे व्यवसायियों की दिनों दिन बढ़ती रिटर्न और सीए की परेशानियों से बचाने के लिए अब नई पहल का दावा किया जा रहा है। केंद्र सरकार वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) और इनकम टैक्स कानून में आमूल सुधार के जरिये लोगों को बड़ी राहत देने और अर्थव्यवस्था को रफ्तार देने की डगर पर प्रभावी कदम आगे बढ़ाने जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वतंत्रता दिवस पर जीएसटी में बड़े बदलाव के एलान के बाद केंद्र ने अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों का मसौदा राज्यों को भेज दिया है और इसे शीघ्र लागू करने के लिए उनका सहयोग मांगा है। इसी तरह हाल ही में 11 अगस्त को लोकसभा में पारित नया इनकम टैक्स बिल, 2025 राज्यसभा में पारित होने और राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद कानून बन जाएगा। केंद्र सरकार ने तीन साल तक व्यापक मूल्यांकन और विश्लेषण के बाद जीएसटी में सरलता का प्रस्ताव तैयार किया है। सरकार ने मौजूदा चार टैक्स स्लैब पांच, बारह, अठारह और अट्ठाइस फीसदी में बदलाव करते हुए इन्हें घटाकर पांच और अठारह फीसदी स्लैब वाले दो-स्तरीय जीएसटी का प्रस्ताव किया है। जीएसटी सुधारों के तीन बड़े आधार होंगे। एक, स्ट्रक्चरल सुधार। इसमें टैक्स ढांचे को और बेहतर किया जाएगा। दो, टैक्स दरों को तर्कसंगत बनाना, ताकि जरूरी वस्तुएं सस्ती हो सकें तथा तीन, नए रजिस्ट्रेशन, रिफंड को आसान बनाना। इससे इनपुट और आउटपुट टैक्स दरें संतुलित होंगी।जीएसटी कम होगा, तो आम व मध्यमवर्गीय लोगों को कीमतों में राहत मिलेगी।

लोगों की क्रय शक्ति बढ़ने के साथ बाजार में नकदी प्रवाह भी बढ़ेगा। जो छोटे उद्योग ट्रंप टैरिफ के कारण निर्यात घटने को लेकर चिंतित हैं, उन्हें घरेलू उपभोक्ताओं की बढ़ती मांग से बड़ा सहारा मिलेगा। इतना ही नहीं जीएसटी घटाने से औद्योगिक उत्पादन बढ़ेगा और मांग व उत्पादन बढ़ने से जीडीपी में भी वृद्धि होगी। रोजगार के अवसरों में भी वृद्धि होगी। वैश्विक स्तर पर भारत की इज ऑफ डूइंग रैंकिंग भी सुधरेगी। इस परिप्रेक्ष्य में वैश्विक साख निर्धारण करने वाली एजेंसी एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग ने 19 अगस्त को कहा कि निश्चित रूप से भारत में पिछले 5-6 वर्षों के दौरान जीएसटी सुधार बहुत सफल साबित हुए हैं। अब जीएसटी के दो स्लैब बनने से इसकी कार्यान्वयन और लेखांकन प्रक्रिया आसान हो जाएगी। नए आयकर कानून के तहत टैक्स कानूनों के मकड़जाल को खत्म कर एक ऐसी प्रणाली निर्मित होगी, जो सहज और आम टैक्सपेयर के लिए लाभकारी हो और इससे नए करदाता अपनी आमदनी के मुताबिक इनकम टैक्स देने के लिए तत्पर हों। खास बात यह है कि मौजूदा इनकम टैक्स स्लैब में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इसमें कोई दो मत नहीं है कि वर्ष 1961 में मौजूदा आयकर कानून लागू किए जाने के बाद से अब तक आयकर कानून की विभिन्न कमियों को दूर करने के लगातार छोटे-बड़े कई प्रयास किए जाते रहे हैं।स्थिति यह है कि 1961 के इनकम टैक्स कानून में वर्ष 2024 तक 4,000 से ज्यादा संशोधन व सुधार हुए हैं और इसमें पांच लाख से ज्यादा शब्द हैं। ऐसे जटिल हो चुके इनकम टैक्स कानून को सरल और व्यावहारिक बनाने के लिए नया इनकम टैक्स विधेयक 2025 एक अत्यंत सराहनीय कदम है।

केंद्र सरकार वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) और इनकम टैक्स कानून में आमूल सुधार के जरिये लोगों को बड़ी राहत देने और अर्थव्यवस्था को रफ्तार देने की डगर पर प्रभावी कदम आगे बढ़ाने जा रही है।

संप्रभुता की वापसी व गौरव की बहाली

मानसून शब्द पूरे भारत में खुशी और गर्व का संचार करता है। यह नवाचार, नवीनीकरण और राष्ट्र के आर्थिक इंजन को तत्काल गति प्रदान करने का प्रतीक है। भारत की भौगोलिक स्थिति, प्रचुर वर्षा के साथ मिलकर, इसकी नदियों को पुनर्जीवित करती है और देशभर में जल संसाधनों का विस्तार करती है। यह प्रगति के मौसम का प्रतीक है और स्वतंत्रता दिवस समारोहों के साथ मिला दिए जाने पर देशभक्ति की एक अनूठी भावना का संचार करता है। लाल किले की प्राचीर से, प्रधानमंत्री के संबोधन ने एक बार फिर आकांक्षी नागरिकों के लिए एक ऐसा खाका पेश किया जो एक विकसित भारत के निर्माण के व्यापक लक्ष्य को साकार करने का मार्ग प्रशस्त करता है।

संसद के इस विशेष मानसून सत्र की शुरुआत में, प्रधानमंत्री ने इसे भारत का गौरवशाली सत्र बताया था। भारतीय सैनिकों का शौर्य, ऑपरेशन सिंदूर की सफलता, पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के कारखानों पर निर्णायक प्रहार और सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) का स्थगन-ये सब भारत की दृढ़ इच्छाशक्ति के सबूत हैं और राष्ट्रीय मानस पर एक अमिट छाप छोड़ते हैं।

फिर भी, सभी मुद्दों पर खुलकर चर्चा के लिए सरकार के राजी होने के बावजूद, विपक्ष ने बाधा डालने का रास्ता चुना और व्यापक जनहित की कीमत पर विचार-विमर्श को राजनीतिक नौटंकी में सीमित कर दिया।

देश अरसे से स्वार्थ को राष्ट्रीय हित से ऊपर रखने की कांग्रेस की पुरानी आदत का बोझ ढोता चला आ रहा है। विभाजन की दुखद विभीषिका से लेकर नेहरूवादी कूटनीति की महंगी पड़ने वाली विफलताओं तक, इतिहास गवाह है कि कैसे इन फैसलों ने भारत की मूल अवधारणा को ही कमजोर कर दिया। सिंधु जल संधि (1960) पर बारीकी से गौर करने पर, जनता और देश के विकास की कीमत पर तुष्टिकरण व अति-उदारता की एक ऐसी कहानी सामने आती है, जिसने राष्ट्रीय विकास की संभावनाओं को निरंतर बाधित किया। यह घोर विडंबनापूर्ण है कि भारत के विकास से जुड़े हितों का त्याग एक ऐसे राजनीतिक आकलन से प्रेरित थे जिसने अपने नागरिकों के कल्याण से ऊपर पाकिस्तान के हितों को तरजीह दी। मूल रूप से, विश्व बैंक की मध्यस्थता से हुई सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी), सिंधु नदी प्रणाली के जल का आवंटन पाकिस्तान के पक्ष में (80:20) करती है। सिंधु नदी प्रणाली का उद्गम मुख्य रूप से भारत में है। इस संधि के तहत भारत को पश्चिमी में बहने वाली सिंधु, चिनाब और झेलम जैसी महत्वपूर्ण नदियों पर नियंत्रण छोड़ने के लिए बाध्य होना पड़ा, जिससे वैसे व्यापक जल संसाधन छिन गए जो पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और गुजरात के विशाल शुष्क एवं सूखाग्रस्त इलाकों का कायाकल्प कर सकते थे। यदि राष्ट्रीय हितों की रक्षा की जाती, तो सुव्यवस्थित जल अवसंरचना इस इलाके के संपूर्ण विकास की तस्वीर को बेहतर बना सकती थी।

हालांकि, इस महत्वपूर्ण त्याग से व्यापक कूटनीतिक लाभ मिलने की उम्मीदें भ्रामक साबित हुईं। इस संधि के प्रक्रियात्मक संचालन ने चिंताओं को और बढ़ा दिया। इस संधि पर 19 सितंबर 1960 को हस्ताक्षर किए गए थे।लेकिन इसे दो महीने बाद, नवंबर में, संसद के समक्ष रखा गया और वह भी मात्र दो घंटे की औपचारिक चर्चा के लिए। जैसे ही इस संधि से जुड़े तथ्य सामने आए, इसके विभिन्न पहलुओं की पड़ताल के बाद प्रमुख समाचार पत्रों में छपी प्रतिकूल टिप्पणियां सुर्खियों में छायी रहीं।

इतने महत्वपूर्ण समझौते के प्रति संसदीय स्तर पर बरते गए इस जल्दबाजी भरे व्यवहार ने लोकतांत्रिक निगरानी, पारदर्शिता और तत्कालीन नेतृत्व की दुर्भावनापूर्ण मंशा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए।

इस सीमित संसदीय पड़ताल के बावजूद, सिंधु जल संधि को भारतीय संसद में भारी विरोध का सामना करना पड़ा। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, जो उस समय एक युवा सांसद थे, ने चेताते हुए कहा था कि प्रधानमंत्री नेहरू का यह तर्क बुनियादी रूप से त्रुटिपूर्ण है कि पाकिस्तान की अनुचित मांगों के आगे झुकने से मित्रता और सद्भावना स्थापित होगी। संसद में 30 नवंबर 1960 को हुई बहस से पता चलता है कि सभी दलों ने इस संधि की आलोचना की थी।

अधिकांश सदस्यों ने सरकार की आलोचना की थी और उस पर पाकिस्तान के सामने झुकने तथा भारतीय हितों को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया था। राजस्थान से कांग्रेस सांसद हरीश चंद्र माथुर, अशोक मेहता, ए.सी. गुहा, कम्युनिस्ट पार्टी के सांसद केटीके तंगमणि, सरदार इकबाल सिंह, बृजराज सिंह ने इस जल कूटनीति को लेकर स्पष्ट रूप से चिंताएं जाहिर की थी और इसके विफल होने से जुड़े नतीजों के बारे में अंदेशा जताया था। कुल मिलाकर, इस संधि को "एकतरफा, न कि लेन-देन पर आधारित" कहा जा सकता है।

इस संदर्भ में, यह विडंबना ही थी कि लोकसभा में अपने उत्तर के दौरान प्रधानमंत्री नेहरू ने माननीय सांसदों की बुद्धिमत्ता पर सवाल उठाए और उन्हें कमतर भी आंका। उन्होंने अपने जवाब में कहा कि संसदों द्वारा की गई आलोचना तथ्य और निहित विचारों से अनजान रहने पर आधारित है। उन्होंने (नेहरू) आगे कहा, "मुझे इस बात का दुख है कि इतने महत्वपूर्ण मामले को... एक ऐसा मामला जो न केवल वर्तमान बल्कि भविष्य से भी जुड़ा है... इतने हल्के में और इतनी लापरवाही एवं संकीर्ण सोच के साथ लिया जा रहा है।"

इस संधि ने भारत के हितों को कुंद कर दिया और यह पाकिस्तान के लिए एक निर्णायक उपलब्धि साबित हुआ। अयूब खान ने एक सार्वजनिक प्रसारण में स्वीकार किया था कि इस संधि की वैधता और गुण-दोष पाकिस्तान के विरुद्ध थे, लेकिन इस मामले में नेहरू की कूटनीतिक विफलता ने पाकिस्तान को बढ़त दिला दी। 4 सितंबर 1960 को रावलपिंडी में अपने प्रसारण में, अयूब खान ने कहा था, "अब जो समाधान हमें मिला है, वह आदर्श नहीं है... लेकिन यह सबसे अच्छा समाधान है जो हमें इन परिस्थितियों में मिल सकता था, इनमें से कई बिंदु, चाहे उनके गुण-दोष और वैधता कुछ भी हों, हमारे खिलाफ हैं।" ये खुलासे आज भी राष्ट्रीय हित को गौण रखने के पीछे के मकसद पर सवाल खड़े करते हैं। जैसा कि निरंजन डी. गुलाटी ने अपनी किताब "इंडस वाटर ट्रीटीः एन एक्सरसाइज इन इंटरनेशनल मीडिएशन" में लिखा है, 28 फरवरी 1961 को खुद प्रधानमंत्री नेहरू ने इस निराशा को स्वीकार करते हुए कहा थाः "मुझे उम्मीद थी कि यह समझौता अन्य समस्याओं के समाधान का रास्ता खोलेगा, लेकिन हम वहीं खड़े हैं जहां पहले थे।"

इस संधि के बाद के घटनाक्रम में आया तीखा अंतर इस समझौते की असमानता को और भी गहराई से रेखांकित करता है। नेहरू की ढिलाई और राष्ट्रीय हित को दरकिनार करने की प्रवृत्ति समय के साथ भारी पड़ती गई। फरवरी 1962 में, 'वाशिंगटन पोस्ट' को दिए एक साक्षात्कार में, प्रधानमंत्री नेहरू ने सिंधु जल संधि पर हस्ताक्षर को "आगे की दिशा में एक बड़ा कदम और वास्तव में यह समझौता (कश्मीर के) क्षेत्रीय मुद्दों से कहीं अधिक महत्वपूर्ण..." बताया।

स्पष्ट चेतावनियों के बावजूद, शांति और अंतरराष्ट्रीय स्वीकृति की चाहत में कांग्रेस नेतृत्व ने भारत की दीर्घकालिक जल सुरक्षा एवं समृद्धि के बजाय कूटनीतिक सुविधावाद को चुना। तुष्टिकरण की यह नीति कई मोर्चों पर राष्ट्रीय प्रगति के लिए हानिकारक साबित हुई। इस संधि से अपेक्षित मनोवैज्ञानिक व भावनात्मक लाभ कभी भी साकार नहीं हुए।

आज की बात

अर्जुन राम मेघवाल
केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा संसदीय कार्य राज्यमंत्री, भारत सरकार

खुजली से क्रांति तक

मैं एक बैल, अपनी कहानी सुना रहा हूँ। लोग मुझसे गधा भी कह देते हैं, लेकिन मैं गधा नहीं, बैल हूँ। गधे पर हँसा जाता है, बैल की पूजा होती है। दोनों का जीवन एक ही है, बोझ ढोना। मगर एक को हंसी मिली, दूसरे को सम्मान। इसीलिए मैंने बैल होना स्वीकार किया। मेरा बचपन एक मालिक के साथ बीता। मालिक मुझे बहुत प्यार करते थे। वह मुझे गोबर कहते थे, गोबर। गोबर, यानी, गो से उत्पन्न हुआ। मेरी पूँछ को हाथ लगाकर कहते थे - यह पूँछ नहीं, पूँछ की महिमा है! मेरी पीठ थपथपाते थे, मेरे सींग पर रंग लगाते थे। मैं बहुत खुश था। मुझे लगता था कि मैं बहुत बड़ा भाग्यवान हूँ। मगर एक दिन, मालिक मुझे लेकर एक बाज़ार में गए। वहाँ बहुत सारे बैल थे। सब एक-दूसरे को देख रहे थे। वहाँ एक आदमी आया। वह आदमी नहीं, एक दलाल था। दलाल ने मेरे सींग देखे, मेरी पूँछ देखी, मेरे पैर देखे। फिर मालिक से पूछा - कितने में दोगे इसे? मालिक ने मुझे बेच दिया। उस दिन मुझे पता चला कि मैं गोबर नहीं, एक सामान हूँ। और मेरे सारे अंग, मेरे सींग, मेरी पूँछ, मेरे पैर, सब सामान के हिस्से हैं। वह दिन मुझे पहली बार गुस्सा आया। लेकिन गुस्सा भी क्या, गुस्सा मेरे मालिक के प्रति था, और मेरी तो ट्रेनिंग ही यही हुई थी कि मालिक से गुस्सा नहीं होना चाहिए। तो मैं चुपचाप उस नए मालिक के साथ चला गया। नया मालिक मुझे लेकर अपने खेत में ले गया। वहाँ मुझे हल में लगाया गया। मैं हल खींचने लगा। मुझे पता चला कि मेरा जीवन अब इसी तरह से चलेगा। सुबह उठो, हल खींचो, शाम को जाओ, घास खाओ। फिर सुबह उठो, हल खींचो, शाम को जाओ, घास खाओ। मैं बहुत काम करता था, बहुत। मेरे पैर थक जाते थे, मेरी पूँछ थक जाती थी, मेरा दिल थक जाता था। मगर मेरे नए मालिक ने मुझे कभी गोबर नहीं कहा। वह मुझे 'हे बैल' कहते थे, 'हे बैल, चल'। मैं हर दिन सुबह उठकर सोचता था कि आज मैं नहीं चलूँगा। मगर फिर मुझे डर लगता था कि अगर मैं नहीं चलूँगा तो मुझे मारेंगे। तो मैं चल देता था। मैंने हर दिन सोचा कि एक दिन मैं रुक जाऊँगा। मगर मैं नहीं रुका। मेरी ट्रेनिंग ही ऐसी हुई थी। मगर एक दिन, मेरे पुराने मालिक, गोबर, मुझे देखने आए। मुझे बहुत खुशी हुई। मुझे लगा कि वह मुझे वापस ले जाएँगे। उन्होंने मुझे बहुत प्यार किया। मेरे सींग पर हाथ लगाया, मेरी पूँछ पर हाथ लगाया। फिर मेरे नए मालिक से कहा - इसे बेच दो, मैं इसे वापस ले जाना चाहता हूँ। मेरे नए मालिक ने कहा - नहीं, यह मेरा बैल है, मैं इसे नहीं बेचूँगा। तो वह दोनों लड़ने लगे। मैं दूर खड़ा होकर देख रहा था। मुझे लगा कि मेरे दोनों मालिक लड़ रहे हैं, और मैं यहाँ खड़ा हूँ। मैं उनके बीच में नहीं हूँ, मैं उनके लिए हूँ। उस दिन मैंने अपने जीवन का सबसे बड़ा सच जाना - मैं दो आदमियों के बीच का सामान हूँ।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

व्यंग्य की बात

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'

एक राष्ट्र की आकांक्षाओं का उत्सव

23 अगस्त : राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर विशेष

23 अगस्त का सूरज जब उगा, तो वह सिर्फ़ एक दिन को नहीं, बल्कि एक युग को रोशन कर गया। यह तारीख अब केवल कागज़ पर नहीं, बल्कि हर भारतीय के हृदय पर अंकित हो चुकी है। चंद्रयान-3 की लैंडिंग ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर न केवल भारत का झंडा गाड़ा, बल्कि मानवता की आकांक्षाओं को एक नया आकाश दिया। यह क्षण वह नहीं था जब मशीनें चाँद की मिट्टी पर उतरीं; यह वह पल था जब एक राष्ट्र ने अपनी आत्मा को तारों के पार भेजा। यह दिन, राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस, विज्ञान की जीत से कहीं बढ़कर है—यह सपनों का उत्सव है, जो असफलताओं की राख से फीनिक्स की तरह उभरे। जब चंद्रयान-3 ने चंद्रमा की अनछुई सतह को स्पर्श किया, तो उसने न केवल वैज्ञानिक इतिहास के पन्नों में स्वर्णिम अक्षर अंकित किए, बल्कि एक सांस्कृतिक और आध्यात्मिक क्रांति का सूत्रपात किया। चंद्रयान-2 की असफलता को विश्व ने पराजय माना, पर भारत ने उसे एक प्रेरणा बनाया। इसरो के वैज्ञानिकों ने उस ठोकर को सीढ़ी में ढाला, और सिद्ध कर दिखाया कि असफलता अंत नहीं, बल्कि एक नई शुरुआत का संदेश है। यह भारतीय दर्शन की वह शक्ति है, जो टूटे को जोड़ती है और असंभव को संभव बनाती है।

23 अगस्त 2023 को, जब विक्रम लैंडर ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर कदम रखा, तो वह केवल एक मिशन की जीत नहीं थी—यह एक प्राचीन सभ्यता की उस अटल मान्यता की विजय थी, जो कहती है कि असंभव महज एक शब्द है, और सपने सितारों तक ले जाते हैं। राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस का असली महत्व इसकी वैज्ञानिक उपलब्धि में नहीं, बल्कि इसके सामाजिक और मनोवैज्ञानिक प्रभाव में है। जब एक ग्रामीण स्कूल का बच्चा रात को तारों की ओर देखता है और यह सोचता है कि उसका देश उन तारों तक पहुँच चुका है, तो उसके मन में एक नया विश्वास जन्म लेता है। यह विश्वास केवल अंतरिक्ष तक सीमित नहीं है; यह उसे जीवन की हर चुनौती को पार करने की प्रेरणा देता है। इसरो की यह उपलब्धि सिर्फ़ डेटा और तकनीक की बात नहीं करती; यह हर उस व्यक्ति की कहानी कहती है जो अपने छोटे से गाँव में बड़े सपने देखता है।

चंद्रयान-3 की लागत को देखें तो यह आश्चर्यजनक है। नासा के मिशनों के सामने भारत का यह मिशन एक छोटे से बजट में रचा गया चमत्कार था। इसरो ने लगभग 615 करोड़ रुपये (लगभग 74 मिलियन डॉलर) में यह मिशन पूरा किया, जो कि हॉलीवुड की एक औसत ब्लॉकबस्टर फिल्म के बजट से भी कम है। फिर भी, इस मिशन ने न केवल चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव की अनछुई मिट्टी पर कदम रखा, बल्कि भारत को उन चुनिंदा देशों की सूची में शामिल किया, जिन्होंने चंद्रमा पर सॉफ्ट लैंडिंग की है। यह सिद्ध करता है कि भारत की ताकत उसके संसाधनों में नहीं, बल्कि उसके संकल्प में है। यह वही देश है जो मंगल पर भी कम बजट में मंगलयान भेज चुका है, जिसकी लागत (450 करोड़ रुपये) भी कई देशों के अंतरिक्ष मिशनों की तुलना में नगण्य थी। 23 अगस्त का उत्सव केवल वैज्ञानिकों का नहीं है। यह उन गुमनाम नायकों का भी उत्सव है जो पर्दे के पीछे काम करते हैं। वे इंजीनियर, जो रात-रात भर डेटा विश्लेषण करते हैं। वे तकनीशियन, जो एक-एक तार को जोड़ते हैं। और वे परिवार, जो अपने प्रियजनों की अनुपस्थिति को सहते हैं ताकि देश का नाम आकाश में चमके। जब इसरो के नियंत्रण कक्ष में तालियों की गूंज उठी, तो वह सिर्फ़ एक लैंडर की सफलता की गूंज नहीं थी; वह उन अनगिनत बलिदानों की आवाज़ थी जो इस मिशन को साकार करने में लगे। चंद्रयान-3 की लैंडिंग का वैज्ञानिक महत्व भी कम नहीं है। दक्षिणी ध्रुव पर पानी की बर्फ की खोज ने न केवल अंतरिक्ष अनुसंधान को नई दिशा दी, बल्कि मानवता के भविष्य के लिए एक नई संभावना खोली। इसरो के प्रज्ञान रोवर ने चंद्र सतह पर सल्फर और ऑक्सीजन जैसे तत्वों की उपस्थिति की पुष्टि की, जो भविष्य में चंद्रमा पर मानव बस्तियाँ स्थापित करने की दिशा में एक कदम है। **(ये लेखक के निजी विचार हैं।)**

देश की बात

प्रो. आरके जैन

फेसबुक वॉल से

एक्स से

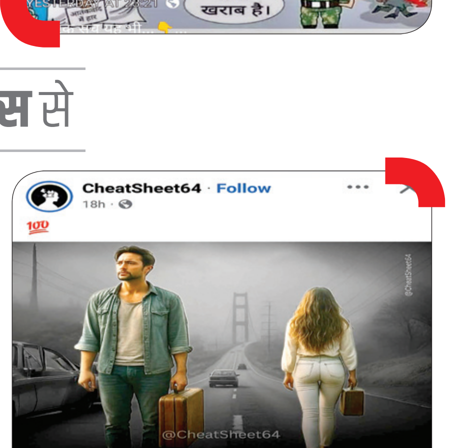

आज का दोहा

क्यों शर्मिंदा से रहे, सुनकर उनका ज्ञान।
क्या क्या छोड़ेंगे अभी, जिससे थी पहचान।।

सोमदत्त शर्मा, गाजियाबाद (उ.प्र.)

रचना भेजिए

समाचारों के संबंध में शिकायत या इस पेज के लिए आर्टिकल कृपया भेजें artical.rnmail@gmail.com
कॉल/व्हाट्सएप 8292553444

संपादक

अब उपराष्ट्रपति बनेंगे आरएसएस मुक्त भारत की बात करने वाले

राज्यसभा के आंकड़ों की मानें तो उपराष्ट्रपति के इस चुनाव में एनडीए उम्मीदवार सी.पी.राधाकृष्णन का चुनाव जाना तय है। इस परिणाम को जानने बूझने के बाद भी वैचारिक लड़ाई के नाम पर इंडी गठबंधन और कांग्रेस ने जस्टिस बी.सुदर्शन रेड्डी को अपना उम्मीदवार बनाया है। संदर्भवश जस्टिस रेड्डी की मानें तो यह सामाजिक न्याय और आरएसएस के एजेंडे के बीच की लड़ाई है। सीधे तौर पर देखें तो जस्टिस रेड्डी की इस उम्मीदवारी पर कोई सवाल नहीं है क्योंकि देश संविधान से चलता है और देश में लोकतंत्र बना हुआ भी है। अब जब बात लोकतंत्र की हो रही है तो कुछ ऐसे सवाल सामने आ रहे हैं जिनसे न रेड्डी भाग सकते हैं,न इंडी गठबंधन भाग सकती है, न खड़गे बच सकते हैं और न उनकी तथाकथित वैचारिक लड़ाई के साख को बचाए रखा जा सकता है। विपक्ष पर पहला सवाल तो यह उठाया जा रहा है कि सरकार पर न्यायपालिका के राजनैतिक इस्तेमाल का आरोप लगाने वाले इस कुनबे को आखिर उच्चतम न्यायालय के एक पूर्व न्यायाधीश के उपर दांव लगाने की जरूरत कैसे महसूस हो गई? इसी तरह उनके रहते भोपाल गैस त्रासदी के मुख्य आरोपी के खिलाफ आरोपों को हल्का करने के एक पुराने फैसले के खिलाफ सीबीआई के द्वारा दायर क्यूरेटिव पिटीशन को महज कुछ सबूतों के अभाव में खारिज किए जाने को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। वैसे तो गैस त्रासदी के पीड़ितों के विरोध में आया यह फैसला सुप्रीम कोर्ट की पांच सदस्यीय बेंच का था परन्तु यह भी सच है कि इस पैनल में जस्टिस बी.सुदर्शन रेड्डी भी शामिल थे। इस कांड में कांग्रेस के कतिपय बड़े नेताओं के एंडरसन कनेक्शन पर भी चर्चा थी जबकि भोपाल गैस कांड के मुख्य आरोपीव यूनियन कार्बाइड कॉर्पोरेशन के तत्कालीन अध्यक्षवारेन एंडरसनको घटना के बाद गिरफ्तार कर लिया गया था परन्तु कुछ ही घंटों बाद उन्हें 2100 डॉलर के मामूली जुर्माने पर रिहा करते हुए उन्हें भगोड़ा घोषित कर दिया गया और इसी संदर्भ में वर्ष 2012 में उपरोक्त क्यूरेटिव पिटीशन दायर किया गया था। वैचारिक लड़ाई के इस मामले में श्री रेड्डी पर जो सबसे गंभीर आरोप लगाए जा रहे हैं उसके अनुसार सरकार के द्वारा अतिवाद को समाप्त करने के उद्देश्य से नक्सली हिंसा के खिलाफ छत्तीसगढ़ जैसे आदिवासी बहुल राज्य में चलाए जा रहे सलवा जुडुम (शान्ति यात्रा या सफाई रैली) को समाप्त करने वाली याचिका के माध्यम से इस आंदोलन को समाप्त करने में इनकी भी भूमिका थी। संदर्भवश सवाल यह कि सरकार उग्रवाद पर लगाम कसे तो इन्हें दिक्कत और इन्हें तब भी दिक्कत जब "मेक इन इंडिया" और "आत्मनिर्भर भारत" की घोषित नीति के तहत भारत हथियारों के निर्यात का निर्णय ले ले। यह इसी जुलाई के अंतिम सप्ताह का वाकया है जब देश के पच्चीस नागरिकों ने रक्षा मंत्री को पत्र लिखकर इजरायल को हथियार व गोला-बारूद निर्यात के लिए जारी होने वाले लाइसेंस प्रक्रिया पर रोक लगाने की मांग कर दी। बताया जाता है कि इस ग्रुप-25 में एक नाम बी.सुदर्शन रेड्डी का भी है। इस वैचारिक मतभेद का एक काला सच यह भी है कि अभी अभी जब जस्टिस रेड्डी तटीय राज्य गोवा के पहले लोकायुक्त के रूप में राजभवन में शपथ ले रहे थे तब इसी इंडी गंठबंधन के कार्यकर्ताओं ने इनका जोरदार विरोध किया था। तमाम सवालों का लब्बोलुआब यह कि उपराष्ट्रपति चुनाव के बहाने हमारे विपक्ष और उसके उम्मीदवार को सामाजिक न्याय के नाम पर उस आरएसएस से लड़ाई लड़नी है जो भारत के किसी भी आतंकी हमले में कभी शामिल नहीं रहने के बावजूद एक आतंकी संगठन है और सिमी, पीएफआई, आईएसआईएस, लश्कर-ए-तैयबा, हिजबुल मुजाहिदीन, माओवादी आदि संगठनों के लिए आतंकवादी जैसे शब्दों के प्रयोग पर पूर्ण प्रतिबंध है!

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

आपकी बात

केदारनाथ दास

स्वामी, पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एंव मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा 502, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित। रजिस्ट्रेशन नंः BIHHIN/1999/155, प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल'*, समाचार संपादक : त्रिभुवन कुमार सिन्हा, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नंबर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान हरमू रोड, रांची-834001, फोन नंबर : 0651-3553943, ई-मेल : news.rnmail@gmail.com, article.rnmail@gmail.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

सुप्रीम कोर्ट ने सभी राजनीतिक दलों को पक्षकार बनाया

मतदाताओं के सहयोग करने का दिया निर्देश

एजेंसी। नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने बिहार में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) मामले में बड़ा फैसला देते हुए राज्य के सभी 12 राजनीतिक दलों को पक्षकार बनाया है। कोर्ट ने राजनीतिक दलों से एसआईआर के दौरान मसौदा मतदाता सूची से बाहर किए गए लोगों की सहायता करने को भी कहा है। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच इस मामले में सुनवाई कर रही है। बेंच ने इस बात पर आश्चर्य व्यक्त किया कि बिहार में राजनीतिक दलों के 1.68 लाख से अधिक बूथ-स्तरीय एजेंट (बीएलए) हैं, लेकिन चुनाव आयोग के अनुसार सिर्फ दो आपत्तियां दर्ज की गई हैं। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान ही चुनाव आयोग ने राजनीतिक दलों से एसआईआर प्रक्रिया में आगे आकर सहयोग मांगा था। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने बिहार के चीफ इलेक्टोरल

ऑफिसर को आदेश दिया कि राज्य की सभी राजनीतिक दलों के अध्यक्षों को नोटिस जारी करें।कोर्ट ने राजनीतिक दलों को निर्देश दिया कि वे अपने बीएलए को निर्देश जारी करें कि वे मतदाताओं को मतदाता सूची में शामिल होने के लिए चुनाव आयोग की ओर से सूचीबद्ध 11 दस्तावेजों या आधार कार्ड के साथ जरूरी फॉर्म जमा करने में सहायता करें। इससे पहले, चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल कर बताया कि उनके निर्देशों का पालन किया गया है और ड्राफ्ट मतदाता सूची में शामिल न होने वाले लगभग 65 लाख लोगों की बूथवार सूची वेबसाइट पर अपलोड कर दी है। चुनाव आयोग ने कोर्ट को यह भी बताया कि आदेश के अनुसार ड्राफ्ट वोटर लिस्ट को भी जारी कर दिया गया है।

चुनाव आयोग के वकील राकेश द्विवेदी ने कोर्ट को बताया कि ड्राफ्ट लिस्ट में नाम शामिल न किए जाने के कारणों का भी खुलासा किया गया है और जिला स्तर पर वेबसाइट पर डाला गया है। पिछली सुनवाई में कोर्ट ने चुनाव आयोग से कहा था कि वह उन 65 लाख लोगों की सूची जारी करें, जिनके नाम ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में शामिल नहीं किए गए हैं। आयोग को लिस्ट में यह भी बताना था कि आखिर उनके नाम ड्राफ्ट लिस्ट में शामिल न करने की वजह क्या है? सुप्रीम कोर्ट आगामी बिहार विधानसभा चुनावों से पहले मतदाता सूचियों की एसआईआर के आदेश देने वाले चुनाव आयोग के 24 जून के निर्देश को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा था।

बिहार एसआईआर में आधार कार्ड या 11 अन्य दस्तावेज मान्य

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को चुनावी राज्य बिहार में चलाए जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान में बदलाव करने से इनकार कर दिया, लेकिन भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) को निर्देश दिया कि वह सूची से बाहर किए गए मतदाताओं को ऑनलाइन माध्यम से दावे दाखिल करने की अनुमति दे, साथ ही भौतिक रूप से भी दावा पेश करने की अनुमति दे। अदालत ने निर्वाचन आयोग को मतदाताओं को मतदाता सूची में शामिल कराने के लिए 11 दस्तावेज़ों या आधार कार्ड को स्वीकार करने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की दो सदस्यीय पीठ ने राजनीतिक दलों को उन 65 लाख लोगों की मदद करने का भी निर्देश दिया, जिन्हें मसौदा मतदाता सूची से बाहर रखा गया है। अदालत ने कहा, सभी राजनीतिक दल अगली सुनवाई तक उस दावा प्रपत्र पर स्थिति रिपोर्ट दाखिल करें, जिसे उन्होंने बहिष्कृत मतदाताओं द्वारा दाखिल करने में मदद की थी। मामले की अगली सुनवाई 8 सितंबर को होगी। हालांकि, शीर्ष अदालत ने इस बात पर आश्चर्य व्यक्त किया कि केवल दो आपत्तियाँ उठाई गईं, जबकि राजनीतिक दलों के 1.60 लाख से अधिक बूथ-स्तरीय एजेंट (बीएलए) हैं। सुनवाई के दौरान, चुनाव आयोग ने सर्वोच्च न्यायालय से अनुरोध किया कि उसे यह साबित करने के लिए 15 दिन का समय दिया जाए कि कोई भी मतदाता सूची से बाहर नहीं है। आयोग ने अदालत को यह भी बताया कि 85,000 बहिष्कृत मतदाताओं ने अपने दावा पत्र जमा कर दिए हैं, जबकि दो लाख से ज़्यादा नए मतदाता मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने के लिए आगे आए हैं।

चुनाव आयोग की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी ने अदालत से कहा, "राजनीतिक दल शोर मचा रहे हैं और हालात इतने खराब नहीं हैं। हम पर विश्वास रखें और हमें कुछ और समय दें। हम आपको दिखा देंगे कि कोई भी मतदाता सूची से बाहर नहीं है। बिहार में जहाँ इस साल के अंत में चुनाव होने हैं, चुनाव आयोग द्वारा एसआईआर अभियान चलाने के फैसले से भारी राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। एसआईआर के अनुसार, बिहार में पंजीकृत मतदाताओं की कुल संख्या इस अभियान से पहले के 7.24 करोड़ से घटकर 7.9 करोड़ रह गई है।

पीएम ने कोलकाता में मेट्रो को दिखाई हरी झंडी, बोले-

भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा मेट्रो नेटवर्क

एजेंसी। कोलकाता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कोलकाता में विभिन्न मेट्रो रेलवे परियोजनाओं का उद्घाटन किया। उन्होंने जेसोर रोड मेट्रो स्टेशन से नोआपारा-जय हिंद विमानबंदर मेट्रो सेवा, सियालदह-एस्प्लेनेड मेट्रो सेवा और बेलेघाटा-हेमंत मुखोपाध्याय मेट्रो सेवा को हरी झंडी दिखाई और फिर मेट्रो में यात्रा की। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने मेट्रो परियोजनाओं में शामिल श्रमिकों और स्कूली छात्रों से बातचीत की।केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह और शांतनु ठाकुर ने उनका अभिनंदन किया।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज एक बार फिर मुझे पश्चिम बंगाल के विकास को गति देने का अवसर मिला है। अभी मैं नोआपारा से बिमानबंदर तक कोलकाता मेट्रो का आनंद लेकर आया हूं। इस दौरान बहुत सारे साथियों से मुझे बातचीत करने का अवसर भी मिला। हर किसी को खुशी है कि कोलकाता का पब्लिक ट्रांसपोर्ट वाकई अब आधुनिक हो रहा है। उन्होंने कहा कि आज यहां 6 लेन के एलिवेटेड कोना एक्सप्रेसवे का भी शिलान्यास किया गया है। हजारों-करोड़ रुपए के इन सभी प्रोजेक्ट्स के लिए कोलकातावासियों को और पूरे पश्चिम बंगाल के लोगों को बहुत-बहुत बधाई।

जम्मू-कश्मीर एलजी ने आतंकी कनेक्शन वाले 2 सरकारी कर्मचारियों को किया बर्खास्त

जम्मू-कश्मीर। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने आज दो सरकारी कर्मचारियों की सेवाएं समाप्त कर दीं। आरोप है कि इनकी संलिप्तता आतंकवादी गतिविधियों या उनके समर्थन से जुड़ी हुई थी। हम आपको बता दें कि यह कोई पहला मामला नहीं है, हाल के वर्षों में केंद्र शासित प्रदेश के प्रशासन ने कई ऐसे कर्मचारियों को बर्ख़ास्त किया है जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से आतंकवादियों के लिए सहानुभूति दिखाते रहे हैं। देखा जाये तो आतंकवाद का एक बड़ा खतरा यह है कि उसका नेटवर्क केवल जंगलों या सीमावर्ती इलाकों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि प्रशासन और व्यवस्था तक भी पहुँचने की कोशिश करता है। सरकारी कर्मचारियों पर कार्रवाई यह संदेश देती है कि प्रशासनिक ढांचे में "दोहरी भूमिका" निभाने वालों के लिए कोई जगह नहीं है। इसके अलावा, जम्मू-कश्मीर चूंकि लंबे समय से आतंकी हिंसा से प्रभावित रहा है। ऐसे में सरकार की प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि संवेदनशील पदों पर बैठे लोग सुरक्षा तंत्र को कमजोर न करें। देखा जाये तो सरकारी नौकरी करदाताओं के पैसे से मिलती है। यदि कोई व्यक्ति आतंकवाद या अलगाववाद को समर्थन देता है, तो उसका वेतन उसी व्यवस्था से जाता है जिसे वह कमजोर कर रहा है। यह व्यवस्था के साथ धोखा है। बर्ख़ास्तगी इसी विरोधाभास को समाप्त करने की कोशिश है।

मध्य प्रदेश: केंद्रीय मंत्री के बंगले के पास मिले जले हुए वोटर कार्ड, जांच शुरू

एजेंसी। नई दिल्ली

देश भर में चल रहे मतदाता सूची विवाद के बीच, मध्य प्रदेश के टीकमगढ़ में केंद्रीय मंत्री वीरेंद्र कुमार के आवास के सामने लगभग 43 मतदाता पहचान पत्र (कुछ जले हुए) बरामद किए गए, जिसके बाद ज़िले के अधिकारियों ने जाँच के आदेश दिए हैं। यह घटना तब सामने आई जब एक सहकारी बैंक के पूर्व अध्यक्ष विवेक चतुर्वेदी ने मंत्री के आवास के सामने ये कार्ड देखे और तुरंत अधिकारियों को सूचित किया। टीकमगढ़ कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय ने समाचार एजेंसी एएनआई को बताया, एहसिलदार को सूचना मिली थी कि सर्किट हाउस को शहरी क्षेत्र से जोड़ने वाली गली के पास कुछ मतदाता पहचान पत्र पड़े हैं। इस सूचना पर कार्रवाई करते हुए, उन्होंने कार्ड बरामद कर लिए और मैंने मामले की जाँच के आदेश दे दिए हैं। शुरुआती जाँच में पता चला कि ये पुराने और वितरित न किए गए मतदाता पहचान पत्र थे। उन्होंने आगे कहा, जब हमने उन लोगों से संपर्क किया जिनके मतदाता पहचान पत्र मिले थे, तो पता चला कि उनके पास पहले से ही उसी ईपीआईसी नंबर वाले मतदाता पहचान पत्र मौजूद थे।

सीईसी ज्ञानेश कुमार के परिवार को किया जा रहा ऑनलाइन ट्रोल,

नई दिल्ली। भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) समुदाय ने मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार का पुरज़ोर बचाव किया है, क्योंकि उनके परिवार, खासकर उनकी बेटियों को ऑनलाइन ट्रोलिंग का निशाना बनाया गया था। ये हमले वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी की उस टिप्पणी के बाद हुए हैं, जिसमें उन्होंने विवादास्पद रूप से कहा था कि विपक्ष मुख्य चुनाव आयुक्त को नहीं बख्शेगा।आईएएस एसोसिएशन ने इस मामले पर गहरी चिंता व्यक्त की और ज़ोर देकर कहा कि यह ट्रोलिंग अनावश्यक गाली-गलौज और व्यक्तिगत हमले" के समान है जिसका चुनाव आयोग के कामकाज से कोई लेना-देना नहीं है। एसोसिएशन ने कहा कि हम आधिकारिक कर्तव्यों के निर्वहन से असंबद्ध ऐसे व्यक्तिगत हमलों की कड़ी निंदा करते हैं। उन्होंने सरकारी अधिकारियों के साथ व्यवहार में गरिमा और ईमानदारी बनाए रखने का आह्वान किया।

रनवे पर दौड़ रही थी एयर इंडिया की फ्लाइट बीच रास्ते से लौटी

मुंबई। मुंबई से जोधपुर जाने वाली एयर इंडिया की उड़ान संख्या AI645 के यात्रियों को अप्रत्याशित देरी का सामना करना पड़ा, क्योंकि परिचालन संबंधी किसी समस्या के कारण विमान को वापस बे में लौटना पड़ा। कॉकपिट क्रू ने मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) का सख्ती से पालन करते हुए, उड़ान को रोकने का फैसला किया और विमान को सुरक्षित वापस ले आए। उड़ान रद्द होने के बाद, एयर इंडिया ने इस व्यवधान के लिए खेद व्यक्त किया और पुष्टि की कि यात्रियों को जोधपुर पहुंचाने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की गई थी। मुंबई स्थित ग्राउंड टीम ने यात्रियों को होने वाली असुविधा को कम करने के लिए मौके पर ही सहायता प्रदान की। एयर इंडिया के प्रवक्ता ने एक आधिकारिक बयान में कहा, "इस अप्रत्याशित देरी के कारण यात्रियों को हुई असुविधा के लिए हमें गहरा खेद है। एयर इंडिया में, हमारे यात्रियों की सुरक्षा और कल्याण सर्वोच्च प्राथमिकता है।

बिहार की धरती चंद्रगुप्त-चाणक्य की, यहां लिया गया संकल्प खाली नहीं जाता : पीएम

एजेंसी। गयाजी

- आतंक के खिलाफ "संकल्प की धरती" के रूप में बिहार का उल्लेख
- कांग्रेस और राजद पर परियोजनाओं को लटकाकर पैसे कमाने का आरोप
- बिहार में ही रोजगार और सम्मान की जिंदगी देने की दिशा में काम
- "कांग्रेस और इंडी गठबंधन के नफरती अभियान" का उदाहरण बताया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को बिहार के गयाजी में आयोजित कार्यक्रम में 13 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा की लागत से रेल, सड़क, बिजली, आवास, जलापूर्ति और स्वास्थ्य क्षेत्रों से जुड़ी विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि बिहार चंद्रगुप्त और चाणक्य की धरती है। यहां लिया गया संकल्प खाली नहीं जाता। यही कारण है कि पहलगाम में आतंकी हमले के बाद मैंने भी आतंकियों को मिट्टी में मिलाने का संकल्प इसी धरती से लिया था। आज दुनिया देख रही है। बिहार की धरती से लिया गया वह संकल्प पूरा हो चुका है। प्रधानमंत्री मोदी ने जोर देकर कहा, "ऑपरेशन सिंदूर ने भारत की रक्षा नीति की नई लकीर खींच दी है। भारत में आतंकवादी भेजकर हमले कराकर कोई बच नहीं सकेगा। आतंकवादी चाहे पाताल में क्यों न छिप जाए, भारत की मिसाइल उन्हें दफन करके रहेगी।"पीएम मोदी ने याद दिलाते हुए कहा कि उधर से पाकिस्तान हम पर ड्रोन हमले कर रहा था, मिसाइल दाग रहा था और इधर भारत पाकिस्तान की मिसाइलों को हवा में तिनके की तरह बिखेर रहा था। पाकिस्तान की एक भी मिसाइल हमें नुकसान नहीं पहुंचा पाई। इस मौके पर आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए विपक्ष पर जमकर निशाना साधा और एनडीए सरकार की प्राथमिकता गिनाई। उन्होंने राजद और कांग्रेस पर भी निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस और राजद नहीं जानते थे कि पैसों का कभी मोल नहीं समझा। कोई भी परियोजनाएं समय पर पूरी नहीं होती थीं। परियोजनाओं को लटकाकर पैसे कमाते थे। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार ने इस गलत सोच को भी बदल दिया है। अब अगर परियोजनाओं का शिलान्यास होता है तो कोशिश होती है कि इसे समय से पूरा कर लिया जाए। उन्होंने कहा कि बिहार का तेज विकास केंद्र की एनडीए सरकार की बहुत बड़ी प्राथमिकता है। आज बिहार चौतरफा विकास के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि बीते वर्षों में पुरानी समस्याओं के समाधान तलाशे गए हैं और नई प्रगति के रास्ते बनाए गए हैं। उन्होंने आगे कांग्रेस के एक मुख्यमंत्री के बयान की चर्चा करते हुए कहा कि आपको याद होगा कि कांग्रेस के एक मुख्यमंत्री ने मंच से कह दिया था कि अपने राज्य में बिहार के लोगों को घुसने नहीं देंगे। इसके बावजूद राजद वाले सोए पड़े थे। बिहार के लोगों से कांग्रेस की इतनी नफरत, कोई भूल नहीं सकता है। एनडीए सरकार अब कांग्रेस और इंडी गठबंधन के नफरती अभियान का जवाब दे रही है। बिहार के लोगों को बिहार में ही रोजगार मिले और सम्मान की जिंदगी मिले, इसी सोच के साथ हम काम कर रहे हैं। बिहार में कई बड़ी परियोजनाओं पर काम चल रहे हैं।

'लालटेन राज' में बिहार आतंक' से जकड़ा हुआ था : मोदी

गयाजी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस और लालू यादव की पार्टी राजद पर बड़ा हमला बोला है। गयाजी में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि बिहार की एनडीए सरकार कांग्रेस और 'इंडी' गठबंधन वालों के नफरती अभियान का जवाब दे रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि बिहार का तेज विकास केंद्र की एनडीए सरकार की बहुत बड़ी प्राथमिकता है। इसलिए आज बिहार चौतरफा विकास के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है। बीते समय में पुरानी समस्याओं के समाधान तलाशे गए और नई प्रगति के रास्ते बनाए गए।उन्होंने बिहार के लोगों को पुराने दिन याद दिलाते हुए कहा, "याद करें, 'लालटेन राज' में बिहार की क्या दुर्दशा थी। 'लालटेन राज' में यह क्षेत्र लाल आतंक से जकड़ा हुआ था। माओवादियों के कारण शाम के बाद आना-जाना मुश्किल होता था।" प्रधानमंत्री ने कहा, "लालटेन राज में गयाजी जैसे शहर अंधेरे में डूबे रहे। हजारों गांव थे, जहां बिजली के खंभे तक नहीं पहुंचे। 'लालटेन राज' वालों ने अंधेरे में धकेला था। न शिक्षा थी और न रोजगार था। बिहार की कई पीढ़ियों को राज्य से पलायन के लिए मजबूर कर दिया। बिहार के लोगों को राजद और उनके साथ सिर्फ अपना वोटबैंक मानते हैं। उन्हें गरीब के सुख-दुख और मान सम्मान से कोई मतलब नहीं है।" गयाजी में पीएम नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस को उसका इतिहास याद दिलाया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा, "कांग्रेस के एक मुख्यमंत्री ने मंच से कहा था कि अपने राज में बिहार के लोगों को घुसने नहीं देंगे। बिहार के लोगों से कांग्रेस की नफरत और घृणा को कोई भूल नहीं सकता है। कांग्रेस का बिहार के लोगों के प्रति दुर्व्यवहार देखने के बाद भी राजद वाले गहरी नींद में सोए पड़े थे।" इसी दौरान, अपने संकल्प को दोहराते हुए पीएम मोदी ने कहा कि बिहार के बेटे-बेटी को यहीं रोजगार और सम्मान की जिंदगी मिले, वह परिवार की देखभाल कर सकें, इसी सोच के साथ एनडीए सरकार काम कर रही है। अब बिहार में बड़े-बड़े प्रोजेक्ट बन रहे हैं। उन्होंने बताया कि गयाजी जिले में बिहार का सबसे बड़ा इंडस्ट्रियल एरिया तैयार हो रहा है।

'भारत में आतंकी हमले कराकर कोई बच नहीं सकता': पीएम मोदी

गयाजी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार की धरती से एक बार फिर देश के दुश्मनों को कड़ा संदेश दिया है। गयाजी में रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत में आतंकवादी भेजकर या हमले कराकर कोई बच नहीं सकता है। इस दौरान, उदाहरण देते हुए पीएम मोदी ने कहा कि भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के जरिए पहलगाम का बदला लिया, जिसका वादा वह बिहार की धरती से करके गए थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, "ऑपरेशन सिंदूर ने भारत की रक्षानीति की नई लकीर खींच दी है। अब भारत में आतंकी भेजकर, हमला करके कोई बच नहीं सकता। आतंकवादी चाहे पाताल में क्यों न छिप जाएं, भारत की मिसाइलें उन्हें दफन करके ही रहेंगी।"उन्होंने कहा कि बिहार चंद्रगुप्त मौर्य और चाणक्य की धरती है। जब किसी दुश्मन ने भारत को चुनौती दी है, बिहार देश की ढाल बनकर खड़ा हुआ है। अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा, "यह बिहार की धरती की ताकत है कि यहां लिया हुआ हर संकल्प कभी खाली नहीं जाता है। इसलिए जब पहलगाम में आतंकी हमला हुआ था ।

बिहार में अब, 2030 तक 1 करोड़ युवाओं को रोजगार : सीएम नीतीश

गयाजी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज बिहार के दौरे पर हैं और गयाजी में एक जनसभा को संबोधित कर रहे हैं। उनसे पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जनता से बात की और अपनी सरकार के कामों और उपलब्धियों के बारे में विस्तार से बताया। सीएम नीतीश कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि बिहार की तस्वीर पिछले दो दशकों में पूरी तरह बदल चुकी है। उन्होंने याद दिलाया कि 2005 से पहले राज्य की हालत बेहद खराब थी, लेकिन हमारी सरकार बनने के बाद से हर क्षेत्र में विकास का काम हुआ है। उन्होंने कहा कि जब 24 नवंबर 2005 को हमारी सरकार सत्ता में आई, एनडीए सरकार, जिसमें भाजपा और जेडी(यू) शामिल थे, हमने तुरंत काम करना शुरू कर दिया। पिछली सरकार ने कुछ नहीं किया था। लेकिन, जब से हमारी सरकार आई है, हमने पूरे बिहार में एक-एक करके परियोजनाओं को लागू करना शुरू कर दिया है। हम बिहार के विकास के लिए हर दिशा में काम कर रहे हैं, और हर जगह प्रगति देखी जा सकती है। नीतीश कुमार ने कहा कि पहले बिहार का कितना बुरा हाल था।

रिसर्च एथिक्स एंड एकेडेमिक इंटीग्रिटी' विषय पर प्रशिक्षण कार्यशाला का समापन

शोध की प्रामाणिकता और नैतिकता का आधार शोधकर्ता की ईमानदारी है : प्रो. प्रेम नारायण सिंह

एजेंसी। वाराणसी

अंतर विश्वविद्यालय अध्यापक शिक्षा केन्द्र वाराणसी एवं सूचना पुस्तकालय नेटवर्क केन्द्र (इनफ्लिबनेट), गांधीनगर, गुजरात के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित पांच दिवसीय लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन आईयूसीटीई परिसर में हुआ। समापन सत्र का शुभारम्भ मंगलाचरण, मां सरस्वती एवं महामना मदन मोहन मालवीय की प्रतिमा पर पुष्पांजलि तथा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता निदेशक, आईयूसीटीई प्रो. प्रेम नारायण सिंह जी ने की। उन्होंने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि "शोध की प्रामाणिकता और नैतिकता का आधार शोधकर्ता की व्यक्तिगत ईमानदारी है। सत्यनिष्ठ शोध ही समाज को वास्तविक लाभ पहुँचा सकता है और समाज को सार्थक योगदान दे सकता है।" आईयूसीटीई के संकाय प्रमुख (शिक्षण व शोध) प्रो. आशीष श्रीवास्तव ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रशिक्षण से अर्जित ज्ञान को केवल प्रमाणपत्र तक सीमित न रखें, बल्कि उसे समाजहित और जनकल्याण में प्रयोग करें। उन्होंने शोध को "सामाजिक परिवर्तन और मानवता की सेवा" का आधार बताया। वहीं प्रो. अजय कुमार सिंह आईयूसीटीई, वाराणसी ने कहा कि नैतिकता और ईमानदारी अंतःकरण से उपजती हैं, डिजिटल उपकरण केवल सहायक हैं, वे मानवीय संवेदना और विवेक का स्थान नहीं ले सकते। सूचना एवं पुस्तकालय नेटवर्क केन्द्र, गांधीनगर की डॉ. सुरभि ने शोधार्थियों से आग्रह किया कि वे नैतिक सिद्धांतों को अपने कार्यक्षेत्र में प्रसारित करें और ज्ञान को समाज के हित में नेतृत्वकारी रूप से प्रयोग करें। कार्यक्रम के अंतिम दिन कई महत्वपूर्ण व्याख्यान हुए। जिसमें डॉ. सुरभि ने "नेशनल फ्रेमवर्क्स एंड रिसर्च इनीशिएटिव्स बाई इन्फ्लिबनेट सेंटर" पर विचार प्रस्तुत किए। डॉ. डी.के. सिंह (सयाजीराव गायकवाड़ केन्द्रीय पुस्तकालयाध्यक्ष, बीएचयू) ने "डिज़ाइन थिंकिंग मॉडल और शोध प्रकाशन में मौलिकता" विषय पर चर्चा की और साहित्यिक चोरी से बचने के उपाय बताए। डॉ. कृति त्रिवेदी (इन्फ्लिबनेट सेंटर) ने ऑनलाइन माध्यम से "इंट्रोडक्शन टू रिसर्च मेट्रिक्स" एवं "स्कॉलरली इम्पैक्ट इंडीकेटर्स" पर व्याख्यान दिए और शोधार्थियों को एच-इंडेक्स, आई10 इंडेक्स, इम्पैक्ट फैक्टर जैसे अंतर्राष्ट्रीय मानकों से अवगत कराया। इस पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में झारखंड, बिहार, दिल्ली, गुजरात, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश सहित 11 राज्यों से कुल 48 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन एवं समन्वयन डॉ. चक्रधर राणा और डॉ सुनील त्रिपाठी ने किया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने रिसर्च एथिक्स, डिजिटल टूल्स, एकेडेमिक इंटीग्रिटी, रिसर्च मेट्रिक्स और प्रकाशन की गुणवत्ता से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर गहन जानकारी प्राप्त की। और प्रतिभागियों ने कार्यशाला का फीडबैक भी दिया इसी दौरान डॉ. दीपक प्रसाद ने कहा कि शोध में अनुशासन अत्यंत आवश्यक है। अनुशासन के साथ ही किसी भी कार्य को सही अंजाम तक पहुँचाया जा सकता है। पाँच दिवसीय इस प्रशिक्षण का संचालन जिस अनुशासित ढंग से हुआ, वह सराहनीय है। शोध की नैतिकता में अनुशासन को प्रथम स्थान प्राप्त है और प्रतिभागियों को इसे अपने कार्य में उतारना चाहिए। अंत में सभी ने इस ज्ञान को अपने शोध और शिक्षण में लागू करने का संकल्प लिया।

संविधान संशोधन | पीएम-सीएम को हटाने वाले बिल पर पहली बार मोदी बोले

कोई छोटा कर्मचारी सस्पेंड हो सकता है तो पीएम क्यों नहीं?

- 30 दिन में जमानत न मिलने पर नेता को पद छोड़ना होगा

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को संसद में हाल ही में पेश किए गए संविधान संशोधन विधेयक का बचाव किया, जो केंद्र को जेल में बंद किसी भी मंत्री को बर्खास्त करने का अधिकार देता है। बिहार के गयाजी में एक रैली में बोलते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अगर किसी सरकारी कर्मचारी को 50 घंटे की जेल होती है, तो उसे नौकरी से निलंबित कर दिया जाता है। उन्होंने पूछा कि ऐसा ही नियम प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या मंत्रियों पर क्यों नहीं लागू होना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि अगर किसी सरकारी कर्मचारी को 50 घंटे की जेल हो जाती है, तो उसकी नौकरी अपने आप चली जाती है, चाहे वह ड्राइवर हो, क्लर्क हो या चपरासी। लेकिन एक मुख्यमंत्री, एक मंत्री या यहाँ तक कि एक प्रधानमंत्री जेल से भी सरकार में बने रहने का आनंद ले सकता है। उन्होंने कहा कि कुछ समय पहले, हमने देखा कि कैसे जेल से फाइलों पर हस्ताक्षर किए जा रहे थे और कैसे जेल से सरकारी आदेश दिए जा रहे थे। अगर नेताओं का ऐसा रवैया है, तो हम भ्रष्टाचार से कैसे लड़ सकते हैं। एनडीए सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ कानून लेकर आई है, और प्रधानमंत्री भी इसके दायरे में आते हैं। मोदी ने कहा कि राजद, कांग्रेस और वामपंथी दल इस कानून का विरोध कर रहे हैं। वे बहुत गुस्से में हैं। कौन नहीं जानता कि वे किससे डरते हैं?... उन्हें लगता है कि अगर वे जेल गए, तो उनके सारे सपने चकनाचूर हो जाएंगे। वे इतने घबराए हुए हैं कि वे एक ऐसे कानून का विरोध कर रहे हैं जो जनहित में है। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ एक ऐसा कानून लाई है, जिसके दायरे में देश का प्रधानमंत्री भी आता है। इस कानून में मुख्यमंत्री और मंत्री भी शामिल किए गए हैं। इस कानून के बनने के बाद, अगर कोई मुख्यमंत्री, मंत्री या प्रधानमंत्री गिरफ्तार होता है, तो उसे 30 दिन के भीतर जमानत लेनी होगी, और अगर जमानत नहीं मिली तो 31वें दिन उसे कुर्सी छोड़नी पड़ेगी।

भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस, कोई नहीं बचेगा : पीएम

विपक्ष पर वार करते हुए उन्होंने कहा कि हमारे देश में चाहे कांग्रेस हो या आरजेडी, इनकी सरकारों ने कभी जनता के पैसों का मोल नहीं समझा... इनके लिए जनता के पैसों का मतलब सिर्फ अपनी तिजोरी भरना रहा है। इसी वजह से इनकी सरकारों में सालों-साल तक परियोजनाएँ पूरी नहीं होती थीं। कोई योजना जितनी लटकती थी, ये उतना ही पैसा उसमें कमा लेते थे। उन्होंने कहा कि इतने वर्षों में हमारी सरकार पर भ्रष्टाचार का एक भी दाग नहीं लगा, जबकि आज़ादी के बाद कांग्रेस की सरकारें जो 60-65 साल तक सत्ता में रहीं, उनके भ्रष्टाचारों की एक लंबी सूची है। आरजेडी का भ्रष्टाचार तो बिहार का बच्चा-बच्चा जानता है। मेरा साफ मानना है कि अगर भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई को अंजाम तक पहुंचाना है, तो कोई भी कार्रवाई से बाहर नहीं होना चाहिए।

एमएफएन कंटेंडर्स सीरीज में झारखंड के स्वास्तिक के दिखाया अपना दम

रांची । 22-24 अगस्त तक शहीद विजय सिंह पथिक इनडोर स्टेडियम ग्रेटर नोएडा में चल रही एमएफएन (मैट्रिक्स फाइट नाइट) कंटेंडर सीरीज में झारखंड के स्वस्तिक कुमार ने अपना परचम लहराते हुए आज हुए मुकाबले में महाराष्ट्र के फाइटर से एकतरफा जीत के साथ अपना आगाज कर दिया है। महज 1 मिनट से भी कम समय में महाराष्ट्र के खिलाड़ी को नॉकआउट कर दिया मैट्रिक्स फाइट नाइट का एक फॉर्मेट है। यह भारत में एमएमए (मिश्रित मार्शल आर्ट) के उभरते हुए। और होनहार फाइटर्स को एक बड़ा प्लेटफॉर्म देने के उद्देश्य से शुरू किया गया था। यह एक तरह का "फीडर" इवेंट है, जिसका मतलब है कि इसमें अच्छा प्रदर्शन करने वाले फाइटर्स को एमएफएन के मुख्य इवेंट "अंतर्राष्ट्रीय फाइट नाइट" में लड़ने का मौका मिलता हैं, इसका संचालन भारतीय फिल्म जगत के सुपरस्टार टाइगर श्रॉफ करते हैं, एमएफएन दावेदार श्रृंखला भारतीय एमएमए फाइटर्स के लिए एक लॉन्चपैड है, फाइटर बड़े मंचों पर अपनी पहचान बना सकते हैं, एमएफएन दावेदार श्रृंखला भारतीय एमएमए फाइटर्स के लिए एक लॉन्चपैड है। फाइटर बड़े मंचों पर अपनी पहचान बना सकते हैं। इसका मुख्य उद्देश्य संपूर्ण भारत के एमएमए खिलाड़ियों को पहचानना और उन्हें विश्व पटल पर विख्यात यूएफसी जैसे मंच प्रदान करना होता है, खिलाड़ी पूरे देशभर से इसमें हिस्सा लेते हैं। इसमे जीतने पर उन्हें एमएफएन के साथ प्रोफेशनल कॉन्ट्रैक्ट मिलता है। रांची के मेनरोड में 360 स्पोर्ट्स क्लब में स्वस्तिक कुमार पिछले कई वर्षो से कोच सुदामा वर्मा व सह कोच मोहित कुमार के देखरेख में प्रषिक्षण प्राप्त कर रहे है। अब स्वस्तिक कुमार खिलाड़ी एमएफएन (प्रतियोगी श्रृंखला)खेलने वाले झारखंड के प्रथम खिलाड़ी बन गए हैं।

उत्तम राज को मिला सम्मान

झारखंड वॉलीबॉल संघ के सचिव चुने जाने के उपलक्ष्य में सीसीएल ने किया सम्मानित

रांची । झारखंड बॉलीबॉल संघ के नवनिर्वाचित सचिव उत्तम राज को आज सीसीएल के दरभंगा हाउस स्थित खेल विभाग की ओर से भव्य सम्मान समारोह में सम्मानित किया गया। यह सम्मान समारोह उनके संगठनात्मक योगदान और राज्य में बॉलीबॉल खेल के विकास को नई दिशा देने की उनकी भूमिका की सराहना स्वरूप आयोजित किया गया। इस अवसर पर सीसीएल खेल विभाग के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं खेलप्रेमी बड़ी संख्या में मौजूद रहे। मुख्य अतिथि के रूप में राकेश पाठक, उपेंद्र तिवारी, राणा प्रताप सिंह,राजेश यादव, रविंद्र शर्मा, जी. मिश्रा, सतीश चौधरी, अर्जुन मुंडा, श्री सतीश राव, आशीष बरुआ, अजय श्रीवास्तव तथा श्री गंगाराम विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी ने उत्तम राज को सचिव पद की जिम्मेदारी मिलने पर शुभकामनाएं दीं और उनके नेतृत्व में झारखंड में बॉलीबॉल के उज्ज्वल भविष्य की आशा व्यक्त की। इसके अतिरिक्त झारखंड वॉलीबॉल संघ की ओर से विश्वनाथ सिंह एवं कार्यकारी सचिव श्री संजय कुमार एवं निशिकांत पाठक भी कार्यक्रम में शामिल हुए। दोनों ने झारखंड बॉलीबॉल संघ की ओर से सचिव पद पर उत्तम राज के निर्वाचन का स्वागत किया और राज्य के वॉलीबॉल परिवार की ओर से उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि उत्तम राज के नेतृत्व में झारखंड में बॉलीबॉल खेल नई ऊंचाइयों तक पहुंचेगा। उनका अनुभव और ऊर्जा युवा खिलाड़ियों को प्रेरित करेगी तथा राज्य को राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर पहचान दिलाने में सहायक होगी। अंत में सीसीएल खेल विभाग की ओर से उत्तम राज को शॉल, मोमेंटो एवं पुष्पगुच्छ प्रदान कर सम्मानित किया गया।

महिला विश्व कप 2025

वर्ल्ड कप शुरू होने से पहले ही शेड्यूल में हुआ बदलाव, लिया गया बड़ा फैसला

एजेंसी । नई दिल्ली

महिला वर्ल्ड कप 2025 का आयोजन भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में होना है और इसमें कुल 8 टीमों को हिस्सा लेना है। लेकिन टूर्नामेंट शुरू होने से पहले ही इसके शेड्यूल में बड़ा बदलाव किया गया है। बेंगलुरू में हुई भगदड़ के बाद अब आईसीसी ने बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में होने वाले मुकाबलों को नवी मुंबई के मैदान पर शिफ्ट करने का फैसला किया है।

भगदड़ की वजह से बेंगलुरु से हटे मैच : आईपीएल 2025 का खिताब आरसीबी की टीम ने जीता था। इसके बाद जीत की खुशी मनाने के लिए आरसीबी के प्लेयर्स बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में जमा हुए थे। वहां उन्हें देखने के लिए भीड़ उमड़ पड़ी और इसके बाद भगदड़ मचने से कई फैंस की जान चली गई। फिर कर्नाटक सरकार ने एक आयोग का गठन किया, जिसने बेंगलुरु के मैदान को बड़े आयोजनों के लिए असुरक्षित करार दिया। अब इसके बाद ही आईसीसी ने बेंगलुरु के मैदान पर मैच नहीं करवाने का फैसला किया है।

यह तस्वीर 11 अगस्त की है, जब भारतीय कप्तान **हरमनप्रीत कौर** और **स्मृति मंधाना** की मौजूदगी में मुंबई में ट्रॉफी लॉन्च की

नवी मुंबई के मैदान पर होंगे मैच

30 सितंबर को भारत और श्रीलंका के बीच मुकाबला बेंगलुरु के मैदान पर होना था, जो अब गुहावाही के मैदान पर खेला जाएगा। वहीं इंग्लैंड बनाम साउथ अफ्रीका के बीच मुकाबला भी 3 अक्टूबर को होना था, जो अब गुहावाटी में होगा। 20 अक्टूबर को श्रीलंका बनाम बांग्लादेश के बीच मुकाबला कोलंबो के मैदान पर खेला जाना था, जिसे अब नवी मुंबई के मैदान पर खेला जाएगा। दूसरी तरफ बेंगलुरु में होने वाले दो मैच नवी मुंबई को और मिले हैं। इनमें भारत बनाम न्यूजीलैंड (23 अक्टूबर) और भारत बनाम बांग्लादेश (26 अक्टूबर) के मैच शामिल हैं। इस बात की भी पूरी संभावना है कि फाइनल या तो नवी मुंबई में करवाया जाएगा और फिर श्रीलंका के कोलंबो में।

जय शाह ने कही ये बात

आईसीसी के अध्यक्ष जय शाह ने कहा कि नवी मुंबई हाल के सालों में महिला क्रिकेट का एक घर बनकर उभरा है। इंटरनेशनल मैच और वुमेंस प्रीमियर लीग के दौरान इसे जो समर्थन मिला है। वह प्लेयर्स का उत्साह बढ़ाता है। मुझे यकीन है कि यही ऊर्जा आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप के बड़े मैचों को परिभाषित करेगी, जो 12 साल बाद भारत लौट रहा है।

पीकेएल-12

कोई ऐसा रेडर नहीं दिखता जो मुझे चुनौती दे सके: गुजरात जायंट्स के कप्तान मोहम्मदरेजा शादलुई

नई दिल्ली (आईएएनएस)

गुजरात जायंट्स ने पिछले सीजन के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद इस बार प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीजन 12 के लिए एक मजबूत टीम बनाई है। इसमें कई बड़े खिलाड़ी शामिल हैं। इनमें से एक हैं ईरान के ऑलराउंडर मोहम्मदरेजा शादलूई, जो पिछले सीजन के सबसे मूल्यवान खिलाड़ी (एमवीपी) रहे थे। शादलूई ने पिछले सीजन हरियाणा स्टीलर्स को उनका पहला खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। उससे पहले वे पुनेरी पलटन के लिए भी खेल चुके हैं और पीकेएल सीजन 10 में 99 टैकल प्वाइंट और 27 रेड प्वाइंट हासिल कर टीम को चैंपियन बनाया था। इस बार शादलूई गुजरात जायंट्स के कप्तान हैं। वे कहते हैं कि कोई भी रेडर उन्हें या

उनकी टीम को चुनौती नहीं दे सकता। जियोस्टार द्वारा आयोजित पीकेएल 12 मीडिया डे पर शैडलोई ने कहा, "मैं अच्छा खेलूंगा, अच्छी टैकल करूंगा। यहां के खिलाड़ी मुझे प्यार करते हैं और मैं भी उन्हें। यह सीजन मेरे लिए बहुत अहम है। मैं टीम के लिए सब कुछ कर सकता हूं। मैं रेड भी कर सकता हूं और डिफेंड भी। मुझे पूरा भरोसा है कि कोई रेडर हमें चुनौती नहीं दे पाएगा। मैं अपने खिलाड़ियों से उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करवाऊंगा। गुजरात जायंट्स के पास बेहतरीन रेडिंग यूनिट भी है।

बीसीसीआई ने पुरुष सेलेक्शन कमेटी के लिए मंगाए आवेदन

एजेंसी । नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने पांच सदस्यीय सीनियर मेंस सेलेक्शन कमेटी में दो पदों के साथ-साथ महिला पैनल में चार पदों को भरने के लिए आवेदन आमंत्रित किए। सेलेक्टर पद के लिए पात्रता मानदंडों में पिछले कुछ सालों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। सभी आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 10 सितंबर है। फिर बाद में बीसीसीआई उम्मीदवारों के नामों पर विचार करेगी।

पुरुष सेलेक्शन कमेटी ने दो पद हैं खाली : पुरुष सेलेक्शन कमेटी में दो पद खाली है। उम्मीदवारों का सेलेक्शन कमेटी में चयन होने पर वह टेस्ट, वनडे और T20I और बीसीसीआई द्वारा किसी भी निर्धारित फॉर्मेट में टीम इंडिया (सीनियर पुरुष) का चयन करने के लिए जिम्मेदार होंगे। इसके लिए पात्रता भी निर्धारित की गई है।

बीसीसीआई ने निर्धारित की योग्यता

- न्यूनतम 7 टेस्ट मैच; या 30 फर्स्ट क्लास मैच; या 10 ओडीआई और 20 फर्स्ट क्लास मैच।
- कम से कम 5 साल पहले खेल से संन्यास लिया हो।
- बीसीसीआई की किसी भी क्रिकेट समिति का कुल 5 सालों तक सदस्य नहीं रहा हो।

सेलेक्शन कमेटी ने हाल ही में किया था एशिया कप का चयन : बीसीसीआई के एक अधिकारी ने पीटीआई से कहा कि सेलेक्टर्स के अनुबंध का हर साल नवीनीकरण किया जाता है। हमने अभी तक यह तय नहीं किया है कि किन सेलेक्टर्स को बदला जाएगा।

श्रीलंका की टीम जो विपक्षी को चुनौती दे सकती है : थिसारा परेरा

नई दिल्ली । एशिया कप की शुरुआत 9 सितंबर से होगी, जिसमें श्रीलंकाई टीम को ग्रुप-बी में रखा गया है। श्रीलंका के पूर्व क्रिकेटर थिसारा परेरा के मुताबिक इस टूर्नामेंट में श्रीलंकाई खेमा विपक्षियों को मजबूत चुनौती दे सकता है। थिसारा परेरा ने आईएएनएस से कहा, "मुझे लगता है कि इस वक्त श्रीलंकाई टीम सही दिशा में है। उम्मीद करता हूं कि वह भविष्य में बेहतर करेंगे। मैं उनको शुभकामनाएं देता हूं कि वह अपने देश के लिए शत प्रतिशत दें। मुझे लगता है कि हमारे पास शानदार टीम है, जो विपक्षी टीम को शानदार चुनौती दे सकती है।

यूएस ओपन 2025

सबालेंका को रायबाकिना से मिल सकती है चुनौती, गॉफ और स्विएटेक एक ही ग्रुप में

एजेंसी । न्यूयॉर्क

न्यूयॉर्क में होने वाले 2025 यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट के लिए विमेंस के सिंगल्स ड्रॉ की घोषणा गुरुवार को की गई। मौजूदा चैंपियन एरीना सबालेंका को इस बार खिताब बचाने के लिए कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ सकता है, क्योंकि उनका ड्रॉ काफी मुश्किल दिख रहा है। पिछले साल सबालेंका ने अमेरिका की जेसिका पेगुला को फाइनल में हराकर अपना पहला यूएस ओपन खिताब जीता था। इसके साथ ही वह आठ साल बाद पहली ऐसी महिला बनीं, जिन्होंने एक ही सीजन में दोनों हार्ड-कोर्ट ग्रैंड स्लैम (ऑस्ट्रेलियन ओपन और यूएस ओपन) जीते। सबालेंका को टूर्नामेंट में दूसरी सीड दी गई है बेलारूस सबालेंका को टूर्नामेंट में दूसरी सीड दी गई है। वह अपने खिताब बचाव की शुरुआत स्पेन की रेबेका मासारोवा के खिलाफ करेंगी। तीसरे राउंड में उनकी भिड़ंत 2021 की फाइनलिस्ट लेलाह फर्नांडिस से हो सकती है, जो हाल ही में सिटी ओपन में चैंपियन बनी थीं और 31वीं वरीयता प्राप्त हैं।

कोको गॉफ के क्वार्टर में ओसाका और मैडिसन कीज जैसी दिग्गज

अगर सबालेंका चौथे राउंड तक पहुंचती हैं, तो उनका सामना नौवीं वरीयता प्राप्त कजाकिस्तान की एलेना रायबाकिना से हो सकता है। रायबाकिना ने पिछले हफ्ते सिनसिनाटी ओपन में सबालेंका को सीधे सेटों में हराया था। क्वार्टर फाइनल पार करने पर सेमीफाइनल में सबालेंका की टक्कर फिर से जेसिका पेगुला से हो सकती है। पेगुला पहला राउंड मिस्र की मायार शरीफ के खिलाफ खेलेंगी और उनकी क्वार्टर फाइनल में पांचवीं वरीयता प्राप्त मिर्रा एंड्रीवा से भिड़ंत हो सकती है। गॉफ और स्विएटेक एक ही ग्रुप में कोको गॉफ और इगा स्विएटेक एक ही ग्रुप में हैं। दोनों ही यूएस ओपन का खिताब जीत चुकी हैं। दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी स्विएटेक पहले राउंड में कोलंबिया की एमिलियाना अरांगो से भिड़ेंगी। तीसरे राउंड में उनकी मुलाकात 29वीं वरीयता प्राप्त अन्ना कालिन्सकाया से हो सकती है, जबकि चौथे राउंड में 13वीं वरीयता प्राप्त एकातेरिना अलेक्जेंड्रोवा चुनौती पेश कर सकती हैं। अलेक्जेंड्रोवा ने पिछले साल मियामी ओपन में स्विएटेक को हराया था।

डीपीएल 2025 : सेंट्रल दिल्ली किंग्स के खिलाफ वेस्ट दिल्ली लायंस की रोमांचक जीत

नई दिल्ली (आईएएनएस)

वेस्ट दिल्ली लायंस ने दिल्ली प्रीमियर लीग 2025 (डीपीएल) के 29वें मैच को अपने नाम किया। टीम ने गुरुवार को अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में सेंट्रल दिल्ली किंग्स को तीन रन से करीबी अंतर से हराया। मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी वेस्ट दिल्ली लायंस ने निर्धारित ओवरों में आठ विकेट खोकर 178 रन बनाए।लायंस महज तीन रन पर अंकित कुमार (1) का विकेट गंवा चुकी थी। सलामी बल्लेबाज कृष यादव ने मोर्चा

संभाला, लेकिन टीम ने 65 के स्कोर तक चार विकेट खो दिए। यहां से कृष यादव ने ऋतिक शौकीन के साथ पांचवें विकेट के लिए 52 रन की साझेदारी करते हुए टीम को संभाला। कृष यादव ने 60 गेंदों में चार छक्कों और आठ चौकों की मदद से 85 रन बनाए, जबकि ऋतिक 20 रन बनाकर आउट हुए।

इनके अलावा रवनीत तंवर ने 12 गेंदों में 38 रन की तूफानी पारी खेली। विपक्षी टीम के लिए ग्रेवाल ने सर्वाधिक तीन विकेट झटके, जबकि अरुण पुंडीर और प्रांशु विजयरन के हाथ दो-दो विकेट लगे। इसके जवाब में सेंट्रल दिल्ली किंग्स निर्धारित ओवरों में छह विकेट खोकर 175 रन ही बना सकी।

व्यापार/लाइफ व साइंस

राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन ने जुलाई में 2.72 करोड़ रु का रिफंड दिलवाया, ई-कॉमर्स सेक्टर सबसे आगे

नई दिल्ली (आईएएनएस)

उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन (एनसीएच) ने जुलाई में 2.72 करोड़ रुपए का रिफंड दिलवाया और 27 क्षेत्रों में 7,256 उपभोक्ता शिकायतों का समाधान किया गया। ई-कॉमर्स क्षेत्र में रिफंड संबंधी शिकायतों की संख्या सबसे अधिक 3,594 रही, जिसके परिणामस्वरूप 1.34 करोड़ रुपए का रिफंड हुआ। इसके बाद यात्रा और पर्यटन क्षेत्र का स्थान रहा, जहां 31 लाख रुपए का रिफंड हुआ। हेल्पलाइन के तकनीकी परिवर्तन ने इसकी पहुंच और दक्षता में महत्वपूर्ण वृद्धि की है।

मंत्रालय ने बताया कि कॉल की संख्या दस गुना से भी अधिक बढ़ गई है, जो दिसंबर 2015 में 12,553 से बढ़कर दिसंबर 2024 में 1,55,138 हो गई है। इसी प्रकार, औसत मासिक शिकायत पंजीकरण 2017 में 37,062 से बढ़कर 2024 में 1,11,951 हो गए हैं। मंत्रालय के अनुसार, डिजिटल माध्यमों को अपनाने वाले उपभोक्ताओं की संख्या में भी तेज़ी आई है और वॉट्सऐप के माध्यम से शिकायत पंजीकरण मार्च 2023 में 3 प्रतिशत से बढ़कर मार्च 2025 में 20 प्रतिशत हो गया है। एनसीएच उपभोक्ताओं, सरकारी एजेंसियों, निजी क्षेत्र की कंपनियों और नियामक निकायों को एक साथ लाने वाले एक यूनिफाइड प्लेटफॉर्म के रूप में काम करता है। कन्वर्जेंस भागीदारों की संख्या 2017 में 263 से बढ़कर 2025 में 1,131 कंपनियों तक पहुंच गई। उपभोक्ता अधिकारों की रक्षा और निष्पक्ष व्यापार प्रथाओं को बढ़ावा देने के अपने अधिदेश के अनुरूप, उपभोक्ता मामले विभाग एनसीएच के माध्यम से प्राप्त शिकायत आंकड़ों की निगरानी करता है।

जांच के घेरे में सिबिल, बजाज फाइनेंस पर क्रेडिट स्कोर चेक करने के बाद आ रहे स्पैम कॉल, यूजर्स ने ऑनलाइन की शिकायत

नई दिल्ली (आईएएनएस)। भारतीयों के लिए क्रेडिट स्कोर निर्धारित करने वाली कंपनी सिबिल, ऑनलाइन यूजर्स और संसद में सवाल उठने के बाद जांच के घेरे में है। तमिलनाडु के सांसद कार्ति पी चिदंबरम ने हाल ही में लोकसभा को बताया कि इस प्रणाली में पारदर्शिता का अभाव है और उधारकर्ताओं के पास अपने क्रेडिट इतिहास में गलतियों के विरुद्ध अपील करने का कोई रास्ता नहीं है। इसकी साथ ही, कुछ यूजर्स ने शिकायत की है कि सिबिल स्कोर चेक करने के बाद, उन्हें बजाज फाइनेंश और पैसाबाजार आदि से बड़ी संख्या में स्पैम कॉल का सामना करना पड़ता है। चिदंबरम ने कहा कि कार लोन से लेकर होम लोन तक हर लोन आवेदन सिबिल स्कोर पर निर्भर करता है।

सरकारी समर्थन और प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन से देश के निजी अंतरिक्ष क्षेत्र के विकास में मिल रही है मदद : इंडस्ट्री

नई दिल्ली (आईएएनएस)। सरकार की सक्रिय नीतियों और रणनीतिक समर्थन के साथ-साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रत्यक्ष मार्गदर्शन ने भारत के निजी अंतरिक्ष इकोसिस्टम को फलने-फूलने के लिए एक मजबूत आधार तैयार किया है। यह जानकारी इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स की ओर से शुक्रवार को दी गई। एक्सपर्ट्स ने आगे कहा कि भारतीय निजी अंतरिक्ष कंपनियां अब प्रक्षेपण क्षमताओं, उपग्रह प्रौद्योगिकियों और डाउनस्ट्रीम एप्लीकेशन में इनोवेशन के क्षेत्र में अग्रणी हैं, जिससे तेजी से विकास हो रहा है और भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ रही है। यह बातें इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स की ओर से ऐसे समय पर कहीं गई हैं, जब भारत 23 अगस्त को अपना दूसरा राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस मनाने की तैयारी कर रहा है।

भारतीय शेयर बाजार लाल निशान में बंद

- मेटल और एफएमसीजी स्टॉक्स में हुई बिकवाली

मुंबई । भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार के कारोबारी सत्र में लाल निशान में बंद हुआ। इसके साथ ही बाजार में पिछले चार सत्रों से चल रही तेजी पर ब्रेक लग गया। कारोबार के अंत में सेंसेक्स 693.86 अंक या 0.85 प्रतिशत की गिरावट के साथ 81,306.85 और निफ्टी 213.65 अंक या 0.85 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,870.10 पर था। बिकवाली का नेतृत्व मेटल शेयरों ने किया, जिसके कारण निफ्टी मेटल इंडेक्स 1.25 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। इसके अलावा, एफएमसीजी, प्राइवेट बैंक और पीएसयू बैंक इंडेक्स में एक प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। केवल फार्मा, मीडिया, कंज्यूमर ड्यूरेबल, हेल्थकेयर और डिफेंस इंडेक्स हरे निशान में बंद हुआ। लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में भी बिकवाली देखी गई।

खाने को ताजा रखने के लिए बारिश में ऐसे सेट करें फ्रिज

बारिश का मौसम जहां सुकून देता है, वहीं आपके फ्रिज की कार्यक्षमता को भी प्रभावित कर सकता है। इस सीजन में वातावरण में नमी ज्यादा होती है, जिससे फ्रिज की कूलिंग प्रभावित हो सकती है। सैमसंग और Electrolux.in के मुताबिक, फ्रिज को हमेशा 1.7°C से 3.3°C के बीच में चलाना सबसे उपयुक्त होता है। लेकिन खासकर मानसून में फ्रिज को 3°C के टेंपरेचर पर चलाना सबसे बेहतर माना जाता है। कई फ्रिज मॉडल्स में 3 पर बारिश का चिन्ह भी बना होता है, जिससे यह संकेत मिलता है कि यह सेटिंग बारिश के मौसम के लिए उपयुक्त है। यदि बाहर का तापमान ज्यादा गर्म है, तो फ्रिज को 4 नंबर पर सेट करना चाहिए। इससे अंदर का तापमान संतुलित बना रहता है और खाने की चीजों पर न ज्यादा बर्फ जमती है और न ही वे जल्दी खराब होती हैं।

बारिश के मौसम में इन बातों का रखें खास ध्यान

1. **बार-बार फ्रिज न खोलें :** बारिश में हवा में नमी ज्यादा होती है और अगर आप फ्रिज बार-बार खोलते हैं, तो बाहर की नमी अंदर चली जाती है, जिससे ठंडक का संतुलन बिगड़ता है।

2. **अगर वर्फ की बूंदें जम रही हों :** यदि फ्रिज में रखे कंटेनर्स या सजियों पर बर्फ की बूंदें नजर आ रही हैं, तो यह संकेत है कि टेंपरेचर ज्यादा कम है। ऐसे में फ्रिज का टेंपरेचर थोड़ा बढ़ा दें।

3. **कॉइल की सफाई जरूरी :** फ्रिज के पीछे लगी हुई कॉइल (coil) गंदगी से ढक जाए तो कूलिंग में असर आता है। हफ्ते में एक बार गीले कपड़े से इसे साफ जरूर करें।

सही टेंपरेचर रखने के क्या फायदे होते हैं?

- **बैक्टीरिया से सुरक्षा :** सही टेंपरेचर रखने से फ्रिज में बैक्टीरिया और फंगस पनपने की संभावना कम हो जाती है, जिससे खाना लंबे समय तक सुरक्षित रहता है।
- **स्वाद बना रहता है :** अधिक ठंडा या अधिक गर्म फ्रिज का वातावरण खाने के स्वाद को बिगाड़ सकता है। सही तापमान पर रखने से उसका प्राकृतिक स्वाद और पोषक तत्व बने रहते हैं।
- **ऊर्जा की बचत :** जब फ्रिज का टेंपरेचर सही सेटिंग पर होता है, तो कंपरेसर कम मेहनत करता है, जिससे बिजली की खपत भी कम होती है।

मानसून में कैसे करें फ्रिज की सही देखभाल? : *बारिश के मौसम में फ्रिज की देखभाल करना बहुत जरूरी हो जाता है। सही टेंपरेचर न केवल खाने को सुरक्षित रखता है बल्कि आपके बिजली के बिल को भी कंट्रोल करता है। ध्यान रखें कि फ्रिज को 3 से 4 के टेंपरेचर सेटिंग पर रखें, बार-बार दरवाजा न खोलें और नियमित रूप से इसकी सफाई करें। छोटी-छोटी ये आदतें आपके फ्रिज की उम्र बढ़ाएंगी और आपके खाने को बरसात में भी ताजा बनाए रखेंगी*

पलामू की जर्जर सड़कों पर डीआईजी ने जताई चिंता, कहा

सड़क बनने से गांवों को मिलेगी राहत वन विभाग की मंजूरी सबसे बड़ी बाधा

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू प्रमंडल की कई सड़कें लंबे समय से जर्जर और कच्ची पड़ी हुई हैं। इस मुद्दे को अब डीआईजी नौशाद आलम ने गंभीरता से उठाया है। शुक्रवार को मुख्यालय से हुई वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में उन्होंने इन खराब सड़कों का उल्लेख किया और कहा कि गांवों तक पक्की सड़क पहुंचाना बेहद जरूरी है।

डीआईजी ने बताया कि कई गांव आज भी कच्ची सड़कों और पगडंडियों पर निर्भर हैं। सबसे खराब स्थिति खैरादोहर से शिल्दा कला होते हुए गोरेथान तक की है, जहां पूरी तरह कच्चा रास्ता है। वहीं, गोरेथान से बरखार, रजडेरवा और सकसपुर तक का इलाका घने जंगल से घिरा है, जहां सिर्फ पगडंडी रह गई है। इसके अलावा वैरायोडर, सिलयाकाला, बरखार, रजडेरवा और शाहपुर से हुलसी घाट तक की सड़कें भी बेहद जर्जर हालत में हैं। बरसात के दिनों में इन रास्तों पर कीचड़ और फिसलन से लोगों का चलना-फिरना मुश्किल हो जाता है। कहीं टूटी-फूटी सड़कें हैं तो कहीं सिर्फ पगडंडी बची है। बरसात के दिनों में इन रास्तों पर लोगों और वाहनों का चलना मुश्किल हो जाता है।

उन्होंने कहा कि इन इलाकों में हजारों की आबादी रहती है। गांवों में अब भी लोग मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं। सड़क नहीं होने के कारण न सिर्फ ग्रामीणों को परेशानी होती है बल्कि प्रशासन और पुलिस की पहुंच भी सीमित हो जाती है। उन्होंने बताया कि यह सभी सड़कों की कुल लंबाई करीब 25 किलोमीटर के आसपास है।

डीआईजी आलम ने कहा कि सड़कें बनने से गांववालों को सुविधा मिलेगी, बच्चों की पढ़ाई और मरीजों की आवाजाही आसान होगी। साथ ही पुलिस-प्रशासन भी बिना दिक्कत इन इलाकों तक पहुंच पाएगा।

उन्होंने यह भी बताया कि इन योजनाओं को पूरा करने में सबसे बड़ी रुकावट वन और पर्यावरण विभाग की मंजूरी है। कई सड़कें नक्सल प्रभावित क्षेत्रों से होकर गुजरती हैं और इन इलाकों में जंगलों की भरमार है। मंजूरी न मिलने के कारण काम सालों से अटका हुआ है।

मुख्यालय ने इस मुद्दे पर गंभीरता दिखाई है। इसी कड़ी में 22 अगस्त को रांची में एक उच्चस्तरीय बैठक बुलाई गई है। इसमें पलामू समेत प्रमंडल की सभी लंबित सड़क योजनाओं की समीक्षा की जाएगी। बैठक में संबंधित विभागों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए जाएंगे।

डीआईजी ने उम्मीद जताई कि इस बैठक के बाद सड़क निर्माण कार्यों को तेज़ी मिलेगी और जल्द ही ग्रामीणों को जर्जर सड़कों की समस्या से राहत मिलेगी।

झांसा देकर 6 लाख के गहने उड़ाए

मेदिनीनगर। शहर थाना क्षेत्र के सुदना रोड नंबर 10 में ठगों ने दिनदहाड़े बड़ी वारदात को अंजाम दिया। जानकारी के अनुसार नवीन सिंह की पत्नी सुनीता सिंह से ठगों ने गहना साफ करने का झांसा देकर करीब 6 लाख रुपये मूल्य के सोने के गहने उड़ा लिए। शाम को बाइक से आए दो युवक खुद को कंपनी का कर्मचारी बताते हुए महिला के घर पहुंचे। उन्होंने मुफ्त में गहना साफ करने की बात कही। पहले महिला की अंगूठी साफ कर चमकदार बनाकर लौटा दी। उस पर भरोसा कर महिला ने सोने की चेन भी उनके हवाले कर दी। ठगों ने चेन को पानी और पाउडर मिले मग में डाल दिया और महिला से कहा कि कुछ देर बाद निकाल कर देखिए। इसके बाद वे मौके से चलते बने। जब महिला ने मग की जांच की तो चेन गायब थी। महिला ने तुरंत इसकी शिकायत शहर थाना में दर्ज कराई। थाना प्रभारी ज्योति लाल रजवार ने बताया कि एफआईआर दर्ज कर ली गई है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश जारी है। उन्होंने बतया कि महिला के झांसा देकर तीन चेन व दो अंगुठी को साफ करने के लिए मग में डालकर चमकाने की बात कही और फरार हो गया। जिसकी कुल कीमत करीब छह लाख रुपये हैं।

जनसंघ काल के नेता बृजमोहन भगत का निधन

चंदवा। जनसंघ काल के वरिष्ठ नेता बृजमोहन भगत (70 वर्ष) का शुक्रवार की सुबह निधन हो गया। तबीयत बिगड़ने पर उन्हें चंदवा सीएचसी ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। वे अपने पीछे पत्नी, एक पुत्र और एक पुत्री छोड़ गए हैं। उनका अंतिम संस्कार शनिवार सुबह 10 बजे मुक्तिधाम में किया जाएगा। उनके निधन से क्षेत्र में शोक की लहर है।

पंचायत हामी में कांग्रेस का संगठन सृजन मंथन कार्यक्रम सम्पन्न

महुआडांड़। प्रखंड के हामी पंचायत में शुक्रवार को कांग्रेस का पंचायत स्तरीय संगठन सृजन मंथन कार्यक्रम उत्साहपूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का आयोजन प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, जिला प्रभारी सह पूर्व सांसद धीरज प्रसाद साहू, विधानसभा सभापति रामचंद्र सिंह और सह प्रभारी डॉ. अजय शाहदेव के निर्देश पर किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष अभय मिंज और मंडल अध्यक्ष नुरुल हसन अंसारी ने की। मौके पर पंचायत कमिटी का विस्तार कर नवनियुक्त पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

विश्रामपुर अनुमंडलीय पुलिस पदाधिकारी कार्यालय का डीआईजी नौशाद आलम ने किया निरीक्षण

- अनुशासन और त्वरित कार्यशैली की सराहना, पुलिस मुख्यालय को भेजेंगे नए पद सृजन का सुझाव

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। निर्धारित कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को पलामू डीआईजी नौशाद आलम ने विश्रामपुर अनुमंडलीय पुलिस पदाधिकारी के कार्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कार्यालय की कार्यप्रणाली, अभिलेखों की स्थिति और पुलिसकर्मियों की तैनाती का बारीकी से जायजा लिया।

निरीक्षण के बाद डीआईजी ने कहा कि कम समय में कार्यालय में कार्यों की बेहतर व्यवस्था दिखना सराहनीय है। उन्होंने बताया कि 20 मिनट के भीतर पुलिस लाइन से अनुमंडलीय कार्यालय तक बल की पहुंच और गार्ड की व्यवस्था यह दर्शाती है कि पुलिस कर्मियों में अनुशासन और तत्परता है।हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि एक-दो कमियां महसूस हुई हैं, जिनके समाधान हेतु वह पुलिस मुख्यालय को सुझाव भेजेंगे। डीआईजी ने स्पष्ट किया कि वर्तमान में विश्रामपुर एसडीपीओ का कार्यक्षेत्र व्यापक है, जिसमें विश्रामपुर और आसपास के 5-6 थाने शामिल हैं। साथ ही, उन्हें मुख्यालय के कार्यों की जिम्मेदारी भी उठानी पड़ती है। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक कामकाज और फील्ड भ्रमण, दोनों जिम्मेदारियां अलग-अलग प्रकृति की हैं। ऐसे में पलामू हेड क्वार्टर डीएसपी का एक अलग से पद सृजित होना चाहिए। मैं इसके लिए पुलिस मुख्यालय को प्रस्ताव भेजूंगा। निरीक्षण के दौरान डीआईजी ने पुलिसकर्मियों को निष्ठा और पारदर्शिता के साथ जनता की सेवा करने का निर्देश भी दिया।

लातेहार में जल जीवन मिशन व स्वच्छ भारत मिशन की समीक्षा बैठक

सीजीएलएम पृथक्करण केंद्र का उद्घाटन

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के प्रधान सचिव मस्त राम मीणा की अध्यक्षता में शुक्रवार को समाहरणालय सभागार में जल जीवन मिशन एवं स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) चरण-2 की समीक्षा बैठक हुई।बैठक में फंक्शनल हाउसहोल्ड टैप कनेक्शन, जल गुणवत्ता परीक्षण, जियो टैगिंग और छूटे घरों को योजना से जोड़ने की प्रगति पर चर्चा हुई। धीमी प्रगति पर चिंता जताते हुए अधिकारियों को समयबद्ध कार्य पूरा करने का निर्देश दिया गया।प्रधान सचिव ने कहा कि— "जल जीवन मिशन का उद्देश्य हर ग्रामीण परिवार तक शुद्ध व सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराना है। लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।"उन्होंने चेतावनी दी कि संवेदक और अभियंता कार्य में लापरवाही करेंगे तो कठोर कार्रवाई होगी।इसके बाद उन्होंने पेयजल एवं स्वच्छता कार्यालय परिसर में सीजीएलएम (क्लीन एंड ग्रीन लातेहार) के द्वितीय पृथक्करण केंद्र और बुनियादी विद्यालय में पृथक्करण मशीन का उद्घाटन किया। साथ ही बहुउद्देशीय भवन स्थित तृतीयक पृथक्करण केंद्र का निरीक्षण किया और दीदियों को मानदेय का चेक प्रदान किया। बैठक में अभियान निदेशक रमेश घोलप, स्वच्छ भारत मिशन डायरेक्टर मनोहर मरांडी, उप विकास आयुक्त सैय्यद रियाज अहमद सहित कई अधिकारी उपस्थित रहे।

यूरिया की किल्लत से बेहाल किसान, प्रशासन से दखल की मांग

भाजपा नेता रविराज बोले– समय रहते व्यवस्था नहीं हुई तो बर्बाद हो जाएगी फसल

नवीन मेल संवाददाता

चंदवा। प्रखंड क्षेत्र में यूरिया खाद की भारी किल्लत ने किसानों की परेशानी बढ़ा दी है। करीब 10 हजार किसान यूरिया के अभाव में फसलों को बचाने की जद्दोजहद कर रहे हैं। खेतों में पीलापन दिखना शुरू हो गया है। भाजपा नेता रविराज ने प्रशासन से मांग की है कि यूरिया की आपूर्ति तत्काल सुनिश्चित की जाए, अन्यथा धान और मक्के की फसल पूरी तरह बर्बाद हो जाएगी। उन्होंने कहा कि अधिकांश किसान खेती पर निर्भर हैं और यही उनकी आजीविका का मुख्य साधन है। उन्होंने जिला प्रशासन, कृषि पदाधिकारी और अंचलाधिकारी से अपील की है कि दुकानों और डिस्ट्रीब्यूटर के स्टॉक की जानकारी सार्वजनिक की जाए ताकि कालाबाजारी पर रोक लग सके।

महुआडांड़ बाजार में यूरिया खाद की भारी किल्लत

- कालाबाजारी में 500-600 रुपये में बिक रहा खाद, फसल चौपट होने की आशंका

महुआडांड़। प्रखंड मुख्यालय बाजार में इन दिनों यूरिया खाद की भारी किल्लत ने किसानों की परेशानी बढ़ा दी है। किसान दुकानों का चक्कर काट रहे हैं लेकिन उन्हें खाद समय पर नहीं मिल पा रहा है। सौदागर अंसारी और जुगल मिंज सहित कई किसानों ने बताया कि धान और मक्के की फसल की ग्रोथ के लिए यूरिया की बेहद जरूरत है, लेकिन बाजार से खाद गायब है। आरोप है कि चोरी-छिपे कालाबाजारी में यूरिया 500 से 600 रुपये प्रति बोरी बेचा जा रहा है। किसानों को आसपास के अन्य प्रखंडों से ऊंचे दाम पर खाद खरीदकर लाना पड़ रहा है। किसानों ने आशंका जताई है कि समय पर खाद नहीं मिलने से धान और मक्के की फसल बर्बाद हो सकती है। खाद दुकानदारों ने बताया कि बाजार में स्टॉक उपलब्ध नहीं है और दाम ज्यादा होने से खरीदारी भी प्रभावित हो रही है। किसानों ने प्रशासन से तत्काल यूरिया खाद उपलब्ध कराने की मांग की है।

झामुमो 24 को केन्द्र सरकार का पुतला दहन करेगी

लातेहार। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की जिला इकाई 24 अगस्त को केन्द्र सरकार के खिलाफ पुतला दहन करेगी। जिला मीडिया प्रभारी सुशील कुमार ने बताया कि कार्यक्रम पूर्व मंत्री बैजनाथ राम के आवास से रैली के रूप में शुरू होगा और समाहरणालय गेट पहुंचकर पुतला दहन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह विरोध प्रदर्शन केन्द्र सरकार के कथित अवैधानिक बिल के खिलाफ किया जा रहा है।

फ्रेंड्स क्लब ने किया फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन

चंदवा। फ्रेंड्स क्लब चकला के तत्वावधान में करमा पर्व के मौके पर फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया जाएगा। टूर्नामेंट 25 अगस्त से ग्राम पंचायत चकला स्थित खेल मैदान में शुरू होगा। विजेता टीम को 51,000 रुपये नकद, खस्सी, शील्ड और मेडल दिया जाएगा। पविजेता को 25,000 रुपये नकद सहित पुरस्कार मिलेगा। तीसरे व चौथे स्थान पर रहने वाली टीमों को भी नकद इनाम और खस्सी दी जाएगी। प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए 2100 रुपये प्रवेश शुल्क तय किया गया है।

मॉडल विद्यालय बालूमाथ में बिजली-पानी की समस्या

नवीन मेल संवाददाता

बालूमाथ। लातेहार जिला परिषद उपाध्यक्ष अनीता देवी ने मकईयाटांड स्थित धाधू रोड पर संचालित मॉडल विद्यालय बालूमाथ में बिजली और पानी की समस्या को लेकर संज्ञान लिया है। विद्यालय के प्रधानाचार्य विजय कुमार ने पत्र लिखकर बताया कि विद्यालय में लगाया गया ट्रांसफार्मर चोरी हो जाने के कारण बिजली आपूर्ति बाधित है। बिजली नहीं रहने से समरसेबल चालू नहीं हो पा रहा है, जिससे पानी की भारी किल्लत है। बिजली के अभाव में। सीटी लैब, कंप्यूटर लैब, पंखा, बल्ब और इन्वर्टर बंद पड़े हैं। पानी नहीं मिलने से बच्चों, खासकर बच्चियों को शौचालय उपयोग में दिक्कत हो रही है। एमडीएम योजना के लिए भी रसोइयों को बाहर से पानी लाना पड़ रहा है। अनीता देवी ने कहा कि— "बालूमाथ का एकमात्र मॉडल विद्यालय होने के बावजूद बुनियादी समस्याओं पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। प्रशासनिक उदासीनता से विद्यालय की पहचान धूमिल हो रही है।" उन्होंने जिला शिक्षा अधीक्षक और जिला शिक्षा पदाधिकारी से जल्द से जल्द समस्या का समाधान करने की अपील की है।

पति-पत्नी को अलग-अलग मंच पर सम्मान

पूनम जायसवाल को सर्वश्रेष्ठ पंचायत अवार्ड, डॉ. कौशल को पर्यावरण सम्मान

नवीन मेल संवाददाता

छतरपुर। डाली पंचायत की मुखिया पूनम जायसवाल और उनके पति पर्यावरणविद ट्री मैन डॉ. कौशल किशोर जायसवाल को अलग-अलग मंचों पर सम्मानित किया गया।पूनम जायसवाल को पंचायती राज विभाग की ओर से "सर्वश्रेष्ठ विकसित पंचायत" का अवार्ड मिला। वहीं डॉ. कौशल को रांची में पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में योगदान के लिए सम्मानित किया गया।पूनम ने कहा कि उनका परिवार पिछले आठ पंचायत चुनावों में छह बार जीत दर्ज कर चुका है और पंचायत को आदर्श बनाने का प्रयास लगातार जारी है। डॉ. कौशल ने बताया कि उन्होंने निजी खर्च से 18 किलोमीटर सड़क, 200×200 का तालाब, 18 चापाकल, पार्क और शिक्षा व स्वास्थ्य की सुविधाएं उपलब्ध कराई हैं।

राज्य स्तरीय गतका प्रतियोगिता में संत मरियम स्कूल के 11 खिलाड़ी चयनित

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू जिले के संत मरियम स्कूल ने एक बार फिर अपने प्रदर्शन से क्षेत्र का मान बढ़ाया है। धनबाद के अमाघाटा स्थित क्रेडों वर्ल्ड स्कूल में 23 से 24 अगस्त तक आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय गतका प्रतियोगिता में विद्यालय के 11 खिलाड़ियों का चयन हुआ है। यह चयन पलामू जिला गतका संघ की देखरेख में किया गया है। चयनित खिलाड़ियों में अंडर-11 टीम सिंगल सोती वर्ग से आर्यन कुमार, कुशाग्र शुक्ला, रोहित कुमार पासवान और राजवीर पासवान, अंडर-11 इंडिविजुअल सिंगल सोती वर्ग से अर्पित तिवारी, अंडर-11 इंडिविजुअल फरी सोती वर्ग से अभिनव सिंह, अंडर-14 गर्ल्स टीम फरी सोती से रिया कुमार, अंडर-14 ब्वॉयज इंडिविजुअल फरी सोती से पुष्कर कुमार, अंडर-14 ब्वॉयज टीम फरी सोती से अतुल सिंह, अंडर-17 गर्ल्स इंडिविजुअल सिंगल सोती से खुशबू कुमारी और अंडर-17 ब्वॉयज टीम फरी सोती वर्ग से रोशन कुमार मांझी का नाम शामिल है। सभी चयनित खिलाड़ी शुक्रवार रात धनबाद स्पेशल ट्रेन से रवाना होंगे। इनके साथ विद्यालय के खेल प्रशिक्षक सुमित वर्मन भी मौजूद रहेंगे और प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों का मार्गदर्शन करेंगे। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य आदर्श कुमार ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पूरे विद्यालय परिवार के लिए गर्व की बात है कि इतने बड़े स्तर पर 11 खिलाड़ियों का चयन हुआ है। उन्होंने कहा कि खेल केवल प्रतिस्पर्धा का माध्यम नहीं बल्कि जीवन में आत्मविश्वास, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना विकसित करने का सशक्त साधन है। उन्होंने विश्वास जताया कि संत मरियम स्कूल के खिलाड़ी अपनी मेहनत, लगन और खेल भावना से विद्यालय ही नहीं बल्कि जिले और राज्य का नाम रोशन करेंगे।

पेज एक के शेष

दिशोम गुरु शिबू...

सत्र शुरू होने से पहले मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने झारखंड विधानसभा स्थित स्पीकर कक्ष में विधानसभा अध्यक्ष रबींद्र नाथ महतो का अभिनंदन किया। ज्ञात हो कि झारखंड विधानसभा का मानसून सत्र 1 अगस्त से 7 अगस्त 2025 तक निर्धारित था। लेकिन, विगत 4 अगस्त को पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सदस्य दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन के कारण इसे अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया था। 22 अगस्त से पूरक मानसून सत्र शुरू हुआ है, जो 28 अगस्त तक चलेगा।

4296.62 लाख का...

इसके अतिरिक्त, स्वास्थ्य चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग को 44863.30 लाख रुपए, वित्त विभाग को 83583.48 लाख रुपए, मंत्रिमंडल निर्वाचन विभाग को 20243.52 लाख रुपए का प्रावधान किया गया है। 25 अगस्त को इस पर चर्चा के बाद अनुपूरक बजट पारित होगा।

मुख्यमंत्री ने दी...

प्रधानमंत्री आवास योजना, मनरेगा ई-श्रम कार्ड इत्यादि योजनाओं के लाभ से जोड़ा गया है। रिहा हुए वैसे कैदी, जिन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल पाया है, उन्हें संबंधित योजनाओं से जोड़ने का कार्य प्रक्रियाधीन है। जल्द ही सरकार द्वारा संचालित सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से उन्हें आच्छादित किया जाएगा।

वैक्सीनेशन के बाद...

अगर कोई इन नियमों की अवहेलना करता हुआ पाया गया, तो निश्चित तौर पर उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। कोर्ट ने सार्वजनिक स्थानों पर कुत्तों को फीडिंग करने की अनुमति नहीं दी है।इससे पहले, सुप्रीम कोर्ट का आदेश केवल दिल्ली-एनसीआर तक सीमित था, लेकिन अब इसे पूरे भारत में लागू करने का निर्णय लिया गया है। अदालत ने कहा कि स्थानीय अधिकारियों की निष्क्रियता के कारण यह समस्या बढ़ी है, इसलिए सख्त कदम उठाने की जरूरत है। देशभर की अदालतों में लंबित मामलों को सुप्रीम कोर्ट में स्थानांतरित करने से एकरूपता सुनिश्चित होगी और नीति को प्रभावी ढंग से लागू किया जा सकेगा। ज्ञात हो कि 11 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में आवारा कुत्तों के बढ़ते आतंक को लेकर फिक्र जाहिर करते हुए एमसीडी और न्यू दिल्ली म्युनिसिपल काउंसिल (एनडीएमसी) को तुरंत कार्रवाई करते हुए सभी आवारा कुत्तों को पकड़ने और हटाने का निर्देश दिया था। अपने फैसले में कहा था, बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लिया गया है।

कोर्ट अधीनस्थ अफसरों...

हाईकोर्ट को अपने न्यायिक अधिकारियों की समस्याओं के प्रति संवेदनशील रहना चाहिए और उनके व्यक्तिगत व पारिवारिक हालात का ख्याल रखना चाहिए। हाईकोर्ट अपने अधीनस्थ न्यायिक अधिकारियों के लिए अभिभावक होता है। ऐसे मामलों को अहम का मुद्दा नहीं बनाना चाहिए। याचिकाकर्ता एडीजे अपने बेटे की सिंगल पैरेंट हैं और अनुसूचित जाति वर्ग से आती हैं। उन्होंने हाईकोर्ट में छह माह की चाइल्ड केयर लीव मांगी थी, लेकिन उन्हें केवल तीन माह की छुट्टी मिली। इसके बाद उनका तबादला दुमका कर दिया गया। महिला एडीजे ने हाईकोर्ट को दिए गए अभ्यावेदन में अनुरोध किया था कि उन्हें या तो हजारीबाग में ही पदस्थापित रहने दिया जाए या फिर रांची अथवा बोकारो भेजा जाए, ताकि उनके बेटे की पढ़ाई प्रभावित न हो। अभ्यावेदन पर विचार न किए जाने पर उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में गुहार लगाई। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस ने शुक्रवार को याचिका पर सुनवाई के बाद हाईकोर्ट को निर्देश दिया, याचिकाकर्ता महिला एडीजे का या तो बोकारो तबादला किया जाए, या फिर उनके बच्चे के बोर्ड की परीक्षा की समाप्ति तक मार्च-अप्रैल 2026 तक हजारीबाग में ही बने रहने दिया जाए। शीर्ष अदालत ने झारखंड हाईकोर्ट को दो सप्ताह के भीतर आदेश का पालन करने को कहा है। उल्लेखनीय है कि याचिकाकर्ता महिला एडीजे को चाइल्ड केयर लीव आंशिक रूप से स्वीकृत किए जाने पर भी सुप्रीम कोर्ट ने हस्तक्षेप किया था और इस मामले में झारखंड सरकार और हाईकोर्ट रजिस्ट्री से जवाब मांगा था।

संसद भवन की...

सुरक्षा में सेंध की एक ऐसी ही घटना पिछले साल भी हुई थी, जब 20 साल की उम्र का एक व्यक्ति संसद भवन एनेक्सी में घुस गया था। इस घटना का एक कथित वीडियो भी सामने आया था, जिसमें संदिग्ध व्यक्ति, जो शॉर्ट्स और टी-शर्ट पहने हुए था, सशस्त्र सीआईएसएफ कर्मियों द्वारा पकड़े हुए दिखाई दे रहा था। तलाशी के दौरान उस व्यक्ति के पास से कोई आपत्तिजनक वस्तु नहीं मिली। वर्ष 2023 में भी संसद हमले के बरसी के दिन भारी सुरक्षा चूक की घटना हुई। सागर शर्मा और मनोरंजन डी, दो युवक संसद में जारी कार्यवाही के बीच लोकसभा कक्ष में घुस गए थे। इन लोगों ने संसद में दर्शक दीर्घा से कूदने के बाद लोकसभा कक्ष के अंदर पीले रंग का धुआं छोड़ा था। हालांकि, सदन में मौजूद सांसदों ने दोनों को दबोच लिया। उसी समय, संसद के बाहर नीलम आजाद और अमोल शिंदे ने भी पीले रंग का धुआं छोड़ा था। इस मामले में कुल 6 लोगों की गिरफ्तारी हुई थी। अन्य दो आरोपियों में महेश कुमावत और ललित झा शामिल थे। ललित झा को पूरे घटनाक्रम का मास्टरमाइंड माना जाता है। दिल्ली पुलिस ने सुरक्षा चूक मामले में पटियाला हाउस कोर्ट में 900 पन्नों से अधिक की चार्जशीट दायर की थी।

पीएम मोदी ने...

लोगों के लिए संपर्क में सुधार होगा। इस शुभारंभ के महत्व को बताते हुए, डीडीयू मंडल के एडीआरएम (अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक) दिलीप कुमार ने समाचार एजेंसी से कहा, यह मेमू ट्रेन मूल रूप से बिहार के प्रमुख बौद्ध तीर्थ स्थलों को जोड़ने वाली एक तेज सेवा है। यह वैशाली से नालंदा, फिर राजगीर और अंत में गया, सभी प्रमुख बौद्ध स्थलों तक चलेगी। उन्होंने बताया कि यह मेमू ट्रेन लगातार कम से मध्यम दूरी की यात्रा के लिए डिजाइन की गई है, जो उच्च दक्षता और बेहतर यात्री सुविधा प्रदान करती है। इसके शुभारंभ से उत्तरी छोटानागपुर और मगध क्षेत्रों को विशेष रूप से लाभ होने की उम्मीद है, क्योंकि इससे छोटे शहर और ग्रामीण क्षेत्र सीधे रेलवे मानचित्र पर आ जाएंगे। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक (डीसीएम) राजीव रंजन के अनुसार यह पहल अमृत भारत एक्सप्रेस परियोजना से भी जुड़ी है, जिसका उद्देश्य रेल यात्रा को आधुनिक बनाना है। कोडरमा-वैशाली मेमू सेवा से यात्रियों की यात्रा में पहले से ज्यादा और विश्वसनीयता में सुधार होने की उम्मीद है। वहीं, बौद्ध पर्यटन क्षेत्र को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों ही पर्यटकों के लिए एक अधिक सुलभ मार्ग के रूप में स्थापित करने की भी उम्मीद है। पीएम मोदी ने रेल, सड़क, स्वास्थ्य, आवास और स्वच्छता जैसे क्षेत्रों से जुड़ी लगभग 13,000 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का भी शिलान्यास और उद्घाटन किया। नई मेमू सेवा को संतुलित क्षेत्रीय विकास प्राप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

मोदी बोले, बीजेपी सरकार से ही होगा बंगाल में विकास

केंद्र की योजनाओं का लाभ जनता तक रोक रही टीएमसी सरकार

एजेंसी । नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी ने कोलकाता में विभिन्न मेट्रो रेलवे परियोजनाओं का उद्घाटन किया। पीएम मोदी ने जेसोर रोड मेट्रो स्टेशन से नोआपाड़ा-जय हिंद विमानबंदर मेट्रो सेवा और सियालदह-एस्प्लेनेड मेट्रो सेवा और बेलेघाटा-हेमंत मुखोपाध्याय मेट्रो सेवा को हरी झंडी दिखाई। इसके साथ ही मोदी ने मेट्रो की सवारी की और मेट्रो परियोजनाओं में शामिल स्कूली छात्रों और निर्माण श्रमिकों से बातचीत की। इस दौरान मोदी ने कहा कि आज एक बार फिर मुझे पश्चिम बंगाल में विकास को गति देने का अवसर मिला... सभी खुश हैं कि कोलकाता के सार्वजनिक परिवहन में प्रगति हुई है... मैं इन विकास परियोजनाओं के लिए कोलकाता के लोगों को बधाई देता हूं।

वहीं, कोलकाता में एक जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मैं ऐसे समय में आया हूँ जब दुर्गा पूजा की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। बड़ा बाजार से लेकर पार्क स्ट्रीट तक, कोलकाता इस उत्सव की तैयारी और सजावट में व्यस्त है। खुशी और आस्था के इस उत्सव में जब विकास का उत्सव भी जुड़ जाता है, तो खुशी दोगुनी हो जाती है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल आबादी के लिहाज से देश के सबसे बड़े राज्यों में से एक है। इसलिए जब तक पश्चिम बंगाल का सामर्थ्य नहीं बढ़ेगा, तब तक विकसित भारत की यात्रा सफल नहीं हो पाएगी। क्योंकि भाजपा मानती है, भाजपा की श्रद्धा है - जब बंगाल का उदय होगा, तभी विकसित भारत बनेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि बीते 11 वर्षों में केंद्र की बीजेपी सरकार ने पश्चिम बंगाल के विकास के लिए लगातार हर प्रकार की मदद दी है। बंगाल में नेशनल हाईवे के निर्माण के लिए जितना पैसा कांग्रेस की यूपीए सरकार ने अपने 10 साल में दिया था। उससे 3 गुना से ज्यादा पैसा हमारी भारत सरकार ने बंगाल को दिया है। रेलवे के लिए भी बंगाल का बजट पहले की तुलना में तीन गुना बढ़ाया गया है। लेकिन, बंगाल में विकास कार्यों के सामने एक बहुत बड़ी चुनौती है। चुनौती ये कि बंगाल के लिए जो पैसा हम राज्य सरकार को सीधे भेजते हैं...उसका ज्यादातर हिस्सा यहां लूट लिया जाता है।

वो पैसा टीएमसी काडर पर खर्च होता है। इसलिए गरीब कल्याण की अनेक योजनाओं में बंगाल... देश के दूसरे राज्यों से पिछड़ा हुआ है। मोदी ने कहा कि कुछ साल पहले पड़ोस में असम और त्रिपुरा के भी यही हाल थे। लेकिन जबसे असम और त्रिपुरा में भाजपा सरकार बनी है, गरीब कल्याण की योजनाओं का लाभ वहां जनता को मिलने लगा है।

आस्था और विकास का संगम

- प्रधानमंत्री मोदी बोले जब उत्सव में विकास जुड़ता है तो खुशी दोगुनी हो जाती है।
- पश्चिम बंगाल आबादी के लिहाज से देश के सबसे बड़े राज्यों में से एक है।
- बंगाल को भेजे गए फंड का बड़ा हिस्सा लूट लिया जाता है।

केंद्र की मदद, लेकिन विकास में बाधा

- बीते 11 वर्षों में केंद्र सरकार ने बंगाल को हर प्रकार की मदद दी।
- नेशनल हाईवे निर्माण के लिए कांग्रेस सरकार से 3 गुना ज्यादा फंड दिया गया।
- रेलवे के लिए भी बंगाल का बजट तीन गुना बढ़ाया गया।

इमरान के भांजे गिरफ्तार पुलिस रिमांड पर भेजे गए

इस्लामाबाद (आईएएनएस)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के दो भांजों को 9 मई 2023 के दंगों के मामले में गिरफ्तार कर लिया गया है। लाहौर पुलिस ने शुक्रवार को पुष्टि की कि इमरान की बहन अलीमा खान के बेटे शेरशाह खान को उनके घर से गिरफ्तार किया गया है। इससे एक दिन पहले उनके भाई शहरेज खान को हिरासत में लिया गया था। इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने इन गिरफ्तारियों को "अपहरण" करार देते हुए आरोप लगाया कि देश में कानून का राज खत्म होकर "जंगल का कानून" हावी हो गया है। लाहौर की एक आतंकवाद निरोधी अदालत (एटीसी) ने शुक्रवार को शहरेज खान को जिन्ना हाउस हमले के मामले में आठ दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया। अदालत ने यह आदेश पुलिस की 30 दिन की रिमांड याचिका पर दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद दिया।

अल्पसंख्यकों के लिए ना नौकरी, ना शिक्षा, पीसीएचआर ने खोली पोल

नई दिल्ली । मानवाधिकार सांसदों के आयोग (पीसीएचआर) ने राष्ट्रीय स्तर पर नए सिरे से प्रयास करने का आग्रह किया है, जहाँ सभी धर्मों और पृष्ठभूमियों के लोग समाज में समान रूप से शामिल हो सकें। पीसीएचआर ने ज़ोर देकर कहा कि सामाजिक एकता और राष्ट्रीय उन्नति तभी प्राप्त की जा सकती है जब किसी को भी हाशिए पर न रखा जाए। मीडिया ब्रीफिंग में पीसीएचआर के कार्यकारी निदेशक शफीक चौधरी, राष्ट्रीय न्याय एवं शांति आयोग के निदेशक नईम यूसुफ गिल और सम्मानित मानवाधिकार अधिवक्ता तनवीर जहान ने भी अपने विचार व्यक्त किए। ब्रीफिंग के दौरान, तनवीर जहान ने प्रतिबद्धताओं और वास्तविक प्रथाओं के बीच चल रही विसंगतियों पर प्रकाश डाला, और इस बात पर जोर दिया कि अल्पसंख्यकों को उचित अवसरों से व्यवस्थित रूप से हाशिए पर रखा जा रहा है।

बांग्लादेश में डेंगू का कहर जारी एक दिन में पांच लोगों की मौत

ढाका (आईएएनएस)। बांग्लादेश में डेंगू से एक दिन में पांच लोगों की मौत हुई है, जो इस साल का सबसे बड़ा एक दिवसीय आंकड़ा है। देश के स्वास्थ्य महानिदेशालय के अनुसार, अब तक डेंगू से मरने वालों की संख्या बढ़कर 110 हो गई है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, पिछले 24 घंटों में सुबह 8 बजे तक 311 नए मरीज सामने आए, जिससे इस साल डेंगू संक्रमण के कुल मामले बढ़कर 27,782 हो गए हैं। साल 2024 में बांग्लादेश में डेंगू के एक लाख से ज्यादा मामले और 575 मौतें दर्ज की गई थीं, जबकि 2023 में डेंगू से 1,705 लोगों की जान गई थी, जो अब तक का सबसे बड़ा वार्षिक आंकड़ा है। डेंगू एक वायरल बीमारी है जो एडीज मच्छरों के काटने से फैलती है। इसके लक्षणों में तेज बुखार, सिरदर्द, थकान, मांसपेशियों और जोड़ों में तेज दर्द, ग्रंथियों में सूजन, उल्टी और चकत्ते शामिल हैं।

कोकीन की खेती नष्ट करने जा रहे पुलिस हेलिकॉप्टर पर भी ड्रोन हमला

अबतक 18 की हुई मौत

बोगोटा । कोलंबिया में गुरुवार को दो अलग-अलग हमलों में 18 लोगों की मौत हो गई। कोलंबिया के कैली शहर में गुरुवार को एयर बेस के पास एक ट्रक में बम विस्फोट हुआ। इसमें 6 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 71 से ज्यादा लोग घायल हुए है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ये धमाका मार्को फिदेल सुआरेज सैन्य एविएशन स्कूल के पास हुआ। इससे कुछ घंटे पहले, कोकीन की फसलों को खत्म करने के लिए जा रहे पुलिसकर्मियों के हेलिकॉप्टर पर ड्रोन से हमला हुआ। जिसमें 12 पुलिस अधिकारी मारे गए थे। कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेत्रो ने कहा कि इन हमलों के पीछे विद्रोही संगठन एफएआरसी के गुटों का हाथ है। एफएआरसी का मकसद कोलंबियन सरकार को उखाड़ फेंकना है। हालांकि, 2016 में एक शांति समझौते के बाद ये संगठन भंग हो गया था, लेकिन कई इलाकों में ड्रग्स सप्लाई में ये अभी भी एक्टिव है।

साउथ अमेरिका के पास समुद्र में 7.5 तीव्रता का भूकंप

सुनामी का खतरा टला, जानमाल के नुकसान की जानकारी नहीं...

एजेंसी । सैंटियागो/ ब्यूनस आयर्स

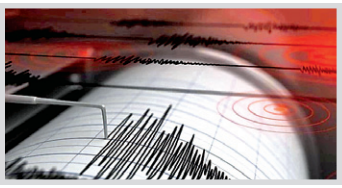

साउथ अमेरिका के तट के पास 7.5 तीव्रता का भूकंप आया है। फिलहाल किसी तरह के नुकसान की जानकारी नहीं है। भूकंप की जानकारी देने वाली अमेरिकी संस्था यूएसजीएस के मुताबिक इस भूकंप का केंद्र अर्जेंटीना के दक्षिण में ड्रेक पैसेज के पास 11 किमी की गहराई में था। ड्रेक पैसेज साउथ अमेरिका के दक्षिणी सिरे (केप हॉर्न) और अंटार्कटिका के बीच का समुद्री रास्ता है। यह अटलांटिक और प्रशांत महासागर को जोड़ता है। इसे बहुत तूफानी और खतरनाक माना जाता है। इसका नाम सर फ्रांसिस ड्रेक के नाम पर रखा गया है। चिली की नेवी हाइड्रोग्राफिक और ओशनोग्राफिक सर्विस ने पूरे अंटार्कटिका क्षेत्र के लिए सुनामी की चेतावनी जारी की थी। हालांकि, अब इस चेतावनी को हटा दिया गया है। इससे पहले मई 2025 में भी इस इलाके में 7.5 तीव्रता का भूकंप आया था।

पिछले महीने रूस में 8.8 तीव्रता का भूकंप आया : इससे पहले 30 जुलाई को रूस के पूर्वी प्रायद्वीप कामचटका में दुनिया का छठा सबसे बड़ा भूकंप आया था। इसकी तीव्रता 8.8 थी, जिसके चलते कामचटका में 5 मीटर तक ऊंची सुनामी आई। इसकी वजह से कई इमारतों को नुकसान पहुंचा। भूकंप का केंद्र जमीन से 19.3 किलोमीटर की गहराई में था। भूकंप के बाद रूस, जापान, अमेरिका और दक्षिण अमेरिका के तटीय इलाकों में सुनामी की चेतावनी जारी की थी। यहां सुनामी की हल्की लहरें देखने को भी मिली थीं।

इजराइल ने गाजा सिटी को तबाह करने की धमकी दी, कहा- राफा शहर की तरह मलबे में बदल देंगे

तेल अवीव । इजराइल के रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने शुक्रवार को गाजा सिटी को पूरी तरह तबाह करने की धमकी दी। काट्ज ने कहा, 'अगर हमास इजराइल की शर्तें नहीं मानेगा तो उसे अंजाम भुगतना होगा। यह बयान ऐसे समय में आया जब एक दिन पहले काट्ज ने गाजा सिटी पर कब्जे के लिए सेना को अनुमति दी थी। काट्ज ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा- गाजा का हाल राफा और बैत हनून शहरों जैसा हो सकता है, जो मलबे में तब्दील चुके हैं। ठीक जैसा मैंने वादा किया था। दरअसल, इजराइल ने जंग खत्म करने के बदले सभी कैदियों की एक साथ रिहाई और हमास के पूरी तरह से हथियार डालने समेत 5 शर्तें रखी थी।

नहीं रुकेगी जंग

रूस ने अमेरिकी कंपनियों पर दागी मिसाइल, ट्रंप ने शुरू किया एक्शन

एजेंसी । नई दिल्ली

अलास्का में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मुलाकात होती है। ठीक उसके बाद वाशिंगटन में यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की से ट्रंप की मुलाकात। ऐसा लगा कि बहुत जल्द रूस और यूक्रेन के बीच की जंग रुक जाएगी। लेकिन अब जो खबर सामने आ रही है। वो पूरी दुनिया के लिए किसी बड़े झटके से कम नहीं है। रूस ने यूक्रेन के पश्चिमी हिस्से में एक बड़ा हवाई हमला किया है। इस हमले में एक अमेरिकन इलेक्ट्रॉनिक की कंपनी को निशाना बनाया गया। जिसमें करीब 600 कर्मचारी काम कर रहे थे। 21 अगस्त की रात रूस ने यूक्रेन पर अपने इस सबसे बड़े हमलों में से एक को अंजाम दिया। यूक्रेन की वायु सेना ने कहा कि रूस ने इस साल यूक्रेन पर अपना सबसे बड़ा हवाई हमला किया, जिसमें 574 ड्रोन और 40 मिसाइलें दागी गईं। उसने बताया कि हमले ज्यादातर देश के पश्चिमी इलाकों को निशाना बनाकर किए गए। अधिकारियों के अनुसार, इन हमलों में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई और 15 अन्य घायल हो गए। यूक्रेन के विदेश मंत्री आंद्रेई सिबिहा ने कहा कि रूस ने पश्चिमी यूक्रेन में एक 'प्रमुख अमेरिकी इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माता' पर हमला किया। उन्होंने कोई और जानकारी नहीं दी। यूक्रेन के पश्चिमी हिस्से, देश के पूर्व और दक्षिण में युद्धक्षेत्र की अग्रिम पंक्ति से दूर हैं। माना जाता है कि यूक्रेन के पश्चिमी सहयोगियों द्वारा प्रदान की गई अधिकांश सैन्य सहायता वहीं पहुंचाई।

गाजा में भोजन संकट, 220 से अधिक ट्रकों में पहुंची मदद

तेल अवीव (आईएएनएस)

गाजा में बढ़ते भोजन संकट के बीच गुरुवार को 220 से अधिक ट्रकों की मदद पहुंचाई गई है। इजरायल के कोऑर्डिनेटर ऑफ गवर्नमेंट एक्टिविटीज (सीओजीएटी) ने एक बयान में इसकी जानकारी दी। इजरायल के कोऑर्डिनेटर ऑफ गवर्नमेंट एक्टिविटीज के अनुसार, गुरुवार को 220 से अधिक ट्रकों ने गाजा पट्टी में केरेम शालोम और जिकिम क्रॉसिंग के माध्यम से मानवीय सहायता पहुंचाई। इसके अलावा, संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने 370 से ज्यादा राहत सामग्री से भरे ट्रक इकट्ठा किए हैं, ताकि उन्हें जरूरतमंदों में बांटा जा सके। सीओजीएटी ने बताया कि सैकड़ों ट्रकों में भरी राहत सामग्री अभी भी गाजा बॉर्डर पर खड़ी है, जिसे उठाए जाने का इंतजार है। आईडीएफ के अनुसार, जॉर्डन, संयुक्त अरब अमीरात, जर्मनी, नीदरलैंड, फ्रांस, सिंगापुर और इंडोनेशिया ने हवाई मार्ग से 155 पैलेट्स (लगभग चार ट्रकों के बराबर) सहायता सामग्री गाजा में उतारी है, जिसमें प्रत्येक पैलेट में सैकड़ों किलोग्राम खाद्य सामग्री शामिल थी। पिछले कुछ हफ्तों से रोजाना इसी तरह की सहायता आपूर्ति की खबरें आ रही हैं।

बार्सिलोना के मेयर को इजरायल में प्रवेश की नहीं मिली इजाजत

फिलिस्तीनी प्राधिकरण संग करने वाले थे बैठक

तेल अवीव । बार्सिलोना के मेयर जौमे कोलबोनी को उनके इजरायल विरोधी बयानों के कारण देश में प्रवेश करने से रोक दिया गया है। इजरायली मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, कोलबोनी को शुक्रवार रात इजरायल पहुंचना था। इजरायली मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, बार्सिलोना के मेयर जौमे कोलबोनी को इजरायल पहुंचने से पहले सूचित किया गया कि जनसंख्या और आप्रवासन प्राधिकरण ने उनके प्रवेश पर रोक लगा दी है। उन पर इजरायल विरोधी बयान देने का आरोप है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, अगर यह यात्रा रद्द नहीं हुई होती, तो कोलबोनी याद वाशेम का दौरा करते और फिलिस्तीनी प्राधिकरण के साथ कई बैठक करते। बार्सिलोना के मेयर को यरुशलम स्थित विश्व नरसंहार स्मृति केंद्र का भी दौरा करना था। कोलबोनी के प्रवेश पर रोक लगाने का यह निर्णय बार्सिलोना शहर परिषद द्वारा तीन महीने पहले इजरायली सरकार के साथ संस्थागत संबंध तोड़ने और गाजा युद्ध के कारण तेल अवीव के साथ मित्रता समझौते को निलंबित करने के मतदान बाद आया है। इस बीच, संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने गाजा में तत्काल युद्धविराम का आह्वान किया है।

45 साल बाद ताज का दीदार करने पहुंची यमुना

ब्यूरो

नई दिल्ली। तमाम लोग कहते हैं कि ताजमहल दुनिया की एक अनमोल मोहब्बत की निशानी है, मुग़ल बादशाह शाहजहां और उनकी बेगम मुमताज़ के प्यार की। बेगम के इंतकाल के बाद शाहजहां ने उनकी याद में यह दुनिया की अति खुबसुरत इमारत बनवाया , जिसमें बेगम का देह दफन करवाया, और अपना इंतकाल होने पर उनकी बग़ल में देह दफन करने की इच्छा जताया । सो वह भी अपनी प्यार के बग़ल में दफन हैं। इस तरह यह सच्ची मोहब्बत की एक लाजवाब व बेहतरीन निशानी है दिखावा नहीं है। इस ताजमहल के उत्तरी बाहरी दिवार का दीदार करते हुए 1978 में यमुना बहीं थी । उसके 45 वर्ष बाद अब फिर उस अपने प्यारे ताजमहल का दीदार करने पहुंची हैं।वैसे तो यमुना के किनारे मुगल सल्तनत के दौरान कई विश्व प्रसिद्ध धरोहर बने , जिसमें से दिल्ली का लाल क़िला भी एक प्रमुख इमारत है , जिस पर भारत के प्रधानमंत्री हर वर्ष 15 अगस्त को तीरंगा झंडा फहराते हैं और लंबा भाषण देते हैं। इस दिल्ली के लाल क़िले को भी शाहजहाँ ने ही बनवाया था। इसी तरह से आगरा में यमुना के किनारे पश्चिमी छोर पर आगरा का क़िला भी है , जिसमें शाहजहाँ को उसके बेटे औरंगजेब ने क़ैद किया था। जहां से वह वहाँ से पूरब दक्षिण की तरफ़ यमुना के किनार बनवाये अपने प्रेम की निशानी ताजमहल को निहारा करते थे। और मौत के बाद उनके इच्छा के अनुसार उसी ताजमहल में उनकी बेगम के बग़ल में दफ़नाया गया, जिसके लिए वह ताजमहल बनवाते समय ही जगह छोड़वा रखे थे। तो उसी आगरा में यमुना उसी ताजमहल तक पहुंच गई है। ताजमहल के पीछे बने पार्क में भी यमुना का पानी भर गया है। इस तरह यमुना ताजमहल के पिछली दीवार को छूने लगी है। आगरा का बल्केश्वर पार्वती घाट पानी में डूब चुका है। अगले 2 दिनों तक यमुना में नाव चलाने पर भी रोक लगा दी गई है। लेकिन यमुना का इस तरह ताजमहल का दीदार करने आने से ताजमहल व उसके सटे ऐतिहासिक व प्राकृतिक दृश्य फिर से जीवंत हो गये हैं , जो पर्यटकों को एक अद्भूत अनुभव दे रही है।

बिग बॉस 19 में होगा 'महाभारत'!

माइक टायसन और डब्ल्यूडब्ल्यूई के अंडरटेकर की वाइल्डकार्ड एंट्री, मेकर्स ने फेका बड़ा दांव...

बिग बॉस सबसे बहुप्रतीक्षित रियलिटी शो में से एक है जिसने दिलों पर राज किया है और कैसे! आखिरकार इंतज़ार खत्म हुआ क्योंकि बिग बॉस सीज़न 19 का प्रीमियर 24 अगस्त से शुरू हो रहा है। सलमान खान होस्ट के रूप में वापसी कर रहे हैं और प्रशंसक खुशी से झूम रहे हैं।

कहानी फिल्म जगत की

इस साल शो का विषय दिलचस्प है और सीज़न 19 में और भी ड्रामा देखने को मिलेगा। घरवालों की सरकार, जिसमें घटक सत्ता पक्ष और विपक्ष के गुटों में बँटे होंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, आने वाले सीज़न के टास्क में सत्ता बदलो चुनौतियाँ शामिल होंगी और हर फैसले के ऐसे परिणाम होंगे जो निश्चित रूप से घर के अंदर की गतिशीलता को बदल देंगे। फैन्स का फैसला पोल के ज़रिए दर्शक 21 अगस्त तक मृदुल तिवारी और शहबाज़ बदेशा में से किसी एक को चुन सकते हैं और प्रत्येक उपयोगकर्ता जियोहॉटस्टार ऐप के ज़रिए 99 वोट तक डाल सकता है। बिग बॉस सीज़न 19 का प्रीमियर 24 अगस्त, 2025 को रात 9:00 बजे फर्स्ट पर जियोहॉटस्टार पर होगा और उसी दिन रात 10:30 बजे कलर्स टीवी पर एपिसोड प्रसारित होगा।